रायपुर। शनिवार, 03 अक्टूबर, 2026
आश्विन कृष्ण पक्ष सप्तमी, सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष : 1, अंक : 62/ मूल्य 3.00 रुपए। पृष्ठ 12

दैनिक
विश्व केसरी
छत्तीसगढ़ एवं नई दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwa_kesari_official
@VishwaKesari
सिर्फ पत्रकारिता...

@ खेल महिला तीरंदाजों ने स्वर्ण पर लगाया निशाना...
@ विचार गांधी जी का रामराज्य और भारत...
@ व्यापार वंदे भारत कटरा-बनिहाल सेक्शन में 100 किलोमीटर...

खबर झरोखा

गुजरात में यूसीसी को राष्ट्रपति की मंजूरी

गांधीनगर। गुजरात में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू हो गया है। गुजरात यूनिफॉर्म सिविल कोड, 2026 को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु की मंजूरी मिल गई है। इसके बाद राज्य सरकार ने राजपत्र अधिसूचना भी जारी कर दी है और राज्य में कानून को लागू करने की प्रक्रिया आगे बढ़ गई है। गुजरात विधानसभा ने मार्च 2026 में गुजरात यूनिफॉर्म सिविल कोड बिल पारित किया था।

ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग सीजेपी का जेल भरो आंदोलन

मुंबई। मुंबई के ऐतिहासिक शिवाजी पार्क से शुक्रवार को कॉकरोच जनता पार्टी के संयोजक अभिजीत दीपके ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर जेल भरो आंदोलन शुरू किया। प्रदर्शन की शुरुआत छत्रपति शिवाजी महाराज पार्क के गेट नंबर 6 के पास से हुई। इस आंदोलन को बाद में गोवा, कोलकाता समेत देश के दूसरे हिस्सों तक ले जाने और आखिर में नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर धरना देने की बात कही गई है। अभिजीत दीपके ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि मुंबई से आंदोलन शुरू करने का फैसला सोच-समझकर लिया गया है।

बेटियों का स्वर्णिम कमाल, हॉकी में 44 साल बाद धमाल

6 स्वर्ण पदक के साथ टॉप-5 में पहुंचा भारत

एजेंसी ■ काकामिगाहारा

महिला हॉकी टीम की शानदार जुझारू क्षमता ने भारत को 44 साल के लंबे इंतजार के बाद एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक दिलाया। इस ऐतिहासिक सोने के साथ टीम ने ओलंपिक के लिए भी क्वालीफाई कर लिया। मुक्केबाजों, तीरंदाजों और पहलवान सुजीत कलकल ने भी उम्मीदों से बेहतर प्रदर्शन करते हुए भारत के शानदार अभियान में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

शुक्रवार को प्रतियोगिताओं के अंतिम दिन से एक दिन पहले भारत ने एक ही दिन में छह स्वर्ण पदक अपने नाम किए और पदक तालिका में शीर्ष पांच में जगह बना ली।

भारत अब 76 पदकों के साथ पांचवें स्थान पर है। उसके खाते में 16 स्वर्ण, 25 रजत और 35 कांस्य पदक हैं। कुल पदकों की संख्या में भारत ने चौथे स्थान पर मौजूद उज्बेकिस्तान को पीछे छोड़ दिया है, जिसके नाम 65 पदक हैं। हालांकि, स्वर्ण पदकों की संख्या में भारत अभी उज्बेकिस्तान से चार पीछे है।

एशियन गेम्स 2026 में भारतीय महिला हॉकी टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 44 साल का सूखा खत्म कर दिया है। फाइनल मुकाबले में भारतीय टीम ने चीन को 1-0 से हराकर गोल्ड मेडल पर कब्जा जमाया।

पीएम मोदी बोले-भारतीय हॉकी के लिए बहुत खास पल

एजेंसी ■ नई दिल्ली

भारतीय महिला हॉकी टीम ने यादगार प्रदर्शन करते हुए एशियन गेम्स 2026 में ऐतिहासिक गोल्ड मेडल जीता। भारतीय टीम ने फाइनल मुकाबले में चीन को 1-0 से हराया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस खास उपलब्धि के लिए भारत की बेटियों की जमकर सराहना की है। पीएम मोदी ने पीएमओ के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'भारतीय हॉकी के लिए एक बहुत ही खास पल। भारत के लोग महिला हॉकी टीम की सफलता का जश्न मना रहे हैं, जिन्होंने एशियन गेम्स में शानदार गोल्ड मेडल जीता है और वो भी चार दशकों से ज्यादा समय के बाद। यह बेहतरीन कौशल और टीमवर्क का नतीजा है। उनका जज्बा भी बहुत प्रेरणादायक है। टीम को उनके भविष्य के प्रयासों के लिए मेरी शुभकामनाएं। उम्मीद है कि यह सफलता देशभर में हॉकी की लोकप्रियता बढ़ाने में योगदान देगी।'

अंकुश पंघाल का 'गोल्डन पंच', भारत को बॉक्सिंग 6 पदक

एजेंसी ■ निशियो

एशियन गेम्स 2026 में भारत का बॉक्सिंग अभियान शानदार अंदाज में खत्म हुआ। निशियो जिम्नेजियम में खेले गए पुरुषों के 80 किग्रा वर्ग के फाइनल में अंकुश पंघाल ने साउथ कोरिया के मिनसोंग किम को 4-0 से हराकर देश की झोली में एक और गोल्ड मेडल डाला। अंकुश ने मुकाबले की शुरुआत से ही दबदबा बनाए रखा। पांच में से चार जजों ने उनके पक्ष में 30-26 का फैसला दिया, जबकि एक जज ने दोनों को 28-28 पर बराबरी पर रखा। कोरियाई बॉक्सर को पहले राउंड में चेतावनी मिलने के कारण एक प्वाइंट का नुकसान उठाना पड़ा। अंकुश ने जोरदार पंच लगाते हुए पहला राउंड 4-1 से जीता। दूसरे राउंड में भी उनका प्रदर्शन बेहतर रहा और उन्होंने 1-2 कॉम्बिनेशन और काउंटर पंच के साथ 5-0 से जीत हासिल की। किम ने भी कुछ पंच लगाए, लेकिन भारतीय बॉक्सर कहीं बेहतर लय में नजर आया। तीसरे राउंड में भारतीय बॉक्सर ने फिर से काउंटर पंच का शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने डिफेंस और अटैक का बेहतरीन तालमेल बिठाते हुए तीसरा राउंड 4-1 से जीता और मुकाबला 4-0 से अपने नाम कर लिया।

मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग, आप का प्रदर्शन

एजेंसी ■ नई दिल्ली

दिल्ली के जंतर-मंतर पर शुक्रवार को प्रदर्शन के दौरान हिरासत में लिए गए आम आदमी पार्टी (आप) के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने कहा कि वे पुलिस से डरने वाले नहीं हैं। प्रदर्शनकारी मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग कर रहे थे। हिरासत में लेने के बाद उन्हें दक्षिण दिल्ली के फतेहपुर बेरी थाने ले जाया गया।

आयोग के भीतर मतभेद होने का दावा करने वाली एक मीडिया रिपोर्ट सामने आने के बाद सीईसी ज्ञानेश कुमार के खिलाफ विपक्ष के 'वोट चोरी' के आरोपों ने जोर पकड़ लिया है। हिरासत में लिए गए नेताओं में शामिल दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी ने आईएएनएस से कहा, 'भारत के लोगों को वोट देने का अधिकार तब मिला, जब लाखों स्वतंत्रता सेनानियों ने आजादी के लिए अपना जीवन बलिदान किया। बाबा साहेब अंबेडकर ने हमें वोट देने का अधिकार दिया।' उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ज्ञानेश कुमार के जरिए लोगों से वोट देने का अधिकार छीनने की कोशिश कर रही है।

आतिशी ने कहा, 'वोट चोरी को लेकर ज्ञानेश कुमार के खिलाफ कोई एफआईआर दर्ज नहीं हो रही है, लेकिन उनके इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदर्शन करने वालों को जबरन उठाकर पुलिस थानों में ले जाया जा रहा है। लेकिन हम पुलिस से डरने वाले नहीं हैं। लोकतंत्र की लड़ाई जारी रहेगी।'

हिरासत में लिए गए आप प्रवक्ता अनुराग ढांडा ने भी इसी तरह के आरोप लगाए। उन्होंने कहा, 'हम सिर्फ मांग कर रहे हैं कि लोकतंत्र को खत्म नहीं किया जाना चाहिए। हम कह रहे थे कि लोगों को वोट देने का अधिकार मिलना चाहिए। ज्ञानेश कुमार ने वोट देने का अधिकार छीना और वोट चोरी की, फिर भी उन्हें जेल में नहीं डाला जा रहा है। इसके बजाय हमें पुलिस थाने में बैठाया गया है। यह केंद्र सरकार की पूरी तरह तानाशाही है।' इस बीच, 'आप' की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज और विधायक जरनैल सिंह समेत पार्टी के कई अन्य नेताओं ने राष्ट्रीय राजधानी में विरोध मार्च में हिस्सा लिया।

राष्ट्र और धर्म अलग नहीं, जब राष्ट्र कमजोर होता है तो धर्म पर खतरा आता है : मोहन भागवत

एजेंसी ■ मुंबई

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने मुंबई में ऑल इंडिया विहार सेवा ग्रुप के 14वें वार्षिक सम्मेलन में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने समर्पण, राष्ट्र और धर्म को लेकर अपनी बात रखी।

संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कहा, 'इन दो चीजों (राष्ट्र और धर्म) को व्यवहार में अपनाने की कोशिश करो। अगर आप इन्हें अपने कर्मों से दिखा सकते हो, तो वही काफी है। यह उपदेश देने की बात नहीं है लेकिन एक बार आप देखेंगे कि संघ में भी लाखों लोग बिना कुछ मांगे अपना समय और पैसा देश की सेवा में लगाते हैं।'

उन्होंने समर्पण के महत्व को समझाते हुए कहा, 'अगर समर्पण किसी नेक और दिव्य लक्ष्य के लिए हो, किसी सुंदर कारण के लिए हो, या किसी पवित्र उद्देश्य के लिए हो, तो वह व्यक्ति के जीवन को स्वर्ग बना सकता है। आप भाग्यशाली हैं कि आपको ऐसे ही एक उद्देश्य के लिए खुद को समर्पित करने के लिए बुलाया गया है। नहीं तो जीवन में ऐसा सार्थक काम खोजने के लिए कई जन्मों तक तपस्या करनी पड़ती है। शायद आपने अपने पिछले जन्मों में से किसी एक में ऐसा किया भी होगा।'

मोहन भागवत ने राष्ट्र और धर्म के संबंध पर बोलते हुए कहा, 'हमारी परंपरा में राष्ट्र और धर्म अलग नहीं हैं। राष्ट्र का उद्देश्य धर्म है, और धर्म राष्ट्र की सेवा के लिए है। दोनों आपस में जुड़े हुए हैं। अगर एक है तो दूसरा भी है, अगर एक नहीं है तो दूसरा भी नहीं हो सकता। जब राष्ट्र कमजोर होता है, तो धर्म पर खतरा आता है। जब धर्म का अभ्यास कमजोर होता है, तो राष्ट्र का पतन होता है। इसलिए दोनों को सही तरीके से एक साथ आगे ले जाना हमारी जिम्मेदारी है। जब पढ़ाई के प्रति समर्पित युवा छात्र इस ज्ञान परंपरा की रक्षा के लिए समय निकालते हैं, तो यह राष्ट्रीय कार्य भी है और धर्म का कार्य भी है।' उन्होंने कहा, 'हर खुशी अधूरी रहती है। हर आकांक्षा के साथ कोई न कोई नुकसान जुड़ा होता है। हर निष्ठा किसी न किसी दूसरी निष्ठा से टकराती है। अतिवाद है, संतुलन नहीं है, कोई मध्यम मार्ग नहीं है और इसीलिए दुनिया परेशान है। और दुनिया जानती है कि आगे का रास्ता भारत से ही आएगा। एक समय में लगभग 3,000 साल तक भारत ने बिना किसी देश को जीते, बिना किसी का धर्म परिवर्तन कराए, और बिना किसी मुद्दे पर किसी पर हमला किए, दुनिया को सुख और शांति का रास्ता दिखाया था। इसीलिए दुनिया को हमसे उम्मीदें हैं।'

रायपुर। विधायक सुनील सोनी ने राज्यपाल रमेन डेका के साथ रायपुर में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री, भारत रत्न, लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित कर सादर नमन किया। साथ ही उन्होंने सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत टाउन हॉल में आयोजित 'नशामुक्त भारत पदयात्रा सप्ताह के कार्यक्रम में सहभागिता की तथा नशामुक्त भारत के संकल्प के साथ आयोजित पदयात्रा में शामिल हुए। इस अवसर पर रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल रायपुर उत्तर से विधायक पुरंदर मिश्रा महापौर मीनल चौबे सहित विभिन्न जनप्रनिधि एवं गणमान्यजन उपस्थित रहे।

एफआईपी ने की पीएमओ से मच्छार के लिए वीरता पुरस्कार की मांग की

एजेंसी ■ नई दिल्ली

फेडरेशन ऑफ इंडियन पायलट्स (एफआईपी) ने प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) से फ्लाईदुबई की उड़ान एफजेड1073 के भारतीय पायलट कैप्टन स्मिथ मच्छार को राष्ट्रीय वीरता पुरस्कार देने पर विचार करने का अनुरोध किया है। संस्था ने कहा है कि 30 सितंबर को हवा में पैदा हुई गंभीर आपात स्थिति के दौरान मच्छर ने असाधारण साहस और पेशेवर जिम्मेदारी का परिचय दिया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को शुक्रवार को भेजे गए प्रतिनिधित्व में एफआईपी के अध्यक्ष कैप्टन सी.एस. रंधावा ने कहा कि दुबई-तेल अवीव उड़ान के दौरान फर्स्ट ऑफिसर पायलट के साथ हुई कथित झड़प में गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद कैप्टन मच्छर ने पायलट-इन-कमांड के तौर पर अपनी जिम्मेदारियां निभाईं। इसके बाद विमान को सऊदी अरब के तबुक की ओर मोड़ा गया, जहां उसकी आपात लैंडिंग कराई गई।

तीर तेवर — सागर कुमार

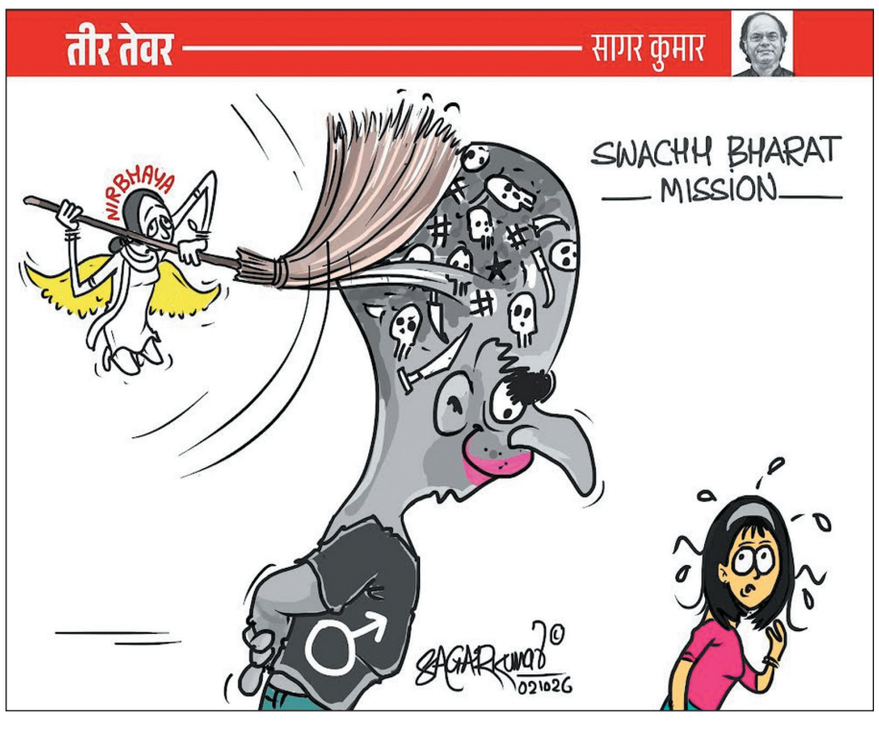

बस्तर के लिए विशेष राहत पैकेज की मांग

प्रदेश अध्यक्ष किरण देव ने सीएम साय और केंद्रीय मंत्री को लिखा पत्र, जोरा नाला की नई डीपीआर पर जोर

विश्व केसरी■

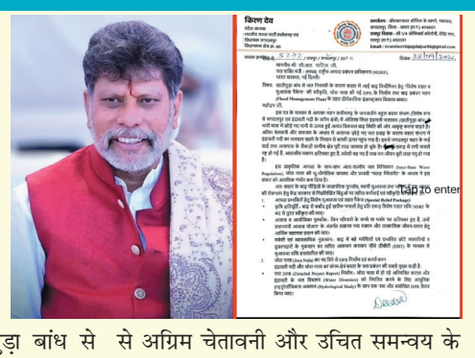

जगदलपुर (अर्जुन कुमार झा)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष किरण देव ने केंद्रीय जल शक्ति मंत्री एवं राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अध्यक्ष सी.आर. पाटिल, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा को एक पत्र लिखा है। इस पत्र में उन्होंने ओड़िशा स्थित खातीगुड़ा बांध से अचानक पानी छोड़े जाने के कारण बस्तर संभाग में उत्पन्न भीषण बाढ़ की स्थिति से अवगत कराया है। ष्टरूसाय ने बस्तर के बाढ़ पीड़ितों के तात्कालिक पुनर्वास, विशेष मुआवजा पैकेज, जोरा नाला की नई डीपीआर के निर्माण और दीर्घकालिक बाढ़ प्रबंधन योजना की तत्काल स्वीकृति का आग्रह किया है।

आम जनजीवन हुआ अस्त-व्यस्त - भाजपा प्रदेश अध्यक्ष देव ने केन्द्रीय मंत्री पाटिल को लिखे पत्र में ध्यान आकृष्ट किया है कि इंद्रावती जलाशय (खातीगुड़ा बांध) से अग्रिम चेतावनी और उचित समन्वय के बिना भारी मात्रा में पानी छोड़े जाने से इंद्रावती नदी का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर पहुंच गया। इसके चलते जगदलपुर शहर के कई वार्ड और ग्रामीण क्षेत्र जलमग्न हो गए हैं। लाखों एकड़ में लगी फसलें तबाह हो चुकी हैं, मकान क्षतिग्रस्त हुए हैं, मवेशी बह गए हैं और आम जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। अंतर्राज्यीय जल विनियमन के अभाव और जोरा नाला की भौगोलिक स्थिति और प्रभावी बाढ़ (आपदा) प्रबंधन के अभाव ने इस संकट को और अधिक गंभीर बना दिया है।

विशेष मुआवजा और राहत पैकेज की मांग

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष देव ने पत्र में आपदा प्रभावितों के लिए विशेष मुआवजा एवं राहत पैकेज के लिए सरकार का ध्यान आकर्षित करते हुए कहा है कि बाढ़ से नष्ट हुई खरीफ फसलों के लिए किसानों को प्रति एकड़ के आधार पर एनडीआरएफ मद से विशेष राहत राशि तुरंत स्वीकृत की जाए। जिन परिवारों के कच्चे या पक्के मकान क्षतिग्रस्त हुए हैं, उन्हें 'प्रधानमंत्री आवास योजना' के तहत प्राथमिकता से नया मकान और तत्काल जीवन-यापन के लिए आर्थिक सहायता प्रदान की जाए। बह गए मवेशियों, प्रभावित छोटे व्यापारियों और दुकानदारों के नुकसान का त्वरित सर्वे कराकर सीधे डीबीटी के माध्यम से मुआवजा राशि खाते में भेजी जाए।

जोरा नाला की नई डीपीआर पर जोर

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष देव ने जोरा नाला के नए सिरे से डीपीआर निर्माण और कार्यान्वयन को जरूरी बताते हुए कहा है कि जोरा नाला में अनियंत्रित कटाव और इंद्रावती नदी के जल विचलन (वाटर डायवर्सन) को नियंत्रित करने के लिए आधुनिक हाइड्रोलॉजिकल अध्ययन कराकर नया और संशोधित डिटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार किया जाए। इसी तरह जोरा नाला पर एक स्वचालित आधुनिक 'गेटेड रेगुलेटर स्ट्रक्चर' बनाया जाए, ताकि मानसून के दौरान अतिरिक्त जलप्रवाह को वैज्ञानिक तरीके से इंद्रावती और जोरा नाला के बीच विभाजित कर बस्तर पर बाढ़ के सीधे दबाव को कम किया जा सके। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष देव ने बाढ़ प्रबंधन प्लान एवं कैचमेंट एरिया डेवलपमेंट की जरूरत पर बल देते हुए कहा है कि इंद्रावती और उसकी सहायक नदियों के जलग्रहण क्षेत्रों में व्यापक स्तर पर पौधरोपण, मृदा संरक्षण और कंटूर ट्रेंचिंग का कार्य किया जाए, जिससे रन-ऑफ वाटर की गति और गाद का जमाव रुक सके।

जहां कभी लगती थीं नक्सलियों की जन अदालतें, वहां अब ग्राम सभा

ग्रामीण तय कर रहे अपने गांव का भविष्य

विश्व केसरी■

रायपुर। गांधी जयंती के अवसर पर शुक्रवार को प्रदेशभर की ग्राम पंचायतों में आयोजित विशेष ग्राम सभाओं के बीच नारायणपुर जिले से लोकतंत्र की एक सुखद तस्वीर सामने आई। कभी नक्सल प्रभाव से जूझने वाले ओरछा विकासखंड की ग्राम पंचायत कच्चापाल में बड़ी संख्या में ग्रामीण एक पेड़ की छांव तले ग्राम सभा के लिए जुटे और अपने गांव के विकास से जुड़े विषयों पर चर्चा में उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कच्चापाल की यह ग्राम सभा इसलिए भी विशेष रही कि बस्तर के जिन इलाकों में कभी नक्सलियों की तथाकथित 'जन अदालतों' का भय रहता था, उन्हीं क्षेत्रों में अब ग्रामीण संवैधानिक ग्राम सभा के मंच पर बैठकर अपनी बात रख रहे हैं और अपने गांव की विकास प्राथमिकताओं पर चर्चा कर रहे हैं। बदलते बस्तर की यह तस्वीर लोकतांत्रिक प्रक्रिया में ग्रामीणों की बढ़ती भागीदारी को रेखांकित करती है।

पेड़ की छांव बनी लोकतांत्रिक संवाद का मंच

कच्चापाल में ग्राम सभा के लिए किसी बड़े सभागार की जरूरत नहीं पड़ी। गांव के लोग पेड़ के नीचे एकत्र हुए और सामूहिक रूप से गांव की आवश्यकताओं तथा विकास कार्यों पर चर्चा की। ग्रामीणों की बड़ी भागीदारी ने ग्राम सभा को जीवंत बनाया। महिलाओं और ग्रामीणों ने भी चर्चा में हिस्सा लेकर स्थानीय जरूरतों से जुड़े विषय सामने रखे।

प्रदेश की अन्य ग्राम पंचायतों में भी विशेष ग्राम सभाओं के माध्यम से ग्रामीणों को अपने गांव की विकास प्राथमिकताएं तय करने की प्रक्रिया से जोड़ा गया। विकसित भारत-जी राम जी योजनांतर्गत विकसित ग्राम पंचायत प्लान (वीजीपीपी) तैयार करने के लिए स्थानीय आवश्यकताओं, उपलब्ध संसाधनों और जरूरी विकास कार्यों पर ग्रामीणों से सुझाव लिए गए।

गांव की जरूरत के अनुसार बनेगा विकास का रोडमैप

विशेष ग्राम सभाओं में जल संरक्षण, आजीविका संवर्धन और ग्रामीण अधोसंरचना जैसे विषयों पर स्थानीय जरूरत के अनुरूप कार्यों की पहचान पर जोर दिया गया। रिफॉर्म उत्सव के तहत ग्रामीणों को 125 दिवस रोजगार की वैधानिक गारंटी, समय पर रोजगार एवं मजदूरी भुगतान तथा योजना के अंतर्गत अनुमेय 375 प्रकार के कार्यों से संबंधित जानकारी भी दी गई। ग्राम सभाओं से मिले सुझाव विकसित ग्राम पंचायत प्लान का आधार बनेंगे। आगामी चरणों में गांवों के संसाधनों और आवश्यकताओं का आकलन कर विकास योजना का प्रारूप तैयार किया जाएगा।

नवीन विधान सभा भवन में ''महात्मा गांधी'' एवं 'शास्त्री को श्रद्धा सुमन

विश्व केसरी■

रायपुर। छत्तीसगढ़ नवीन विधान सभा भवन, अटल नगर, नवा रायपुर में राष्ट्रपिता 'महात्मा गांधी'' एवं पूर्व प्रधानमंत्री 'लाल बहादुर शास्त्री'' जी के जयंती पर आज विधान सभा सचिव दिनेश शर्मा ने सेन्ट्रल हॉल में स्थापित महात्मा गांधी जी के तैल चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किये।उन्होंने इस अवसर पर पूर्व प्रधानमंत्री श्री लाल बहादुर शास्त्री जी के चित्र पर भी पुष्पांजलि अर्पित की।इस अवसर पर प्रार्थना सभा का भी आयोजन किया गया।इस कार्यक्रम में विधान सभा सचिवालय के वरिष्ठ अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भी राष्ट्रपिता 'महात्मा गांधी'' एवं पूर्व प्रधानमंत्री 'लाल बहादुर शास्त्री'' को पुष्पांजलि अर्पित कर उनको स्मरण किया।

इस अवसर पर सचिवालय के अनुराग सिंह, कुंदन चौहान, लक्ष्मीकांत सेन, राजेश चौहान, रामकुमार यादव एवं साथियों द्वारा महात्मा गांधी के प्रसिद्ध भजन 'वैष्णव जन तो तेने कहिए'' एवं 'रघुपति राघव राजा राम'' का गायन किया गया।

गुढ़ियारी के भारती विद्यालय में नशा-मुक्त भारत अभियान

विश्व केसरी■

रायपुर। सेवा संकल्प अभियान, सेवा मेरा योगदान के तहत, नशा मुक्त भारत जागरूकता अभियान किया गया गुढ़ियारी स्थित मां भारती विद्यालय (मच्छी तलाब) पर किया गया जिसके (संयोजक) प्रिया सिंह प्रदेश कार्यकारणी सदस्य एनजीओ प्रकोष्ठ भाजपा छत्तीसगढ़ रही इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ गौ सेवा आयोग के उपाध्यक्ष एवं दक्षिण कौशल के पीठाधीश्वर महंत राजीव लोचन दास रहे तथा भाजपा नेता वरिष्ठ समाजसेवी बसंतअग्रवाल उपस्थित रहे इस कार्यक्रम में गणेश उत्सव समिति का सम्मान समारोह भी था प्रिया सिंह ने नशा मुक्त भारत जागरूकता अभियान के समितियों के युवाओं को नशे से दूर रहने और नशा मुक्त रहने के लिए अपने आस पास और पड़ोसी की बाते बताई नशे से कैसे लोगों को दूर रखा जाए इस पर संत राजीव लोचन महाराज एवं वरिष्ठ समाज सेवक बसंत अग्रवाल ने भी नशे पर बहुत महत्वपूर्ण बाते समझाई युवाओं को।

जिससे कि युवाओं में सकारात्मक सोच हुई अपनी जीवन को लेकर प्रिया सिंह का मानना है कि नशा से किसी का भला नहीं होता नशा वो दीमक है जो जीवन को खत्म करता है इन्हीं बातों के साथ कार्यक्रम को समाप्त किया गया। और वहां बैठे सभी गणेश उत्सव समिति के लोगो ने समर्थन किया।

महात्मा गांधी जयंती पर स्वच्छता एवं जागरूकता कार्यक्रम

विश्व केसरी■

रायपुर। कृषि महाविद्यालय, रायपुर में दीक्षारंभ कार्यक्रम के अंतर्गत महात्मा गांधी जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना (ह्स्स्) द्वारा स्वच्छता, श्रमदान एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी के छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर एवं दीप प्रज्वलित करके किया गया।

कार्यक्रम के प्रारंभ में डॉ. आर. पी. कुजूर, शैक्षणिक प्रभारी, कृषि महाविद्यालय, रायपुर द्वारा महात्मा गांधी जयंती के अवसर पर गांधी के विचारों एवं उनके जीवन मूल्यों पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को संदेश दिया गया। तत्पश्चात राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी, छात्रा इकाई, कृषि महाविद्यालय, रायपुर, डॉ. पायल जायसवाल ने नवप्रवेशित विद्यार्थियों को राष्ट्रीय सेवा योजना के उद्देश्यों, विभिन्न गतिविधियों एवं स्वयंसेवकों की भूमिका के बारे में जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों को राष्ट्रीय सेवा योजना की गतिविधियों में सक्रिय सहभागिता करने तथा समाज सेवा एवं राष्ट्र निर्माण में योगदान देने के लिए प्रेरित किया।

महंत कॉलेज में फ्रेशर पार्टी आज

छत्तीसगढ़ फिल्म उद्योग के कलाकार की उपस्थिति में होगा आयोजन

विश्व केसरी■

रायपुर। गांधी चौक स्थित महंत लक्ष्मी नारायण दास महाविद्यालय रायपुर छत्तीसगढ़ में नव प्रवेशी छात्र-छात्राओं की स्वागत के लिए फ्रेशर पार्टी का आयोजन दिनांक 3 अक्टूबर 2026 को प्रात: 12:00 बजे से किया गया है इस आयोजन में छत्तीसगढ़ फिल्म उद्योग के विख्यात कलाकार शामिल होंगे और प्रस्तुति देंगे वहीं आयोजन में छात्र-छात्राओं के लिए डांसिंग फ्लोर की व्यवस्था की गई है ताकि उत्साह को एक नया मंच दिया जा सके आयोजन के संदर्भ में जानकारी देते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर देवाशीष मुखर्जी ने कहा है कि छात्र और छात्राओं के लिए व्यवस्थाएं और सुरक्षा का प्रावधान रखा गया है सभी छात्र-छात्राएं परिचय पत्र के साथ शामिल हो सकेंगे छात्र-छात्राओं से यह भी अपील की गई है। की आयोजन में महाविद्यालय के गरिमा पूर्ण परिधान को ध्यान में रखते हुए कार्यक्रम में शामिल होंगे

गांधी और शास्त्री सर्वधर्म प्रार्थना सभा में याद किए गए

विश्व केसरी■

रायपुर। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर पर भारत स्काउट्स एवं गाइड्स छत्तीसगढ़ द्वारा बलवीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम, बूढ़ापारा, रायपुर में राज्य स्तरीय सर्वधर्म प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में शिक्षा मंत्री एवं भारत स्काउट्स एवं गाइड्स छत्तीसगढ़ के अध्यक्ष श्री गजेन्द्र यादव मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। अध्यक्षता राज्यसभा सांसद एवं संस्था की प्रदेश उपाध्यक्षद्म लक्ष्मी वर्मा ने की।

कार्यक्रम के दौरान शिक्षा मंत्री यादव ने भारत स्काउट्स एवं गाइड्स छत्तीसगढ़ की पत्रिका 'प्रयास' तथा भारत स्काउट्स एवं गाइड्स और यूनिसेफ द्वारा तैयार 'तारुण्य वार्ता' (मासिक धर्म पर खुलकर चर्चा) पुस्तक का विमोचन किया। उन्होंने संस्था की नवीन वेबसाइट का लोकार्पण भी किया। इस अवसर पर विभिन्न जिलों के स्काउट्स एवं गाइड्स को सम्मानित भी किया गया।

हम एक-दूसरे के प्रति प्रेम, सद्भाव और सम्मान रखें

शिक्षा मंत्री यादव ने कहा कि महात्मा गांधी के सत्य और अहिंसा के विचार तथा लाल बहादुर शास्त्री की सादगी और कर्तव्यनिष्ठा आज भी हमारा मार्गदर्शन करते हैं। सर्वधर्म प्रार्थना सभा हमें सभी आस्थाओं का सम्मान करने और समाज में प्रेम व भाईचारे को मजबूत करने की प्रेरणा देती है। उन्होंने कहा कि स्काउट्स एवं गाइड्स से जुड़े बच्चे और युवा सेवा, अनुशासन तथा सहयोग की भावना को अपने जीवन में अपनाकर राष्ट्र निर्माण में योगदान दे सकते हैं। हमारे देश की संस्कृति 'सर्वधर्म समभाव' और सभी के मंगल की कामना पर आधारित है। सर्वधर्म प्रार्थना हमें यही संदेश देती है कि सभी सुखी हों, सभी का कल्याण हो और हम एक-दूसरे के प्रति प्रेम, सद्भाव और सम्मान रखें।

स्काउट-गाइड हमें अनुशासन का संदेश देता है

यादव ने कहा कि स्काउट-गाइड का उद्देश्य केवल नियमों और प्रतिज्ञाओं को पढ़ना नहीं, बल्कि उन्हें अपने जीवन में उतारना है। हम स्वयं अनुशासित रहेंगे, तभी दूसरों को अनुशासन का संदेश दे पाएंगे। स्काउट-गाइड हमें प्रकृति से प्रेम करना और पशु-पक्षियों का मित्र बनना भी सिखाता है। इसलिए प्रत्येक स्काउट और गाइड अपने जीवन में कम से कम एक पौधा अवश्य लगाए और उसके संरक्षण की जिम्मेदारी भी निभाए।

राज्यसभा सांसद

लक्ष्मी वर्मा ने कहा कि भारत की विविधता ही उसकी शक्ति है। अलग-अलग आस्थाओं और परंपराओं के प्रति आदर ही सामाजिक सद्भाव और एकता का आधार है। उन्होंने बच्चों और युवाओं से गांधीजी एवं शास्त्रीजी के आदर्शों को दैनिक जीवन में अपनाने का आह्वान किया।

सर्वधर्म प्रार्थना सभा में महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री के जीवन एवं विचारों का स्मरण करते हुए शांति, प्रेम, भाईचारे और राष्ट्रीय एकता का संदेश दिया गया।

भारत स्काउट्स एवं गाइड्स छत्तीसगढ़ के राज्य मुख्य आयुक्त श्री इंद्रजीत सिंह खालसा ने सर्वधर्म समभाव के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया।

छत्तीसगढ़ के लेखक ग्वालानी दंपति पहुंचे यूऐई के राष्ट्रपति भवन

विश्व केसरी■

रायपुर। (विश्व केसरी)लेखक शिव ग्वालानी अपनी पत्नी कविता ग्वालानी (पूर्व पार्षद , सदस्य अपील समिति नगर निगम रायपुर छग) के साथ दुबई, आबूधाबी शारजाह और अजमन यूऐई के चार राज्यों के भ्रमण के लिए 22 से 30 सितम्बर तक यूऐई के दौरे पर थे। 22 तारीख की रात को [illegible] चेयरमैन चन्द्र शेखर भाटिया के साथ ग्वालानी दंपति को दुबई में एक समारोह में शिरकत करनी थी लेकिन अचानक सोमवार 21 सितंबर 2026 के दिन दुबई के शासक शेख मोहम्मद बिन राशिद के छोटे भाई शेख अहमद बिन राशिद अल मकतूम का निधन हो गया जिसके कारण यह समारोह रद्द हो गया।

25 सितंबर शुक्रवार के दिन शाम सात बजे लेखक ग्वालानी दंपति यूऐई के दूसरे राज्य अजमन में शारजाह से होते हुये पहुंचे। जहाँ पर ग्वालानी दंपति की डाक्टर बू अब्दुल्ला के साथ आत्मीय मुलाकात हुयी। यहाँ पर ग्वालानी दंपति ने डाक्टर बू अब्दुल्ला को उनकी लिखी हुयी अंग्रेजी भाषा की सच्चे घटनाक्रम पर आधारित किताब '' दास्ताने कश्मीर 'जो दोस्ती, मुहब्बत, अमन चैन और असल कशमीरी संस्कृति का संदेश देती है और हिंदी भाषा में लिखी हुयी उनकी किताब मास्टर आफ नथिंग भेंट की।

बातचीत बहुत ही मुहब्बत भरे वातावरण में हुयी जिसमें

दुनियाँ को दोस्ती मुहब्बत अमन चैन का संदेश देने के लिए डाक्टर बू अब्दुल्ला ने ग्वालानी दंपति की भूरी भूरी प्रशंसा की और उन्हें खुशामदीद कहा।

लेखक शिव ग्वालानी ने उनकी किताब दास्ताने कश्मीर के अन्य भाषाओं में रिलीज़ होने वाले समारोह के लिए, डाक्टर बू अब्दुल्ला को ईंडिया आने के लिए, समारोह में शिरकत करने के लिए आमंत्रित किया जिस पर डाक्टर बू अब्दुल्ला ने सहमति प्रदान की और अरबी भाषा में उनकी किताब पर एक संदेश भी लिख कर दिया।

मृतिका के नाखूनों में मिले साक्ष्य से खुला हत्या का राज

दो वर्ष पूर्व हुई थी महिला की हत्या में पुलिस को मिली सफलता

विश्व केसरी■

रायपुर। पुलिस आयुक्त डॉ. संजीव शुक्ला द्वारा रायपुर कमिश्नरेट में अज्ञात हत्या सहित गंभीर अपराधों के मामलों के शीघ्र निराकरण तथा ऐसे प्रकरणों पर लगातार ध्यान देते हुए उपलब्ध वैज्ञानिक एवं तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों तक पहुंचने के निर्देश दिए गए हैं। इन्हीं निर्देशों के अनुरूप अतिरिक्त पुलिस आयुक्त अमित तुकाराम कांबले के मार्गदर्शन एवं लगातार समीक्षा में प्रकरण की जांच को आगे बढ़ाया गया। श्री कांबले द्वारा प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए उपलब्ध वैज्ञानिक साक्ष्यों, संदिग्धों की पहचान एवं विवेचना की प्रत्येक महत्वपूर्ण कड़ी पर लगातार दिशा-निर्देश दिए गए तथा प्रकरण के निराकरण के लिए किए जा रहे प्रयासों की लगातार समीक्षा की गई।

इसी क्रम में DCP Crime स्मृति राजनालाएवं DCP North Zone दीपमाला कश्यप द्वारा भी प्रकरण की लगातार समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। ACP उरला पूर्णिमा लामा के पर्यवेक्षण में थाना खमतराई की टीम द्वारा वैज्ञानिक साक्ष्यों, तकनीकी जानकारी, संदिग्ध व्यक्तियों एवं पूछताछ से प्राप्त तथ्यों को आपस में जोड़ते हुए लगातार विवेचना को आगे बढ़ाया गया।

लगभग दो वर्ष पुराने इस अज्ञात हत्या के प्रकरण को पुलिस टीम द्वारा एक चुनौती के रूप में लेते हुए उपलब्ध प्रत्येक साक्ष्य की बारीकी से समीक्षा की गई। घटना के समय प्राप्त वैज्ञानिक साक्ष्य से लेकर संदिग्धों की पहचान, DNA profiling, तकनीकी जानकारी एवं पूछताछ के प्रत्येक पहलू पर लगातार कार्य किया गया। समय बीत जाने के बावजूद प्रकरण की कड़ी को छोड़े बिना लगातार किए गए प्रयासों के परिणामस्वरूप पुलिस टीम आरोपियों तक पहुंचने में सफल हुई।

इसी क्रम में थाना खमतराई के अपराध क्रमांक 14/2026, धारा 103(1) बीएनएस के प्रकरण में 21 अगस्त 2024 को हुई महिला लता साहू की हत्या के मामले का महत्वपूर्ण खुलासा करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया

. मनहरण सारंग, पिता ईंतवारी सारंग, उम्र 33 वर्ष, निवासी प्रेमनगर, पंचू किराना स्टोर के पास, रावांभाठा, छत्तीसगढ़।

राजेश पाल उर्फ चोटी उर्फ राजू, पिता गोविन्द्र पाल, उम्र 31 वर्ष, निवासी हीरालाल वार्ड, नवागांव, जिला मुंगेली, छत्तीसगढ़ राजू मंडल उर्फ बंगाली, पिता विजय मंडल, उम्र 35 वर्ष, हाल निवासी रावणभाठा, थाना खमतराई,स्थाई निवासी कैम्प-01, अर्जुन नगर, दशहरा मैदान के पास, थाना वैशाली नगर, जिला दुर्ग, छत्तीसगढ़।

मृतिका: लता साहू, पति स्व. हेमचंद साहू उम्र 40 वर्ष, निवासी ट्रांसपोर्ट नगर, 6 नंबर पार्किंग के पास, थाना खमतराई, रायपुर।

21 अगस्त 2024 को लता साहू की हत्या की घटना हुई थी। घटना की विवेचना के दौरान मृतिका के हाथों के नाखूनों में अज्ञात व्यक्ति के Biological Traces पाए गए थे। पुलिस द्वारा उक्त वैज्ञानिक साक्ष्य को महत्वपूर्ण मानते हुए विधिवत सुरक्षित कराया गया तथा उसका DNA profiling कराया गया।

घटना के समय आरोपी अज्ञात थे, लेकिन उपलब्ध वैज्ञानिक साक्ष्य को सुरक्षित रखा गया, जिससे भविष्य में संदिग्ध व्यक्तियों के सामने आने पर उसका वैज्ञानिक मिलान कराया जा सके।

सीएम साय ने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन से की मुलाकात

विश्व केसरी■

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन से मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने दिल्ली स्थित नितिन नबीन के निवास पहुंचकर उनसे शिष्टाचार भेंट की। सीएम साय ने इस मुलाकात की जानकारी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक के जरिए साझा की है।

मुलाकात के दौरान दोनों नेताओं के बीच संगठन और प्रदेश से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई।

दाढ़ी बिजली वितरण केंद्र को नवनिर्मित 132 केवी बेतर सब स्टेशन से जोड़ने का काम शुरू

विश्व केसरी

दाढ़ी (अनिल त्रिपाठी)। दाढ़ी बिजली वितरण केंद्र से जुड़े 52 गांवों को अब नवनिर्मित 132 केवी बेतर सब स्टेशन से जोड़ने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। इसके लिए ग्राम उमरिया से दाढ़ी वितरण केंद्र तक लाइन जोड़ने का काम युद्धस्तर पर चल रहा है। विद्युत कंपनी के अनुसार करीब एक सप्ताह में दाढ़ी क्षेत्र के सभी 52 गांवों को बेतर स्टेशन से जोड़ दिया जाएगा। नए स्टेशन से बिजली आपूर्ति शुरू होने के बाद करीब 30 किलोमीटर दूर स्थित गेंदपुर 132 केवी स्टेशन पर निर्भरता खत्म होगी। इससे लो वोल्टेज, अनियमित बिजली आपूर्ति और फाल्ट आने पर सुधार कार्य में लगने वाला समय कम होने की उम्मीद है।

30 किमी दूर से आ रही बिजली, अब 8 किमी का होगा फासला - वर्तमान में दाढ़ी बिजली वितरण केंद्र से जुड़े 52 गांवों को नवागढ़, बेमेतरा और गेंदपुर स्थित 132 केवी स्टेशनों से जोड़कर बिजली की आपूर्ति की जा रही है। इनमें गेंदपुर स्टेशन की दूरी करीब 30 किलोमीटर है। लंबी दूरी के कारण बिजली आपूर्ति में तकनीकी दिक्कत आने पर उसका असर दाढ़ी क्षेत्र के गांवों तक पहुंचता है। लो वोल्टेज और बार-बार बिजली बंद होने की शिकायतें भी सामने आती रही हैं। अब बेतर में 132 केवी स्टेशन ऊर्जीकृत होने के बाद दाढ़ी क्षेत्र को नजदीकी स्रोत से बिजली मिल सकेगी। बेतर से दाढ़ी की दूरी करीब 8 किलोमीटर है। वहीं आसपास के अन्य गांव भी 18 से 19 किलोमीटर के दायरे में हैं। इससे बिजली लाइन पर दूरी का भार कम होगा और वितरण व्यवस्था को अधिक मजबूत करने में मदद मिलेगी।

फाल्ट होने पर सुधार में होगी आसानी - नए स्टेशन से जुड़ने के बाद दाढ़ी क्षेत्र में बिजली आपूर्ति का नेटवर्क छोटा और व्यवस्थित होगा। वर्तमान व्यवस्था में दूर स्थित स्रोतों से बिजली आने के कारण लाइन में फाल्ट होने पर उसका पता लगाने और सुधार करने में समय लगता है। बेतर से कनेक्शन होने के बाद दाढ़ी वितरण केंद्र को नजदीकी स्रोत मिलेगा। इससे फाल्ट की स्थिति में संबंधित क्षेत्र को अलग कर जल्द सुधार कार्य करने में सहूलियत होगी। कनिष्ठ यंत्री नूतन कुमारी ने बताया कि ग्राम बेतर स्थित 132 केवी स्टेशन से दाढ़ी बिजली वितरण केंद्र को जोड़ने के लिए उमरिया से लाइन का काम चल रहा है। उन्होंने बताया कि करीब एक सप्ताह के भीतर दाढ़ी वितरण केंद्र से जुड़े 52 गांवों को बेतर स्टेशन से जोड़ने की तैयारी है।

किसानों को भी राहत की उम्मीद - दाढ़ी क्षेत्र में बड़ी संख्या में किसान सिंचाई के लिए बिजली पर निर्भर हैं। नए 132 केवी स्टेशन से कनेक्शन मिलने के बाद कृषि पंपों को भी अपेक्षाकृत स्थिर बिजली आपूर्ति देने की तैयारी है। विद्युत कंपनी अटल ज्योति विद्युत विस्तार के तहत सिंचाई के लिए बिजली आपूर्ति व्यवस्था को मजबूत करने पर काम कर रहा है।

बेतर में 132 केवी स्टेशन का ऊर्जीकृत होना दाढ़ी सहित आसपास के गांवों के लिए बिजली व्यवस्था में महत्वपूर्ण बदलाव माना जा रहा है। अभी एक ही वितरण केंद्र के गांवों को अलग-अलग 132 केवी स्रोतों से बिजली देना पड़ रहा है। बेतर से सीधा और नजदीकी कनेक्शन मिलने के बाद आपूर्ति व्यवस्था में दूरी कम होगी।

वन विभाग द्वारा तुरतुरिया में चलाया गया स्वच्छता अभियान

विश्व केसरी

कसडोल (प्रवीण ढोमने)। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर बलौदा बाजार जिले के प्रसिद्ध धार्मिक, ऐतिहासिक एवं प्राकृतिक पर्यटन स्थल मातागढ़ तुरतुरिया में एक दिवसीय विशेष स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया। सेवा संकल्प अभियान के तहत आयोजित इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य मंदिर परिसर और आसपास के वनांचल क्षेत्र को पूरी तरह स्वच्छ, सुंदर और पॉलिथीन मुक्त बनाना था। इस अभियान की अगुवाई वनमण्डलाधिकारी पंकज कमल ने की।

मातागढ़ तुरतुरिया एक ऐसा पवित्र स्थल है, जहाँ वर्षभर छत्तीसगढ़ ही नहीं, बल्कि पड़ोसी राज्यों से भी हजारों श्रद्धालुओं और पर्यटकों का निरंतर आना-जाना लगा रहता है। श्रद्धालुओं की भारी संख्या के कारण परिसर में अक्सर प्लास्टिक बैग, डिस्पोजल और अन्य कचरा एकत्र हो जाता है, जिससे प्राकृतिक सुंदरता प्रभावित होती है। इसे ध्यान में रखते हुए वन विभाग और स्थानीय समुदायों के संयुक्त तत्वावधान में यह जन-जागरूकता व स्वच्छता अभियान चलाया गया।

इस महा-अभियान में बालदाकछार वन परिक्षेत्र के समस्त अधिकारी-कर्मचारियों के साथ-साथ क्षेत्र के 5 समीपस्थ गांवों की संयुक्त वन प्रबंधन एवं पर्यटन समिति की महिलाओं तथा स्थानीय स्कूली छात्र-छात्राओं ने पूरे उत्साह के साथ हिस्सा लिया। सुबह से ही विभिन्न टीमों ने मंदिर परिसर आश्रम क्षेत्र और आसपास में बिखरे प्लास्टिक, पॉलिथीन और अन्य ठोस कचरे को एकत्र कर उनका सुरक्षित निपटान किया।

स्वच्छता अभियान के दौरान संवाद करते हुए वनमण्डलाधिकारी पंकज कमल ने कहा कि तुरतुरिया न केवल हमारी धार्मिक आस्था का केंद्र है, बल्कि यह एक समृद्ध जैव-विविधता वाला क्षेत्र भी है। इसे स्वच्छ और पॉलिथीन मुक्त बनाए रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने घोषणा की कि वन विभाग द्वारा तुरतुरिया को पूर्णत: 'सिंगल यूज़ प्लास्टिक फ्री ज़ोन' घोषित करने की दिशा में सख्त कदम उठाए जायेगा और आने वाले समय में यहाँ आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधाओं को बढ़ाने और परिसर के नियोजित विकास के लिए एक नई वृहद योजना बनाई जायेगी। इसके तहत पर्यावरण-अनुकूल पर्यटन सुविधाएं, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन प्रणाली और स्थानीय ग्रामीणों के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित करने पर विशेष बल दिया जाएगा। कार्यक्रम कमल पंकज वनमण्डलाधिकारी बलौदा बाजार, निश्चल शुक्ला वन एसडीओ, कृशानु चंद्राकर एसडीओ बार अभयारण, राहुल उपाध्याय रेज़र, जीवन साहू रेंजर, जय किशन यादव, नटवर वर्मा, धरम सिंह बरिहा डिप्टी रेंजर, नंद कुमार, तिलक पैकरा, गिरीश चंद्र सेन,संदीप देवांगन, सुरेन्द्र यादव, विजय रात्रे, प्रकाश धृतलहरे, अश्वनी साहू फॉरेस्ट गार्ड, के साथ महिला समूह से सरस्वती, चंद्रावती, इतवारा बाई, बिंदा, पुष्पा, धरमीन, श्यामला, निर्मला, कुमारी, मीना, के अलावा पुरुषोत्तम, सरोज, रोहित, बिरसिंह, पुनाराम, नारायण राजाराम, गजानंद, अलकराम, रूपसिंह, दयाराम, रामगोपाल, चंदेलाल ने हिस्सा लिया है।

ग्राम पंचायत खर्वे में मृतक 8 लोगों को दी गई श्रद्धांजलि

विश्व केसरी

कसडोल (प्रवीण ढोमने)। ग्राम पंचायत खर्वे में तहसील साहू संघ कसडोल के अध्यक्ष राजू साहू (हरि कांत) एवं परिक्षेत्र साहू संघ सेमरिया के अध्यक्ष घनस्याम साहू तत्वाधान में पूर्व में हुए घटना के कारण ग्राम खर्वे के 8 परिवारों के मुखिया के असामयिक हत्या के कारण मृत्यु हो जाना बहुत ही दुखत घटना है इस कारण ग्राम खर्वे में सामाजिक श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजन किया गया, इस आयोजन में परिवार के सभी सदस्यों को फल, साल से भेट किया गया।

कार्यक्रम में जिला साहू संघ के अध्यक्ष सुनील साहू जी, तहसील साहू संघ कसडोल अध्यक्ष राजू साहू (हरिकांत), कामता प्रसाद साहू उपाध्यक्ष तहसील साहू संघ, निर्मला साहू उपाध्यक्ष तहसील साहू संघ कसडोल, गरीब दास साहू संरक्षक तहसील साहू संघ कसडोल जिला के मनोनीत न्याय प्रकोष्ठ के अध्यक्ष सुरेन्द्र साहू, शकुंतला साहू जी मनोनीत महिला अध्यक्ष तहसील साहू संघ कसडोल, घनस्याम साहू परिक्षेत्र अध्यक्ष सेमरिया, संगठन सचिव घसिया राम साहू , उपाध्यक्ष सम्मेलाल साहू , सुशीला साहू , परिक्षेत्र अध्यक्ष गुनी राम साहू एवं ग्राम खर्वे के ग्राम अध्यक्ष दीनानाथ साहू , साथ में ग्राम खर्वे में सर्व समाज के समस्त ग्रामवासी एवं पीड़ित परिवार के सभी सदस्य उपस्थित हुए।

जयंती पर महात्मा गांधी को किया गया नमन, नशा मुक्त भारत का लिया संकल्प

विश्व केसरी

बलौदाबाजार (ताराचंद कठेत्रे)। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर जिले में विभिन्न गरिमामय कार्यक्रमों का आयोजन कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए गए। कलेक्टोरेट परिसर स्थित उद्यान में आयोजित कार्यक्रम में कलेक्टर कुलदीप शर्मा ने महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर नमन किया। इसके साथ ही उन्होंने संविधान निर्माता बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर, भारत माता तथा अमर शहीद वीर नारायण सिंह की प्रतिमाओं पर भी पुष्प अर्पित कर नमन किया। इस दौरान कलेक्टर ने उपस्थित सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को 'नशा मुक्त भारत' की शपथ दिलाई।

सार्वजनिक तालाब में स्वच्छता अभियान और वृक्षारोपण*-जयंती समारोह के उपरांत 'सेवा मेरा योगदान' पहल के अंतर्गत बलौदाबाजार स्थित सार्वजनिक तालाब परिसर में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। इसमें कलेक्टर कुलदीप शर्मा, नगर पालिका अध्यक्ष अशोक जैन सहित विभिन्न जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों ने स्वयं श्रमदान कर तालाब की मेड़ और आसपास के परिसर की सफाई की। इसके साथ ही 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत पौधारोपण कर आम नागरिकों को हरित पर्यावरण एवं प्रकृति संरक्षण का संदेश दिया गया। इस दौरान कलेक्टर शर्मा ने 'क्लीन सिटी मिशन' के तहत शहर को स्वच्छ बनाए रखने में जुटी स्वच्छता दीदियों के कार्यों की भूरि-भूरि प्रशंसा की। उन्होंने दिव्यांग स्वच्छता दीदियों की सुगमता के लिए मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल प्रदान करने के निर्देश दिये। इसके अलावा तालाब किनारे पर कचरा फैलाने वाले असामाजिक तत्वों पर सख्ती बरतने और सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ करने के उद्देश्य से यहां रात्रि पुलिस गश्त बढ़ाने के निर्देश दिए।

एनएसएस ने गांधीजी की 157वां जंयती पर चलाया स्वच्छता अभियान

विश्व केसरी

बलौदाबाजार (ताराचंद कठेत्रे)। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय -दतान(ख),लवन में राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंम सेवकों ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री के जन्म दिवस पर गोद ग्राम पाहंदा में 'स्वस्थ भारत स्वच्छ भारत' के तहथ स्वयंम सेवकों ने संस्था के प्रभारी प्राचार्य एवं कार्यक्रम अधिकारी चन्द कुमार बंछोर भूतपूर्व सैनिक के उपस्थिति में स्वच्छता अभियान चलाया ।

स्वयंम सेवकों में उमंग एवं उत्साह से गांधी जी के मार्ग पर चलने के लिए गांव के लोगो को संदेश दिया। ग्राम खैरा का संरपच हीरा प्रकाश मिरी ने राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वच्छता अभियान पर सभी स्वयंम सेवकों को शुभकामनाएं दी। संस्था के प्राचार्य द्वारा विभिन्न गतिविधियां करायी जाती है जिससे गांव के लोगो ने पढाई के साथ साथ समाज एवं देश सेवा को देखकर बहुत उत्साहित रहते हैं स्वच्छता अभियान संस्था के शिक्षक चन्द प्रकाश निर्मल कर स्वयंम सेवक साधना यादव, रामेश्वरी पैकरा, संध्या, अन्नु निषाद,सुमन, सुहानी, राजनंदनी आदि स्वयंम सेवकों ने बड़ चढ़ कर हिस्सा लिया इस स्वच्छता अभियान में 36 स्वयंम सेवकों गांधी जी कि अपना योगदान दिया संस्था के प्राचार्य ने सभी स्वयंम सेवकों को गांधी एंव लाल बहादुर शास्त्री कि पर बहुत बहुत बधाई एवं हार्दिक शुभकामनाएं दी।

परसदा जोशी के आंगनबाड़ी केंद्र में हुआ आंगन का मिलन कार्यक्रम

विश्व केसरी

राजिम परसदा जोशी (शेखर मिश्रा)। आंगनबाड़ी केंद्रों में सेवा संकल्प अभियान के तहत आंगन मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। बच्चों को नेवता भोज खिलाकर खिलौने का वितरण किया गया। महिलाओं के सम्मान के साथ आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका का भी सम्मान एवं रंगोली कुर्सी कब्बड्डी दौड़ एवं मेहंदी प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि किसान भाजपा मंडल के उपाध्यक्ष नारायण साहू शौभाग्य तिजेशवर सेन आनन्द साहू अवतार यादव असंबंधित करते हुए कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के द्वारा माहिलाओ के उत्थान एवं सशक्तिकरण के लिये अनेक जनकल्याणकारी योजनाओं का संचालन कर रही है। गर्भवती महिलाओं को आर्थिक सहायता बिसनी साहू अभियान को बढ़ावाए महतारी वंदन योजना माताओं के लिए नोनी सुरक्षा जैसी योजना ऊनको संबल प्रदान करती है पर्यावरण संरक्षण और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाते हुए हर घर मुनगा घर घर मुनगा कार्यक्रम के तहत मुनगा के पौधों का रोपण भी किया गया है सरपंच गिनी सोनी जमुना साहू सारिका यादव अन्नपूर्णा टंडन पुन्नी निषाद सुनीता साहू यामिनी रावत राजेश्वरी सोनवानी बिसनी बाईं बिमला साहू साहित अनेक माहिलाएं उपस्थित थे।

ऋचा सिंह मंत्रालय के लिए भारमुक्त, शिक्षा शर्मा को बिलाईगढ़ एसडीएम का प्रभार

विश्व केसरी

भटगांव (रामदास कुर्रे)। राज्य शासन के सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी स्थानांतरण आदेश के परिपालन में डिप्टी कलेक्टर एवं अनुविभागीय अधिकारी राजस्व बिलाईगढ़ ऋचा सिंह को 30 सितंबर 2026 को सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले से भारमुक्त कर दिया गया। अब वे मंत्रालय, नवा रायपुर अटल नगर में अपनी नवीन पदस्थापना पर कार्यभार ग्रहण करेंगी।कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी कार्यालय से 30 सितंबर को जारी आदेश के अनुसार सामान्य प्रशासन विभाग, मंत्रालय महानदी भवन, नवा रायपुर अटल नगर द्वारा 29 सितंबर 2026 को जारी स्थानांतरण आदेश के तहत ऋचा सिंह का स्थानांतरण मंत्रालय किया गया है। शासन के आदेश के पालन में उन्हें नवीन पदस्थापना स्थल के लिए जिले से भारमुक्त किया गया।ऋचा सिंह के भारमुक्त होने के बाद जिला कार्यालय में पदस्थ डिप्टी कलेक्टर शिक्षा शर्मा को अनुविभागीय अधिकारी राजस्व बिलाईगढ़ का संपूर्ण प्रभार सौंपा गया है। शिक्षा शर्मा आगामी आदेश तक बिलाईगढ़ अनुविभाग की राजस्व संबंधी जिम्मेदारियों का निर्वहन करेंगी।कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी द्वारा जारी आदेश तत्काल प्रभावशील हो गया है। इसके साथ ही बिलाईगढ़ अनुविभाग में प्रशासनिक एवं राजस्व कार्यों के संचालन की जिम्मेदारी अब शिक्षा शर्मा के पास रहेगी।

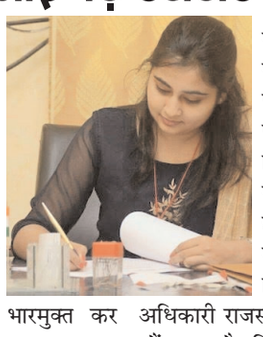

विकासखण्ड स्तरीय चित्रकला, भाषण एवं रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन

विश्व केसरी

बलौदाबाजार (ताराचंद कठेत्रे)। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत विकासखण्ड स्तरीय चित्रकला, भाषण एवं रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन एमडीव्ही आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल, बलौदाबाजार में किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भारत स्काउट एवं गाइड के राज्य उपाध्यक्ष विजय केशरवानी रहे।

कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में रचनात्मकता, अभिव्यक्ति कौशल, देशभक्ति, सामाजिक जागरूकता एवं सेवा भावना को बढ़ावा देना था। प्रतियोगिता के माध्यम से विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने और विभिन्न विषयों पर अपने विचार व्यक्त करने का अवसर मिला। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने चित्रकला, भाषण एवं रंगोली के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के अंतर्गत रंगोली से 5, भाषण से 5 एवं चित्रकला से 20 प्रतिभागियों, कुल 30 प्रतिभागियों का चयन जिलास्तरीय प्रतियोगिता के लिए किया गया।

राष्ट्रीय जैन पत्रकार सम्मेलन में देशभर के पत्रकारों का जुटान

खबर ऐसी हो, जिससे समाज का कल्याण हो, भ्रम नहीं : मुनि आगम सागर

विश्व केसरी

राजिम (शेखर मिश्रा)। राजधानी रायपुर में बुधवार को पहली बार आयोजित राष्ट्रीय जैन पत्रकार सम्मेलन में देशभर से जैन पत्रकारों का जुटान हुआ। सम्मेलन में राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, दिल्ली सहित छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों से पत्रकार शामिल हुए। नवापारा-राजिम से भी छह जैन पत्रकारों ने सहभागिता की। सम्मेलन का आयोजन छत्तीसगढ़ सकल दिगंबर जैन समाज के तत्वावधान में जैन पत्रकार महासंघ के सहयोग से किया गया।

प्रकाश मोदी और प्रदीप जैन की सक्रियता रही चर्चा में

सम्मेलन को सफल बनाने में प्रकाश मोदी और प्रदीप कुमार जैन की सक्रियता विशेष रूप से सामने आई। देशभर से आए जैन पत्रकारों के बीच समन्वय, संवाद और सम्मेलन की रूपरेखा को आगे बढ़ाने में दोनों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। जैन पत्रकारिता को एक साझा मंच देने और समाजहित से जुड़े विषयों को प्रभावी ढंग से सामने लाने की दिशा में उनकी सक्रिय भागीदारी को उपस्थित पत्रकारों ने सराहा। कार्यक्रम में प्रकाश मोदी एवं प्रदीप कुमार जैन सहित आयोजन से जुड़े अन्य पदाधिकारियों ने व्यवस्थाओं और समन्वय में सक्रिय भूमिका निभाई।

संतों के आशीर्वाद से हुआ विचारों का महामंच

चातुर्मासरत आचार्य विद्यासागर महाराज के परम प्रभावक शिष्य मुनि आगम सागर जी, मुनि पुनीत सागर, ऐलक धैर्य सागर जी एवं ऐलक स्वागत सागर के आशीर्वाद से सम्मेलन आयोजित हुआ। इस अवसर पर 'जैन धर्म आयतनों के संरक्षण एवं संवर्धन में पत्रकारिता की भूमिका' विषय पर परिचर्चा हुई। पत्रकारिता, धर्म, समाज और जैन संस्कृति के संरक्षण से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर वक्ताओं ने विचार रखे।

जनगणना में जैन पहचान दर्ज कराने का आह्वान

परिचर्चा के दौरान जैन समाज की जनसंख्या और धार्मिक पहचान का विषय भी प्रमुखता से उठा। वक्ताओं ने कहा कि जनगणना में जैन समाज की संख्या करीब 44 लाख दर्ज है, जबकि समाज के कुछ वर्गों का मानना है कि देश में जैन समुदाय की वास्तविक संख्या इससे अधिक है। सम्मेलन से जनगणना-2027 में प्रत्येक जैन परिवार द्वारा अपनी धार्मिक पहचान 'जैन' के रूप में दर्ज कराने की अपील की गई।

वरिष्ठ जनों की मांग का सम्मान, अध्यक्ष ने दी साइकिल-मोटरसाइकिल स्टैंड की सौगात

विश्व केसरी

नगरी (हिमांशु यादव)। नगर पंचायत नगरी के अध्यक्ष बलजीत छाबड़ा अपने उत्कृष्ट कार्यों के लिए नगर में अलग पहचान बना रहे हैं। सामाजिक एवं अंतरराष्ट्रीय महत्व के आयोजनों में नगर पंचायत की सहभागिता के साथ-साथ वे आमजन की सुविधाओं को भी प्राथमिकता देते हैं।

अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के पावन अवसर पर छत्तीसगढ़ पेंशनर समाज नगरी द्वारा आयोजित कार्यक्रम में पेंशनर साथियों की मांग पर छत्तीसगढ़ पेंशनर समाज भवन के सामने साइकिल एवं मोटरसाइकिल खड़ी करने के लिए टीन सेट स्टैंड निर्माण नगर पंचायत अध्यक्ष निधि से लगभग 3 लाख रुपए की लागत से कराया गया। इस सुविधा को वरिष्ठ नागरिकों के प्रति सम्मान और उनके आशीर्वाद को समर्पित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत साइकिल एवं मोटरसाइकिल स्टैंड की पूजा-अर्चना के साथ हुई। इसके पश्चात फीता काटकर स्टैंड का लोकार्पण किया गया। विशेष रूप से नगर पंचायत अध्यक्ष बलजीत छाबड़ा की पहल पर लोकार्पण पेंशनर समाज के वरिष्ठ सदस्य राम प्रसाद तिवारी के हाथों कराया गया। इस अवसर पर राम प्रसाद तिवारी ने कहा कि सबसे वरिष्ठ पेंशनर के हाथों लोकार्पण कराया जाना अध्यक्ष की सोच और वरिष्ठजनों के प्रति सम्मान को दर्शाता है। उन्होंने इस सुविधा के लिए नगर पंचायत अध्यक्ष का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में पेंशनर समाज के सदस्यों ने नगर पंचायत अध्यक्ष बलजीत छाबड़ा, उपाध्यक्ष विकास बोहरा, सभापति अश्वनी निषाद, चेलेश्वरी साहू, पार्षद मिकी गुप्ता, जयंती टुकेश्वरी साहू, अंबिका ध्रुव एवं यश करण पटेल सहित नगर पंचायत का आभार व्यक्त किया।

संपादकीय

धर्म, अर्थ, 'काम', मोक्ष का संगम हैं रामलीलाएं

डॉ. घनश्याम बादल

रामलीलाएं केवल रामकथा का मंचन नहीं , भारतीय समाज की धार्मिक आस्था, लोककला, अभिनय, संगीत, संवाद, सामाजिक सहभागिता और स्थानीय अर्थव्यवस्था का ऐसा संगम है, जिसमें सदियों की सांस्कृतिक यात्रा दिखाई देती है।

कथा से लोकपरंपरा तक:

रामकथा की भारत में अत्यंत प्राचीन परंपरा है। वाल्मीकि रामायण से लेकर विभिन्न भारतीय भाषाओं में रचे गए रामकाव्यों ने इस कथा को जन-जन तक पहुंचाया। मध्यकाल में गोस्वामी तुलसीदास की रामचरितमानस ने रामकथा को लोकभाषा और लोकजीवन से गहरे जोड़ने का काम किया। माना जाता है कि तुलसीदास से जुड़ी रामकथा की लोकमंचीय परंपराओं ने आगे चलकर रामलीला के विभिन्न रूपों को व्यापक आधार दिया।

एक रामलीला अनेक रूप

रामलीला का कोई एक अखिल भारतीय प्रारूप नहीं है। उत्तर भारत में इसकी अनेक शैलियां विकसित हुईं। कहीं संवाद और गायन प्रधान है, कहीं झांकियां महत्वपूर्ण हैं, कहीं पूरा नगर ही रामलीला का मंच बन जाता है। वाराणसी की रामनगर रामलीला इसका विशिष्ट उदाहरण है, जहां रामकथा का मंचन एक दिन या एक मंच तक सीमित न रहकर कई दिनों तक विभिन्न स्थानों पर चलता है।

यही विविधता रामलीला को केवल धार्मिक आयोजन न रहकर लोकसंस्कृति का जीवंत दस्तावेज बनाती है।

धार्मिक आयाम:

रामलीला का मूल आधार आस्था है। राम मर्यादा के प्रतीक हैं, सीता त्याग और धैर्य की, लक्ष्मण कर्तव्य की, भरत भ्रातृप्रेम की और हनुमान समर्पण तथा सेवा की। रामलीला का धार्मिक महत्व इस बात में है कि यह मंदिर की चारदीवारी से बाहर आकर धर्म को सार्वजनिक जीवन से जोड़ती है। हजारों लोग एक साथ कथा सुनते और देखते हैं। पूजा और मनोरंजन के बीच की दूरी यहां बहुत कम हो जाती है।

लेकिन रामलीला की सार्थकता केवल धार्मिक भाव-विभोरता में नहीं, बल्कि उन मूल्यों में है जिन्हें रामकथा समाज के सामने रखती है। यदि रामलीला देखकर मनुष्य सत्य, संयम, करुणा, कर्तव्य और न्याय के प्रश्नों पर विचार करे तो उसकी धार्मिकता कर्म में बदलती है।

और कर्म की पाठशाला

रामलीला भारतीय लोककला की बड़ी पाठशाला है। अभिनय, संवाद, गायन, वादन, वेशभूषा, मुखौटे, मुकुट, आभूषण, मंच सज्जा, प्रकाश व्यवस्था और चित्रकला - कला की कितनी ही विधाएं इसमें एक साथ समाहित हैं। एक रामलीला के पीछे केवल अभिनेता नहीं दर्जी, बढ़ई, रंगकर्मी, मूर्तिकार, मेकअप कलाकार, संगीतकार, वादक, मंचकर्मी और तकनीकी कर्मचारी भी जुड़े होते हैं। पीढ़ियों से अनेक परिवार रामलीला से संबंधित अलग-अलग कलाओं को आगे बढ़ाते हैं।

आज एलईडी स्क्रीन, डिजिटल ध्वनि, आधुनिक प्रकाश व्यवस्था और विशेष प्रभावों ने मंच को भव्य बना दिया है। मगर चुनौती यही है कि तकनीक कथा पर हावी न हो जाए। रामलीला का आकर्षण उसके चमत्कार में कम और उसके भाव में अधिक है।

सामाजिक समरसता का मं

रामलीला की सबसे बड़ी सामाजिक विशेषताओं में से एक है—सामूहिक सहभागिता। इसमें मोहल्ले, गांव और शहर का एक बड़ा हिस्सा प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से जुड़ता है। कोई कलाकार बनता है, कोई व्यवस्था संभालता है, कोई चंदा देता है और कोई दर्शक बनकर अपनी उपस्थिति दर्ज कराता है। विभिन्न समुदायों और सामाजिक वर्गों के लोग आयोजन से जुड़ते हैं। यही लोकपरंपरा की खूबसूरती है कि वह समाज को केवल दर्शक नहीं रहने देती, उसे सहभागी बना देती है।

आज की डिजिटल दुनिया में रामलीला जैसे आयोजन सामूहिक अनुभव की वह जगह हैं जहां लोग मोबाइल स्क्रीन से बाहर निकलकर एक-दूसरे के साथ बैठते, हंसते,भावुक होते हैं और कथा के साथ जुड़ते हैं।

आर्थिक गतिविधियों का बड़ा अवसर

रामलीला का एक खास आर्थिक पक्ष भी है, मंच सजता है तो स्थानीय कारीगरों को काम मिलता है। पोशाकें बनती हैं तो दर्जियों का काम बढ़ता है। मुकुट, गदा, धनुष-बाण और आभूषण तैयार होते हैं तो छोटे व्यवसायों को रोजगार मिलता है। मेले लगते हैं तो खिलौने, खान-पान, सजावटी वस्तुओं और दैनिक उपयोग की चीजों की बिक्री बढ़ती है। रामलीला मैदानों के पास अस्थायी दुकानों और स्थानीय सेवाओं से अनेक लोगों की आय होती है। इस दृष्टि से रामलीला केवल धार्मिक-सांस्कृतिक आयोजन मात्र नहीं, बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था को गति देने वाला मौसमी उत्सव भी है।

बदलता समय, बदलती रामलीला

आज रामलीला के सामने सबसे बड़ी चुनौती मनोरंजन के बदलते माध्यम हैं। कभी पूरे परिवार के लिए रामलीला ही बड़ा सार्वजनिक मनोरंजन थी। अब मोबाइल, ओटीटी, सोशल मीडिया और डिजिटल वीडियो ने दर्शकों

गांधी जी का रामराज्य और भारत

- सुरेश हिंदुस्थानी

गांधी जी भगवान राम को सभी धर्म और संप्रदाय से ऊपर मानते थे। आज भगवान राम को जिस प्रकार से केवल हिन्दू समाज से जोड़कर देखा जाता है, वह दृष्टि महात्मा गांधी की नहीं थी।

भारत के बारे हमारे देश के महापुरुषों की स्पष्ट कल्पना थी। वे भारत की जड़ों से बहुत गहरे तक जुड़े हुए थे। लेकिन आज भारत का जो स्वरूप हमारी आंखों के सामने है, वह भारत के महापुरूषों की मान्यताओं के अनरूप नहीं कहा जा सकता। आज जो बुराई दिखाई देती है, वह अंग्रेजी मानसिकता को अपनाने वाले कुछ लोगों की देन है। जबकि गांधी जी स्वदेशी के पक्षधर थे। ऐसे में सवाल यह भी आता है कि इन लोगों को भारतीय जीवन मूल्यों के बारे में या तो पता नहीं था या फिर जानते हुए भी उसे पुनर्स्थापित नहीं करना चाहते थे।

भारत को स्वतंत्रता मिलने के पश्चात इस बात पर गहन चिंतन किया गया कि अब कैसा भारत बनाना चाहिए। महात्मा गांधी की इस बारे में स्पष्ट कल्पना थी। वे कहते थे कि मैं एक ऐसे भारत का निर्माण करना चाहता हूँ जिसमें शराब जैसी बुराई का नामोनिशान न हो, जहां समाज में भेदभाव न हो, गौहत्या पाप हो और रामराज्य स्थापित हो। गांधी जी की दृष्टि में भविष्य के भारत की बुनियाद में पुरातन और सांस्कृतिक मानबिन्दुओं का समावेश था। वे जानते थे कि इसके बिना भारत नहीं, क्योंकि भारत का आधार ही राम है।

भारत महात्मा गांधी के इन विचारों को हमारे

राजनीतिक दल आत्मसात करने में संकोच कर रहे हैं। कहीं न कहीं इन बातों को एक सांप्रदायिक बताने का खेल भी चल रहा है, लेकिन ऐसा करने में वे भूल जाते हैं कि भारत में रामराज्य की संकल्पना स्वतंत्रता मिलने के बाद की नहीं है और न ही यह केवल महात्मा गांधी का ही विचार है, बल्कि महात्मा गांधी ने उसी बात को आगे बढ़ाने का प्रयास किया, जो भारत में सनातन काल से चल रहा है। भारत के मनीषियों ने जो सांस्कृतिक मूल्य स्थापित किए थे, गांधी जी ने उनका हृदय से अनुगमन किया और आत्मसात किया। इसीलिए वे भारत में इसके स्थापन का प्रयास करते दिखाई दिए।

महात्मा गांधी ने अप्रत्यक्ष रूप से अंग्रेजों की उस नीति का भी विरोध किया, जो समाज में विभाजन की रेखा खींचती थी। इसलिए वे समाज में भाईचारे के भाव का विस्तार चाहते थे। महात्मा गांधी जैसा चाहते थे, उन्हें वैसा दृश्य राष्ट्रीय

स्वयंसेवक संघ के कार्यक्रमों में दिखाई दिया। इसलिए वे अपने जीवन के अंतिम दिनों में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के नजदीक आते जा रहे थे। उन्होंने संघ के वर्धा शिविर में भाग लिया। वहां उन्होंने भेदभाव रहित समाज का दर्शन किया, जो उस समय उनकी कल्पना में अपेक्षित था। गांधी जी जानते थे कि सामाजिक एकता इस देश के लिए कितनी आवश्यक है। वर्तमान में समाज की फूट के चलते अनेक विसंगतियों का जन्म हो रहा है। व्यभिचार बढ़ रहे हैं। जो गांधी जी के विचार के प्रतिकूल है।

गांधी जी भगवान राम को सभी धर्म और संप्रदाय से ऊपर मानते थे। आज भगवान राम को जिस प्रकार से केवल हिन्दू समाज से जोड़कर देखा जाता है, वह दृष्टि महात्मा गांधी की नहीं थी। श्रीराम जी का जीवन एक ऐसा आदर्श है जो सबके लिए उत्थानकारी है। गांधी जी ने राम को भारतीय दृष्टि से देखा। आज के समाज से भी यही अपेक्षा की जाती है कि वह राम जी को संकुचित दायरे से न देखकर भारतीयता की दृष्टि से देखें। ऐसा करेंगे तो उन्हें राम अपने दिखाई देंगे, भारत के दिखाई देंगे। महात्मा गांधी का पूरा चिंतन भारत के विकास पर भी केंद्रित रहा। उन्होंने देश में स्वदेशी भावना को जगाने के लिए स्वयं के जीवन से कई उदाहरण दिए। आज बाजार में जिस प्रकार से विदेशी वस्तुओं का आक्रमण हुआ है, उसके कारण हमारे देश का पैसा विदेशी संस्थाओं को आर्थिक रूप से मजबूत कर रहा है। अपने देश का पैसा अपने देश में ही रहे, इसलिए गांधी जी ने स्वदेशी का विचार अपने जीवन में अपनाया और समाज को प्रेरित किया। आज इस भाव को इसलिए भी अपनाने की आवश्यकता है, क्योंकि आज भारत को आत्मनिर्भर बनाने की आवश्यकता है, जो केवल स्वदेशी विचार से ही संभव है। इतना ही नहीं गांधी जी भारत में लघु एवं कुटीर उद्योगों की स्थापना को भी देश के विकास का मजबूत आधार मानते थे। हालांकि अब भारत का समाज स्वदेशी की ओर जाग्रत भाव के साथ अग्रसर हुआ है। महात्मा गांधी गौहत्या पर पूरी तरह से प्रतिबंध चाहते थे। हम जानते हैं गौ हमारे देश का अर्थशास्त्र है। गाय देश की आर्थिक उन्नति से जुड़ी है। देश में जब गौ आधारित खेती होती थी, तब देश धन धान्य से संपन्न था। धरती के सोना उगलने का समय भी यही था। वास्तव में गांधी जी का चिंतन अद्भुत था। उनका हर शब्द भारत की आत्मा ही था। हमें भारत की आत्मा को बचाना है तो गांधी जी विचारों को आत्मसात करना होगा। इसी से भारत की समृद्धि का मार्ग निर्मित होगा और हम आत्मनिर्भर भारत की दिशा में मजबूती के साथ आगे बढ़ेंगे।

पूंजीवाद की जमीन पर पनपता है हर बाद

राकेश अचल

मैं कोई बडा अध्येता नहीं इसलिए अधिकारपूर्वक समाजवादी पार्टी द्वारा एक धनपति को राज्यसभा का उम्मीदवार बनाए जाने पर टिप्पणी करने से बचता रहा.लेकिन अपने वरिष्ठ समाजवादी मित्र श्री रमाशंकर सिंह की इस टिप्पणी के बाद कि -' कांग्रेस समर्थक और वित्त पोषित पत्रकारों का सपा पर विलाप थोथा है.' मैं भी इस विषय पर अनाधिकार टिप्पणी करने से अपने आप को रोक नहीं सका.

रमाशशंकर सिंह ने सही कहा कि 'सूपा जो बोले सो बोले , छलनी भी बोले जिसमें सौ- सौ छेद '.उन्होने तर्क भी दिए और बताया कि कॉरपोरेट और धन शक्ति को राजनीति चुनाव में प्रवेश कराने वाली कांग्रेस भी बोलेगी, जिसने अम्बानी को पैदा किया , बढ़ाया ! अभी भी जो अम्बानियों अडानियों के पैसो से चुनाव लड़ती है. पिछला इकेक्टोरल बॉड का 900 करोड़ रु क्या घर घर से दस दस रुपये इकट्ठा किया फंड था ?

बकौल रमाशंकर सिंह इंदिरा काल में वित्त मंत्री प्रणव मुखर्जी को अम्बानी मंत्रालय का मंत्री कहा जाता था. अम्बानी के इशारे से पांच पांच दिन के लिये सरकारी नियम बदलते देखे हैं इस देश ने. बहुतों को यह जानकारी शायद न भी हो कि अडाणी भी कांग्रेस राज में बढ़ाये गये(जिसे बाद में मोदी ने हड़प लिया) शक हो तो कमलनाथ से पूछ लो जिन्हें आज भी अडाणी अपना संरक्षक मानते हैं - दरअसल आदि संरक्षक.

कितने ही धनपशु कांग्रेस ने राज्यसभा में पहुँचाये और मुख्यमंत्रियों से वसूली का ही धंधा ही कांग्रेस ने शुरु करवाया जिससे पार्टी महा भ्रष्ट हुई. ? यही काम आज बहुत बड़े अकल्पनीय पैमाने पर भाजपा कर रही है.कांग्रेस का तो एक मुख्यमंत्री आज भी अपने को विद्यार्थी परिषद का कार्यकर्ता कहता है और राहुल भइया का खासमखास है. एक राज्य में अपने विचार का मुख्यमंत्री नहीं ढूंढ पाते और ज्ञान देने चले हैं. आज भी यदि भूपेश बघेल , कमलनाथ , डीके शिवकुमार, रेवंत रेड्डी जैसे अपने पैसों के दम पर ही कांग्रेस हाई कमान की आँखों के तारे हैं.

निर्दलीय और विचार से प्रतिबद्ध समाजवादी के नाते हममें से कईयों ने सपा की सख्त शब्दों में लानत मलामत कर दी है कि अम्बानी सहचर को राज्यसभा में क्यों भेजा । हमारी नजर में यह निंदनीय कृत्य था लेकिन कांग्रेसियों को तो देखो जैसे वे हमेशा से ही निर्मल धन से अपनी राजनीति चलाते आये हों. कई कांग्रेसी पत्रकार जॉर्ज सोरोस के धन से विदेश में भेजे जाते हैं और यहाँ भारत में ज्ञान बांटते हैं.

श्री सिंह को अखिलेश की आलोचना पर गुस्सा आना स्वाभाविक है क्योंकि यह कहा गया कि ' कांग्रेस विरोध में शैतान से भी हाथ मिला सकते हैं समाजवादी ' !.सिंह मानते है कि हाँ , हम हर अलोकतांत्रिक अन्यायी भ्रष्ट सत्ता को उखाड़ने के लिये हर शैतान से हाथ मिलायेंगें और जैसे ही दूसरा कोई अन्य उसी राह पर चलेगा तो उसे भी उखाड़ फैंकेंगे.

मैं रमाशंकर सिंह के इस तर्क को कुतर्क की श्रेणी में नहीं रखता क्योंकि वे जो सोचते हैं,कहते हैं सो निडर होकर कहते हैं.ये गूदा अखिलेश यादव में नहीं है.अन्यथा अखिलेश भी कह सकते थे कि -इसे ही ये लोग गैरकांग्रेसवाद कह कर प्रचारित करते हैं जबकि सत्ता से हटाने की यही तरीका है जो इंडिया गठबंधन के रूप में कांग्रेस ने स्वीकार किया है. इस गठबंधन में शिवसेना क्या है ?शरद पवार क्या हैं ?ममता बैनर्जी क्या हैं ?क्या बंगाल में अडाणी का निवेश नहीं आया ?सीपीएम के समय केरल का बंदरगाह क्या अडाणी के धन से नहीं बना और सीपीएम की सहमति से ?राजस्थान में अशोक गैहलोत के मुख्यमंत्री काल में अडाणी निवेश का बचाव राहुल गांधी ने नहीं किया था ? क्या ये सब कॉरपोरेट के बग़ैर राजनीति करते हैं जैसे कांग्रेस खुदकरती है ?

सिंह के तमाम तर्कों के बावजूद मैं इस बात से इत्तफाक नहीं रखता कि सपा पर बोलने का हक किसी भी कांग्रेसी और उनके पिट्ठू पत्रकारों को नहीं है.'सपा पर बोलने वाले सब पत्रकार कांग्रेसी या उसके पिट्ठू हों ये जरूरी नहीं.टिप्पणी करने का अधिकार सबको है.मेरा मानना है कि दुनिया में तमाम वाद यानि विचारधाराओं के लिए प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से पूंजी एक आवश्यक उर्वरक है.पूंजीवाद की खाद से हर वाद अच्छी फसल देने लगता है,फिर चाहे वो समाजवाद हो,साम्यवाद हो या गांधीवाद.

इस मामले में रमाशंकर सिंह ने जो सवाल समानधर्मा अखिलेश से किए हैं वे ज्यादा महत्वपूर्ण हैं.वे प्रश्न करते हैं कि चार बार उप्र की सरकारें चला चुका परिवार और बुरी हालत में भी सवा सौ विधायक जीतने वाली पार्टी चार सौ स्थानों में कम साधनों में चुनाव लड़ने में क्यों अक्षम है ?

उनका सवाल है कि क्या एक राज्यसभा किसी कार्यकर्ता मुसलमान को देना उचित नहीं होता ? क्या बार बार एक ही आदमी (या औरत) को राज्यसभा में भेजना उचित है ? पहले जया बच्चन चार बार और अब चाचा जी तीसरी बार !चाचा को लोकसभा लड़ाओ ?

असल सवाल यही है कि -'ज़मीनी तैयारी कर नैतिक व शुचिता पूर्ण ढंग से सत्ता लेकर धनपशुओं को नचाना ठीक है या खुद घुँघरू पहन लेना ? फिर समाजवादी नाम क्यों ?

मजे की बात ये है कि तमाम आलोचना के बावजूद न समाजवादी पूंजीपतियों को छोडेंगे न भाजपाई.कांग्रेस भी क्यों छोडे और वामपंथी भी पूंजीपतियों को अस्पृश्य क्यों माने.हर पूंजी इसी देश की आम जनता के शोषण की फसल है.उसका इस्तेमाल कोई अमेरिका या दूसरे देश में उद्योग लगाने में करे इससे बेहतर है कि देश की पूंजी देश के भीतर ही रहे.जेब चाहे किसी वाद की हो.

बोध कथा

जैसा करोगे, वैसा भरोगे

एक गांव में एक किसान रहता था। वह बहुत मेहनती था, लेकिन लालची भी था। एक दिन उसे रास्ते में सोने से भरी एक थैली मिली। उसने थैली के मालिक को खोजने के बजाय सोना अपने पास रख लिया। कुछ दिनों बाद गांव में एक गरीब किसान की भैंस चोरी हो गई। गांव वालों ने खोजबीन की तो पता चला कि भैंस उसी लालची किसान के घर के पीछे बंधी थी। किसान ने कहा, मैंने चोरी नहीं की। तभी गांव के एक बुजुर्ग ने कहा, 'जिस दिन तुम्हें रास्ते में सोने की थैली मिली थी, उसी दिन तुमने किसी और की चीज अपने पास रख ली थी। आज तुम्हारे साथ भी वही हो रहा है।

किसान को अपनी गलती समझ आ गई। उसने सोने की थैली उसके मालिक को लौटा दी और भैंस भी वापस कर दी।

बोधः के साथ जैसा व्यवहार हम करते हैं, वैसा ही व्यवहार किसी न किसी रूप में हमारे पास वापस आता है।

कविता

आज काफ़ी समय बाद

-डॉ. सत्यवान सौरभ

सुख की खातिर उम्र भर, सहता मन संताप।
मंज़िल फिर भी दूर है, बढ़ता जाता ताप॥

कल के सुख की आस में, आज हुआ बेहाल।
जीवन की इस दौड़ में, बीत गया हर साल॥

सुख पाने की चाह में, दुख को लिया सँवार।
जीवन भर बस खोजता, सुख का सौरभ द्वार॥

सुख की खातिर आदमी, करता नित संघर्ष।
दुख की छाया साथ है, जीवन बना विमर्श॥

दुख से भागे सुख मिले, ऐसी कहाँ मिसाल।
दुख-सुख दोनों साथ हैं, जैसे दिन और रात॥

सुख के पीछे दौड़ते, दुख आया हर बार।
जीवन की इस भूल का, कौन करे उपचार॥

आशा लेकर सुख भरी, दुख सहता हर बार।
समय निकलता जा रहा, सूना मन संसार॥

सुख की चाहत ने दिया, दुख का लंबा साथ।
जीवन भर चलता रहा, खाली लेकर हाथ॥

सुख पाने की लालसा, ढाले मन पर भार।
दुख जितना दबता गया, उतना हुआ अपार॥

सुख की पाने आदमी, दुख से करता प्यार।
जिससे बचना चाहता, वही बने आधार॥

सुख के सपने देखता, दुख में कटती रात।
जीवन की इस राह पर, कौन समझता बात॥

सहते दुख की धूप को, सुख की रखता आस।
जीवन जैसे प्यास में, खोज रहा मधुमास॥

(डॉ. सत्यवान सौरभ, पीएचडी (राजनीति विज्ञान), एक कवि और सामाजिक विचारक है।)

व्यंग्य केसरी

एहसान-मंद बनाम...

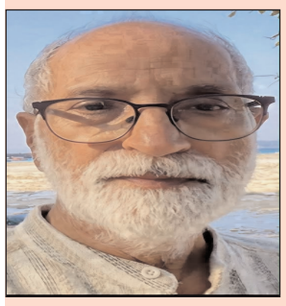

डॉ.रामेश्वरम तिवारी

गुरु जी ने सुदर्शन की 'डाकू खड्गसिंह' की कहानी का अध्यापन समाप्त किया और छात्रों से कहा- 'अगर किसी को कहानी के संदेश पर कुछ पूछना है, तो वह प्रश्न पूछ सकता है।' कक्षा में अंतिम पंक्ति में बैठे प्रखर ने हाथ ऊपर उठाया और अपनी जगह पर खड़े होते हुए पूछा- 'गुरू जी! कृपया यह जरा यह स्पष्ट करने का कष्ट करें कि ये एहसान-मंद और एहसान-फ़रामोश कौन होता है। कल मेरे पड़ोस में रहने वाले शर्मा अंकल किसी को फ़ोन पर बुरी तरह लताड़ रहे थे कि मैंने तुम्हें भला आदमी समझकर वक्त-ज़रूरत पड़ने पर इंसानियत के नाते तुम्हारी मदद की, पर तुम तो बड़े एहसान-फ़रामोश क़िस्म के व्यक्ति निकले। मेरे पैसे वापस लौटाने की बात तो दूर की रही। कभी भूलकर फ़ोन पर धन्यवाद तक ज्ञापित करना मुनासिब नहीं समझा।'

गुरु जी ने प्रखर की बुद्धिमानीपूर्ण सवाल की सराहना करते हुए कहा- 'देखो वत्स! बात ऐसी है कि जब हम अपने-पराए के भेद को भूलाकर किसी व्यक्ति के बुरे वक्त यानी प्राकृतिक आपदा या आर्थिक संकट में मदद करते हैं, तो उसे दुनियावी लहजे में मदद कहते हैं। तुलसीदास जी के शब्दों में 'परहित सरिस धर्म नहीं भाई', पर जब उधार माँगने पर किसी व्यक्ति को कर्ज के रूप देते पैसे देते हैं, तो उस रक़म को निर्धारित समय पर ब्याज सहित वापस लौटानी होती है और उस व्यक्ति को क़र्ज़दार या बाकीदार कहते हैं। पर जब हम किसी व्यक्ति के बुरे वक्त में काम आते हैं और उस व्यक्ति की मदद करते हैं और वह एहसान नहीं मानता है उसे एहसान-फ़रामोश कहते हैं। जबकि इसी बात को हमारे शास्त्रों, ऋषि-मुनि, संत-महात्माओं ने तो यहाँ तक कहा है कि इंसान होने के नाते ज़रूरतमंदों की मदद करने को ''नेकी कर दरिया में डाल'' यानी जिस किसी व्यक्ति का अगर आपने भला किया है उस बात को हमेशा के लिए भूला देना चाहिए है।

प्रखर ने पुन: आग्रह किया- 'गुरु जी जरा और विस्तारपूर्वक समझाने की कृपा करें।' इस पर गुरु जी बोले- 'उदाहरण के लिए जब कोरोना काल में हमारे देश की सरकार ने मानव-धर्म का पालन करते हुए दुनिया के बहुतेरे देशों को वैक्सीन प्रदान की,.बिना भेद-भाव के मैत्री-शत्रुता का विचार किए विश्व के लोगों की जान बचाने में बढ़-चढ़कर भूमिका निभाई, प्राकृतिक आपदाओं के समय विदेशी सरकारों की नाना प्रकार से मदद की, पर जब आतंकियों द्वारा हमारे देश के निर्दोष नागरिकों की जानें ली जा रही हैं। पड़ोसी देश द्वारा आतंक की घटनाओं को अंजाम दिया जा रहा है, देश पर जबरन युद्ध थोपा जा रहा है। ऐसे वक्त में वैश्विक देशों को हमारे पक्ष में खड़ा होना चाहिए, पर मित्रता का दंभ भरने का दावा करने वाले कतिपय देश और हमारे देश की प्रमुख विपक्षी पार्टी द्वारा उल्टा देश की सरकार पर ही दोषारोपण किया जा रहा है। ऐसे देशों और दलों के मुखियाओं को एहसान-फ़रामोश और उनके द्वारा किए जाने वाले कृत्यों को एहसान-फ़रामोशी कहते हैं।'

इतिहास

739 - रूस और स्वीडन के बीच युद्ध समाप्त करने वाली संधि के बाद दोनों देशों के संबंधों में बदलाव आया।

1863 - अमेरिकी राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन ने थैंक्सगिविंग डे को राष्ट्रीय अवकाश के रूप में मनाने की घोषणा की।

1932 - इराक राष्ट्र संघ (स्द्धड्डद्दह्वद्ग श्रद्ध द्दड्डह्लद्धश्रठ्ठह्य) का सदस्य बनने वाला पहला अरब देश बना।

1952 - ब्रिटेन ने अपना पहला परमाणु बम परीक्षण ऑपरेशन हरिकेन के तहत किया।

1990 - जर्मनी के पुनर्एकीकरण की प्रक्रिया पूरी हुई और पूर्वी एवं पश्चिमी जर्मनी का औपचारिक एकीकरण हुआ।

1993 - रूस में संवैधानिक संकट के दौरान मॉस्को में संसद भवन के आसपास गंभीर राजनीतिक टकराव हुआ।

2013 - भारत में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून लागू हुआ, जिसका उद्देश्य बड़ी आबादी को सब्सिडी वाला खाद्यान्न उपलब्ध कराना था।

एनटीपीसी सीपत में गांधी जयंती पर सफाई मित्रों का किया गया सम्मान

विश्व केसरी■

कोरबा (मधु डिडवानिया)। एनटीपीसी सीपत में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय लाल बहादुर शास्त्री की जयंती श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाई गई। इस अवसर पर जनभागीदारी, स्वच्छता जागरूकता, कर्मचारियों के कल्याण और समावेशी विकास की दिशा में कई महत्वपूर्ण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ विकास खरे, महाप्रबंधक (इंजीनियरिंग) द्वारा दोनों महापुरुषों के चित्रों पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। इस दौरान उन्होंने उपस्थित अधिकारियों, कर्मचारियों और सहयोगी एजेंसियों के प्रतिनिधियों को स्वच्छता की शपथ दिलाई। अपने संबोधन में खरे ने सभी से महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री के विनम्र, सरल नेतृत्व एवं देश सेवा के आदर्शों को आत्मसात करने का आह्वान किया। 'स्वच्छता में सहभागिता, स्वच्छ भारत, विकसित भारत' थीम पर आधारित स्वच्छता पखवाड़े का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने परिवेश को स्वच्छ रखकर गांधी जी के स्वच्छ भारत के सपने को साकार करने में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। संविदा कर्मियों के लिए खेलकूद महोत्सव-2026 एनटीपीसी सीपत के उत्कृष्ट संचालन में संविदा कर्मियों के अमूल्य परिश्रम और समर्पण के प्रति आभार व्यक्त करने तथा उनमें टीम भावना और भाईचारे को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से बाबासाहब डॉ. भीमराव अंबेडकर स्टेडियम में खेलकूद महोत्सव-2026 का आयोजन किया गया। महोत्सव का उद्घाटन विकास खरे ने किया। इस दौरान किक द बॉल, हिट द स्टंप, गोला फेंक, होल्ड द ब्रिक्स और बैक रेस जैसी लगभग 15 खेल स्पर्धाएं आयोजित की गईं, जिनमें 300 से अधिक संविदा कर्मियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। समापन समारोह में सभी प्रतिभागियों को स्मृति चिन्ह प्रदान किए गए तथा विजेताओं को मुख्य अतिथियों द्वारा पुरस्कृत किया गया।

आयोजन को सफल बनाने में स्थानीय यूनियनों, एसोसिएशनों और स्पोर्ट्स काउंसिल का सक्रिय सहयोग रहा। 'स्वच्छता ही सेवा' के तहत सफाई मित्रों का सम्मान 'स्वच्छता के लिए जनभागीदारी एवं जागरूकता' को केंद्र में रखते हुए आयोजित 'स्वच्छता ही सेवा' कार्यक्रम के अंतर्गत परिसर को स्वच्छ व सुंदर बनाए रखने वाले सफाई मित्रों का विशेष सम्मान किया गया। महाप्रबंधकगणों एवं विभागाध्यक्षों ने सफाई मित्रों को स्मृति चिन्ह भेंट कर उनके निरंतर योगदान के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर लिंगम वेंकट रेड्डी, महाप्रबंधक (मेंटिनेंस), भक्त बत्सल पात्रा, प्रमुख (मानव संसाधन) सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी, यूनियन एवं एसोसिएशन के पदाधिकारी तथा बड़ी संख्या में सफाई मित्र और कर्मचारी उपस्थित रहे।

सांदीपनी महाविद्यालय राहौद में मनाई गई गांधी जयंती

विश्व केसरी■

राहौद (नीरज शर्मा)। सांदीपनी महाविद्यालय राहौद के प्रांगण में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती अत्यंत गरिमा, राष्ट्र-प्रेम की भावना के साथ मनाई गई। सत्य, अहिंसा और मानवता के संदेश के प्रतीक महात्मा गांधी के जन्मोत्सव पर महाविद्यालय परिवार ने उनके आदर्शों को आत्मसात करने का संकल्प लिया।

दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ

समारोह का विधिवत शुभारंभ महाविद्यालय के यशस्वी, ऊर्जावान एवं दूरदर्शी संचालक व संचालक संतोष गुप्ता के कर-कमलों द्वारा महात्मा गांधी के तैलचित्र पर दीप प्रज्वलित कर एवं माल्यार्पण करके किया गया। इस पावन अवसर पर संपूर्ण परिसर राष्ट्रपिता के जयकारों और देशभक्ति के गीतों से गूंज उठा। आयोजन का संपूर्ण एवं उत्कृष्ट संचालन तथा प्रबंधन महाविद्यालय के संचालक संतोष गुप्ता के सुपुत्र सत्यजीत गुप्ता तथा महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. जी.आर. जाटव के कुशल मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। अपनी ओजस्वी शैली के लिए जाने वाले संचालक एवं नगर पंचायत राहौद के पूर्व अध्यक्ष संतोष गुप्ता ने अपनी शानदार वाकपटुता और ऊर्जावान वाणी से पूरे कार्यक्रम का बेहतरीन संचालन किया तथा पूरे कार्यक्रम को बांधे रखा, जिससे उपस्थित सभी श्रोताओं में देश-प्रेम और उत्साह की एक नई लहर दौड़ गई।

इसके साथ ही, युवा ऊर्जा और बौद्धिक क्षमता के धनी श्री सत्यजीत गुप्ता जी ने अपनी प्रशासनिक दक्षता, कर्मठता और उत्कृष्ट सूझबूझ का परिचय देते हुए इस आयोजन की रूपरेखा को मूर्तरूप देने में अहम भूमिका निभाई। उनके समर्पण और सक्रिय योगदान ने इस कार्यक्रम को ऐतिहासिक और अत्यंत सफल बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी।

इस गरिमामयी अवसर पर महाविद्यालय के समस्त सम्मानित स्टाफगण उपस्थित रहे, जिनमें प्रमुख रूप से निम्नलिखित सदस्य शामिल थे: सुनीता बर्मन, अश्वनी साहू, सौरभ सिंह, राजेश यादव, वीरेंद्र कश्यप, शारदा पटेल, रोशन साहू, दिव्या बर्मन, आशा देवांगन।

कार्यक्रम के अंत में बापू के प्रिय भजनों का स्मरण किया गया और सभी ने महाविद्यालय परिसर को स्वच्छ व सुंदर बनाए रखने का संकल्प लिया। अंत में प्रसाद (मिष्ठान) वितरण के साथ इस प्रेरणादायी आयोजन का सफलतापूर्वक समापन हुआ।

शिवरीनारायण-खैरताल मार्ग के लिए 22 करोड़ 8 लाख 59 हजार की स्वीकृति

विश्व केसरी■

जांजगीर-चांपा (नीरज शर्मा)। राज्य सरकार द्वारा जांजगीर- चाम्पा जिले के शिवरीनारायण- खैरताल मार्ग के मजबूतीकरण कार्य की बड़ी सौगात दिया है द्य शिवरीनारायण से खैरताल मार्ग के मजबूतीकरण एवं पुल-पुलिया सहित निर्माण कार्य के लिए 2208.59 लाख (22 करोड़ 8 लाख 59 हजार रुपये) की शासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है।

क्षेत्रवासियों की लंबे समय से चली आ रही सड़क निर्माण की मांग को पूरा करते हुए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में इस महत्वपूर्ण सड़क कार्य को स्वीकृति मिली है। इससे क्षेत्र में सड़क अधोसंरचना को मजबूती मिलेगी और ग्रामीण अंचलों में आवागमन की सुविधाएं बेहतर होंगी।

यह मार्ग लगभग 11.70 किलोमीटर लंबा है। मार्ग के मजबूतीकरण एवं पुल-पुलिया सहित निर्माण कार्य से आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को सुगम, सुरक्षित और सुविधाजनक आवागमन की सुविधा प्राप्त होगी। जिले के प्रभारी मंत्री एवं वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी के मार्गदर्शन एवं प्रयासों से भी क्षेत्र में सड़क एवं अधोसंरचना विकास के कार्यों को गति मिली है।

इस मार्ग के निर्माण एवं मजबूतीकरण से ग्रामीणों, किसानों, विद्यार्थियों तथा आम नागरिकों को आवागमन में सुविधा मिलेगी। साथ ही क्षेत्र में व्यापारिक गतिविधियों, कृषि उपज के परिवहन और सामाजिक-आर्थिक संपर्क को भी बढ़ावा मिलेगा। बेहतर सड़क सुविधा से ग्रामीण क्षेत्रों का जिला मुख्यालय एवं आसपास के प्रमुख बाजारों से संपर्क और अधिक सुगम हो सकेगा। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में और उप मुख्यमंत्री एवं लोक निर्माण विभाग के मंत्री अरुण साव के मार्गदर्शन में राज्य सरकार द्वारा सड़क एवं पुल-पुलिया जैसी मूलभूत अधोसंरचना के विकास पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। शिवरीनारायण-खैरताल मार्ग की स्वीकृति से क्षेत्रवासियों की लंबे समय से चली आ रही मांग पूरी होने के साथ ही क्षेत्र के विकास को नई गति मिलेगी।

शुष्क दिवस पर अकलतरा पुलिस की बड़ी कार्रवाई

विश्व केसरी■

अकलतरा (नीरज शर्मा)। 02 अक्टूबर शुष्क दिवस के अवसर पर अवैध शराब के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत अकलतरा पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 104 लीटर अवैध शराब जब्त की है। पुलिस ने मामले में वार्ड क्रमांक 13 निवासी प्रकाश भारद्वाज (42 वर्ष), पिता स्व. भारत भारद्वाज को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है। पुलिस के अनुसार, पुलिस अधीक्षक विजय पाण्डेय (भा.पु.से.) के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. यूलेण्डन यार्क के मार्गदर्शन तथा एसडीओपी अकलतरा डॉ. मेखलेन्द्र प्रताप सिंह के पर्यवेक्षण में शुष्क दिवस को देखते हुए अवैध शराब के निर्माण, संग्रहण, परिवहन एवं बिक्री के विरुद्ध अभियान चलाया जा रहा था। इसी दौरान अकलतरा पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि प्रकाश भारद्वाज ने अपने घर के भीतर चार लोहे के दरवाजों के पीछे बने कमरे में भारी मात्रा में अवैध शराब छिपाकर रखी है तथा किराना दुकान की आड़ में उसकी बिक्री की जा रही है। सूचना के आधार पर पुलिस ने घेराबंदी कर मकान की तलाशी ली और संबंधित कमरे को खोलकर शराब बरामद की।

राखड़ डंपिंग को लेकर ग्रामीणों में नाराजगी, जनदर्शन में शिकायत

विश्व केसरी■

सक्ती (ईश्वर लोधी)। ग्राम पंचायत बासीन के आश्रित ग्राम तुरी में फ्लाई ऐश डंपिंग को लेकर ग्रामीणों ने आपत्ति जताते हुए कलेक्टर जनदर्शन में शिकायत प्रस्तुत की है। ग्रामीणों ने निजी भूमि पर निर्धारित अनुमति से अधिक तथा शासकीय भूमि पर कथित रूप से बिना अनुमति राखड़ डंप किए जाने की जांच की मांग की है।

ग्रामीणों का आरोप है कि खसरा नंबर 1/7 और 1/10 की निजी भूमि के लिए अनुमति ली गई है, लेकिन इसके अलावा खसरा नंबर 1/5 में भी राखड़ डंप की जा रही है। वहीं खसरा नंबर 1/1 की शासकीय बड़े झाड़ के जंगल मद की भूमि पर बिना अनुमति फ्लाई ऐश पाटे जाने का आरोप लगाया गया है।

खुले में राखड़ से परेशानी का दावा - शिकायतकर्ताओं के अनुसार, खुले में बड़ी मात्रा में राखड़ जमा होने के कारण हवा चलने पर राख के कण आसपास के क्षेत्र में फैलते हैं। ग्रामीणों ने इससे आंखों में जलन और सांस लेने में परेशानी सहित स्वास्थ्य संबंधी दिक्कतों की आशंका जताई है। खेतों में राखड़ पहुंचने से फसलों के प्रभावित होने और जलस्रोतों के दूषित होने की भी बात कही गई है।

नियमों के पालन पर उठाए सवाल- ग्रामीणों ने राखड़ डंपिंग के दौरान पानी का छिड़काव नहीं किए जाने और राखड़ को मिट्टी से ढकने की व्यवस्था नहीं होने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि इससे गांव के रास्ते और पशुओं के चरने की जगह भी प्रभावित हो रही है।

शिकायत में ग्रामीणों ने विरोध करने पर विवाद तथा झूठे एससी-एसटी प्रकरण में फंसाने की धमकी दिए जाने का आरोप भी लगाया है। इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है।

ग्रामीणों ने कलेक्टर से मौके का निरीक्षण कराकर भूमि और राखड़ डंपिंग की अनुमति की जांच, शासकीय भूमि से राखड़ हटाने तथा नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर कार्रवाई की मांग की है।

पीवी ऐप से गिरदावरी के विरोध में कृषि अधिकारी संघ ने सौंपा ज्ञापन

विश्व केसरी■

भानुप्रतापपुर (दीपक शर्मा)। खरीफ फसल गिरदावरी 2026-27 को लेकर कृषि अधिकारी संघ ने राजस्व विभाग के कार्यों में ड्यूटी लगाए जाने का विरोध किया है। छत्तीसगढ़ कृषि अधिकारी संघ की अध्यक्ष पदमनी नेताम के नेतृत्व में तहसीलदार को ज्ञापन सौंपकर कृषि अधिकारियों को पीवी ऐप से गिरदावरी सहित गैर-विभागीय राजस्व कार्यों से मुक्त करने की मांग की गई।

संघ का कहना है कि कृषि अधिकारी पहले से एग्रीस्टैक, फार्मर आईडी सहित विभिन्न कार्यों में सहयोग कर रहे हैं। दूसरे विकासखंडों में राजस्व कार्यों की ड्यूटी लगाए जाने से कृषि विभाग के मूल कार्य प्रभावित हो रहे हैं। संघ ने चेतावनी दी है कि मांगों के बावजूद कार्रवाई या अनुशासनात्मक कदम उठाया गया तो प्रांतीय आह्वान पर आंदोलन और हड़ताल की जाएगी।

भानबेड़ा स्कूल के 9 क्रिकेट खिलाड़ियों का राज्य स्तर पर चयन

विश्व केसरी■

भानुप्रतापपुर (दीपक शर्मा)। उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भानबेड़ा के 9 क्रिकेट खिलाड़ियों का राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयन हुआ है। इनमें अंडर-17 के 7 और अंडर-19 के 2 खिलाड़ी शामिल हैं। चयनित खिलाड़ी शुक्रवार को सारंगढ़ के लिए रवाना होंगे, जहां 4 से 7 अक्टूबर तक प्रतियोगिता आयोजित होगी।

इस उपलब्धि का श्रेय विद्यालय के कोच रवि प्रकाश लोहसिंह के मार्गदर्शन और मेहनत को दिया जा रहा है। वे खो-खो के राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय अंपायर भी हैं। ज्ञात हो कि पिछले वर्ष भी विद्यालय के 7 खिलाड़ियों का राज्य स्तर और 1 खिलाड़ी का राष्ट्रीय स्तर पर चयन हुआ था। खिलाड़ियों की सफलता से विद्यालय परिवार और क्षेत्र में हर्ष का माहौल है।

माता-पिता ने तीन माह की बच्ची को मार डाला

विश्व केसरी■

सक्ती (ईश्वर लोधी)। जिले मे तीन माह की मासूम बच्ची की संदिग्ध मौत के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्यवाही की है। बच्ची की हत्या के आरोप में उसके विधि से संघर्षरत माता-पिता को ही गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार, बच्ची जन्म के बाद से ही अक्सर बीमार रहती थी। उसके इलाज और परिवार की आर्थिक परेशानियों के चलते माता-पिता तनाव में थे। इसी वजह से बच्ची की हत्या किए जाने की बात पुलिस जांच मे सामने आने की बात कही जा रही है।

जानकारी के अनुसार, घटना 29 सितंबर की रात की है। परिवार के सभी सदस्य खाना खाने के बाद सो गए थे। रात करीब 2 बजे बच्ची के पिता ने परिजनों को बताया कि उनकी तीन माह की बेटी बिस्तर से गायब हो गई है। इसके बाद परिवार और आसपास के लोगों ने घर, आंगन तथा खेतों में बच्ची की तलाश की, लेकिन उसका कोई पता नहीं चला। अगली सुबह करीब 7:30 बजे बच्ची की दादी पानी भरने के लिए आंगन में गईं। इस दौरान पानी के ड्रम को खाली करने के लिए देखने पर बच्ची उसके अंदर मृत अवस्था में मिली। घटना की सूचना मिलते ही परिवार में चीख-पुकार मच गई। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई।

पितृपक्ष में पूर्वजों का स्मरण, तर्पण और श्राद्ध का विशेष महत्व

विश्व केसरी■

बिलासपुर (शैलेन्द्र केशरवानी)। बिलासपुर विश्व केसरी (शैलेन्द्र केशरवानी) हिंदू धर्म में पितृपक्ष का विशेष धार्मिक एवं आध्यात्मिक महत्व माना गया है। यह अवधि अपने दिवंगत पूर्वजों के प्रति श्रद्धा, कृतज्ञता और स्मरण व्यक्त करने का अवसर माना जाता है। पितृपक्ष के दौरान लोग अपने पितरों की आत्मिक शांति और उनके प्रति सम्मान की भावना से श्राद्ध, तर्पण, पिंडदान तथा दान-पुण्य जैसे धार्मिक कार्य करते हैं।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, पितृपक्ष में किए गए श्राद्ध एवं तर्पण से पितरों का आशीर्वाद प्राप्त होता है। परिवार में दिवंगत माता-पिता, दादा-दादी तथा अन्य पूर्वजों को उनकी मृत्यु तिथि के अनुसार श्रद्धापूर्वक स्मरण किया जाता है। जिन लोगों को पूर्वजों की मृत्यु तिथि ज्ञात नहीं होती, वे पितृपक्ष की सर्वपितृ अमावस्या के दिन श्राद्ध एवं तर्पण करते हैं। पितृपक्ष केवल धार्मिक अनुष्ठानों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह नई पीढ़ी को अपने पूर्वजों, परिवार की परंपराओं और संस्कारों से जोड़ने का भी अवसर प्रदान करता है। इस दौरान जरूरतमंदों को भोजन कराना, वस्त्र एवं अन्य आवश्यक सामग्री का दान करना भी पुण्यकारी माना जाता है।

धार्मिक विद्वानों के अनुसार, पितृपक्ष का मूल संदेश अपने पूर्वजों के प्रति कृतज्ञता, स्मरण और सम्मान की भावना को बनाए रखना है। आधुनिक जीवन की व्यस्तता के बीच यह पर्व परिवार और समाज को अपनी जड़ों तथा पूर्वजों से जुड़ने की प्रेरणा देता है।

पितृपक्ष में पूर्वजों के तर्पण और श्राद्ध की परंपरा, श्रद्धा के साथ किए जा रहे धार्मिक अनुष्ठान

पितृपक्ष शुरू होते ही बिलासपुर एवं आसपास के क्षेत्र में भी पूर्वजों के स्मरण एवं उनके प्रति श्रद्धा और सम्मान व्यक्त करने के लिए श्राद्धकर्म, तर्पण एवं पिंडदान का सिलसिला चल रहा है।सुबह से लोग नदी तालाब एवं अन्य धार्मिक स्थलों पर पहुँच कर अपने दिवंगत परिजनों की स्मृति में तर्पण कर रहे हैं वहीं घरों में भी पुरोहितों के मार्गदर्शन में श्राद्ध एवं धार्मिक अनुष्ठान कराये जा रहे हैं तथा ब्राह्मण भोज, गौसेवा और जरूरतमंदों को दान भी कर रहे हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार, पितृपक्ष परिवार की परंपराओं और पूर्वजों को याद करने का अवसर प्रदान करता है। इस दौरान नई पीढ़ी भी श्राद्ध और तर्पण की परंपरा से परिचित हो रही है। पुरोहितों का कहना है कि पितृपक्ष में श्रद्धा के साथ किए जाने वाले तर्पण और श्राद्ध का विशेष महत्व माना गया है।

सर्व पितृ अमावस्या का विशेष महत्व

पितृपक्ष के अंतिम दिन सर्वपितृ अमावस्या पर विशेष रूप से श्राद्ध एवं तर्पण किए जाएंगे। जिन पितरों की मृत्यु तिथि ज्ञात नहीं होती, उनके लिए इस दिन श्राद्ध करने की परंपरा है। इसके चलते सर्वपितृ अमावस्या पर धार्मिक स्थलों और नदी घाटों पर अधिक संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है।

वीर भगत सिंह को उनके 119 जयंती पर भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी ने किया याद

विश्व केसरी■

सक्ती (ईश्वर लोधी)। अपने वतन के लिए शहीद होने वाले कभी नहीं मरते वे हमेशा जिंदा रहते हैं हमारी यादों में हमारे सपनों में और या हमारी उम्मीदों में यह विचार शहीदे आजम भगत सिंह की 119वीं जयंती पर भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी की शाखा सक्ती के कार्यकर्ताओं के द्वारा शहीदे आजम भगत सिंह सिंह को स्मरण करने के लिए आहूत बैठक में कामरेड अनिल शर्मा ने उक्त बातें कहीं ।

कामरेड अनिल शर्मा ने कहा कि शहीदे आजम भगत सिंह के जन्म दिन पर भारत की जनता उन्हें शत् शत् नमन करते नजर आती है क्योंकि उनका पूरा जीवन गैर बराबरी . शोषण तथा साम्राज्यवादी नीतियों के विरुद्ध लड़ते हुए गुजरा यदि वे आज होते तो वर्तमान फासिस्टवादी सरकार के खिलाफ पूरे दमखम से भी लड़ते रहते शहीदे आजम भगत सिंह को याद करते हुए कामरेड देवेंद्र जायसवाल ने कहा कि वे हमेशा देश के युवाओं के प्रेरणा श्रोत बने रहेंगे क्योंकि इक्कीस (21) साल की उम्र में बहरी गूंगी अंग्रेज सरकार को भारत की आजादी की आवाज सुनने असेम्बली मे बम फेका था। सभा को कामरेड हेमलाल देवांगन ने भी सबोधित किया और कहा कि शहीद भगत सिंह ने अपना पूरा जीवन भारत की आजादी के लिए बलिदान कर दिया था । शहीदे आजम भगत सिंह की 119वीं जयंती की शुरुवात उनके चित्र पर पुष्प अर्पित करते के बाद शुरू किया गया सभा में कामरेड आशीष शर्मा कामरेड विनोद द्विवेदी कामरेड अशोक गबेल कामरेड बाबी देवांग कामरेड अनिल शर्मा सक्ती उपस्थित थे।

वंदे भारत कटरा-बनिहाल सेक्शन में 100 किलोमीटर प्रति घंटा तक की रहेगी रफ्तार: अश्विनी वैष्णव

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को घोषणा की कि 111 किलोमीटर लंबे श्री माता वैष्णो देवी कटरा-बनिहाल सेक्शन पर अधिकतम अनुमत गति को 75 किमी/घंटा से बढ़ाकर 100 किमी/घंटा कर दिया गया है। साथ ही, इसे उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल लिंक (यूएसबीआरएल) प्रोजेक्ट पर रेल संचालन के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में मंत्री ने इसे ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि रफ्तार में वृद्धि सफल ट्रायल के बाद की गई है।

उन्होंने कहा, 'आज का दिन ऐतिहासिक है। 111 किलोमीटर लंबे श्री माता वैष्णो देवी कटरा-बनिहाल सेक्शन पर अधिकतम

अनुमत गति को 75 किलोमीटर प्रति घंटा से बढ़ाकर 100 किलोमीटर प्रति घंटा कर दिया गया है।' ट्रायल के दौरान, वंदे भारत एक्सप्रेस (ट्रेन नंबर 26401/26404) ने 100 किमी/घंटा की रफ्तार से चिनाब ब्रिज (जिसे दुनिया का सबसे ऊंचा रेलवे आर्च ब्रिज माना जाता है) और अंजी में भारत के पहले केबल-स्टेयड रेल ब्रिज को पार किया। अनुमत गति में इस बढ़ोतरी से रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण यूएसबीआरएल कॉरिडोर पर ऑपरेशनल क्षमता में सुधार की उम्मीद है, जो कश्मीर घाटी को राष्ट्रीय रेलवे नेटवर्क से जोड़ता है।

रेलवे अधिकारियों ने कहा कि इस कदम से यात्रा का समय कम होगा और यात्रियों को तेज, सुरक्षित और अधिक आरामदायक यात्रा का अनुभव मिलेगा।

वैष्णव ने कहा, 'आज बढ़ी हुई स्पीड का सफल परीक्षण किया गया। वंदे भारत एक्सप्रेस (ट्रेन नंबर 26401/26404) ने दुनिया के सबसे ऊंचे चिनाब ब्रिज और भारत के पहले केबल-स्टे वाले अंजी ब्रिज को 100 किमी/घंटा की रफ्तार से पार करके एक नया रिकॉर्ड बनाया।' मंत्री ने कहा, 'इस सुधार से यूएसबीआरएल प्रोजेक्ट पर ट्रेन का संचालन आसान होगा, यात्रा का समय कम होगा और यात्रियों को तेज, सुरक्षित और आरामदायक यात्रा का अनुभव मिलेगा।' चिनाब ब्रिज और अंजी ब्रिज यूएसबीआरएल प्रोजेक्ट की अहम इंजीनियरिंग उपलब्धियों में से हैं। इस प्रोजेक्ट को जम्मू-कश्मीर में हर मौसम में काम करने वाली रेल कनेक्टिविटी देने के लिए बनाया गया है।

बिहार के मखाना को मिला अंतरराष्ट्रीय बाजार

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। एपीडा कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीईडीए) की सहायता से बिहार के पूर्णिया से 1 मीट्रिक टन (एमटी) पॉप्ड मखाना की खेप ग्रीस के लिए रवाना की गई है। केंद्र सरकार ने शुक्रवार को कहा कि यह कदम बिहार के मखाना उत्पादकों को अंतरराष्ट्रीय बाजारों से जोड़ने और उनके लिए बेहतर आय के अवसर पैदा करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है।

वाणिज्य मंत्रालय के अनुसार, यह खेप इंडो ग्लोबल एक्सपोर्ट, बेलौरी (पूर्णिया) द्वारा स्रोतित की गई है और इसका निर्यात एस. एस. फूड्स एक्सपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के माध्यम से किया जा रहा है। यह खेप मुंद्रा बंदरगाह से ग्रीस के पिराएस पोर्ट तक भेजी जाएगी।

सरकार ने बताया कि इस निर्यात से मखाना उत्पादकों को घरेलू बाजार की तुलना में बेहतर मूल्य प्राप्त हुआ है। इससे यह संकेत मिलता है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार बिहार के मखाना उत्पादकों के लिए अतिरिक्त आय और मूल्यवर्धन के महत्वपूर्ण अवसर प्रदान कर सकते हैं। भारत दुनिया का सबसे बड़ा मखाना उत्पादक देश है और देश के कुल उत्पादन में बिहार की हिस्सेदारी लगभग 80-85 प्रतिशत है। राज्य के 10 जिलों में 35,000 हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र में मखाना की खेती की जाती है, जिससे यह क्षेत्र हजारों किसानों की आजीविका का महत्वपूर्ण आधार बना हुआ है।

बिहार के कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान भारत ने 7,000 मीट्रिक टन से अधिक मखाना और मूल्यवर्धित मखाना उत्पादों का निर्यात किया, जिसकी कुल कीमत लगभग 2.2 करोड़ डॉलर (22 मिलियन डॉलर) रही। यह निर्यात 20 से अधिक देशों तक पहुंचा।

उन्होंने बताया कि बिहार सरकार किसानों की आय बढ़ाने और कृषि निर्यात को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से कृषि निर्यात नीति पर काम कर रही है। इसके अलावा मखाना निर्यात मूल्य श्रृंखला को मजबूत करने के लिए राज्य में पैकहाउस भी विकसित किए गए हैं। वाणिज्य मंत्रालय ने कहा कि पूर्णिया से ग्रीस को भेजी गई यह खेप बिहार के मखाना उत्पादकों और निर्यातकों के लिए वैश्विक बाजारों तक पहुंच बढ़ाने के प्रयासों का हिस्सा है। एपीईडीए लगातार भारतीय मखाना के लिए नए बाजार तलाशने, निर्यातकों को सहयोग देने और यूरोप सहित विभिन्न अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों के साथ बाजार संपर्क स्थापित करने में सक्रिय भूमिका निभा रहा है।

वैश्विक संकट गहराने के साथ ही वैश्विक ऊर्जा सब्सिडी 1 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच सकती है: यूएन रिपोर्ट

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष, बढ़ती तेल कीमतों और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच दुनिया भर की सरकारों के लिए उपभोक्ताओं को राहत देना लगातार कठिन होता जा रहा है। शुक्रवार को जारी संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) की एक नई रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2026 में वैश्विक ऊर्जा सब्सिडी 1 ट्रिलियन डॉलर से अधिक पहुंच सकती है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि ईंधन और खाद्य कीमतों में वृद्धि के असर को कम करने के लिए सरकारें बड़े पैमाने पर सब्सिडी, मूल्य नियंत्रण (प्राइस कैप) और कर रियायतों जैसे उपायों का सहारा ले रही हैं। हालांकि बढ़ती ब्याज दरों, महंगे कर्ज और मौसम संबंधी जोखिमों के कारण इन उपायों को लंबे समय तक जारी रखना और मुश्किल होता जा रहा है।

यूएनडीपी ने चेतावनी दी है कि आने वाले कुछ महीने उन देशों के लिए बेहद महत्वपूर्ण होंगे जो ईंधन सब्सिडी और अन्य राहत उपायों के जरिए महंगाई से निपटने की कोशिश कर रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, कच्चे तेल की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल के करीब पहुंचने से कई देशों

की सार्वजनिक वित्त व्यवस्था पर अतिरिक्त दबाव बढ़ रहा है। यूएनडीपी के मुख्य अर्थशास्त्री जॉर्ज ग्रे मोलिना ने कहा कि अगले कुछ सप्ताह और महीने अनिश्चितता से भरे रह सकते हैं, क्योंकि दुनिया एक साथ कई संकटों का सामना कर रही है। उन्होंने कहा कि वर्तमान स्थिति से बाहर निकलने का कोई स्पष्ट रास्ता फिलहाल दिखाई नहीं दे रहा है।

विश्व बैंक, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) और अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) के आंकड़ों पर आधारित रिपोर्ट में बताया गया है कि अप्रैल से सितंबर के बीच राहत उपाय अपनाने वाले देशों की संख्या लगभग दोगुनी हो गई। इससे यह साफ संकेत मिलता है कि ऊर्जा और खाद्य कीमतों में वृद्धि का असर अधिक व्यापक होता जा रहा है।

रिपोर्ट के अनुसार, सरकारी सहायता कार्यक्रमों ने इस वर्ष अनुमानित 13 करोड़ लोगों को प्रतिदिन 6.85 डॉलर की गरीबी रेखा से नीचे जाने से बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

पीएफआरडीए ने बैंक ऑफ बड़ौदा को पेंशन फंड का प्रायोजक किया नियुक्त

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। बैंक ऑफ बड़ौदा ने पेंशन फंड कारोबार में औपचारिक रूप से प्रवेश कर लिया है। बैंक को पेंशन फंड के प्रायोजक के रूप में नियुक्ति प्रमाणपत्र पेंशन फंड नियामक एवं विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) से प्राप्त हुआ है। इसके साथ ही बैंक ऑफ बड़ौदा इस क्षेत्र में प्रवेश करने वाला दूसरा सार्वजनिक क्षेत्र का बैंक बन गया है।

यह प्रमाणपत्र 1 अक्टूबर को आयोजित एनपीएस दिवस 2026 कार्यक्रम के दौरान बैंक ऑफ बड़ौदा के प्रबंध निदेशक और सीईओ देबदत्त चांद को सौंपा गया। इस नियुक्ति से सार्वजनिक क्षेत्र के इस बैंक को पीएफआरडीए अधिनियम, 2013 के प्रावधानों के तहत पेंशन फंड को प्रायोजित करने की अनुमति मिल गई है।

यह घटनाक्रम जुलाई 2026 में पीएफआरडीए द्वारा बैंक ऑफ बड़ौदा, मोतीलाल ओसवाल

एएमसी और बजाज को संशोधित दिशानिर्देशों के तहत पेंशन फंड के प्रायोजक के रूप में मंजूरी दिए जाने के बाद हुआ है।

इस व्यवस्था के तहत पेंशन फंड राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) के तहत सरकारी और निजी क्षेत्र, दोनों की योजनाओं की परिसंपत्तियों का प्रबंधन कर सकेंगे।

नियामक पेंशन फंड प्रबंधकों और प्रायोजकों का दायरा बढ़ाकर पेंशन इकोसिस्टम को व्यापक बनाने और एनपीएस में भागीदारी बढ़ाने के लिए लगातार कदम उठा रहा है।

इसी प्रयास के तहत पीएफआरडीए एनपीएस की परिसंपत्तियों और अंशधारकों से जुड़ा पेंशन फंड-वार और योजना-वार विस्तृत आंकड़ा भी जारी कर रहा है, ताकि पारदर्शिता और जागरूकता बढ़ाई जा सके।

सेवानिवृत्ति बचत उत्पादों तक डिजिटल पहुंच बेहतर बनाने की एक समानांतर पहल के तहत बैंक ऑफ बड़ौदा ने सुविधा के दूसरे चरण के विस्तार के अंतर्गत भीम ऐप पर तत्काल एनपीएस को भी उपलब्ध कराया है। इस एकीकरण से उपयोगकर्ता भीम प्लेटफॉर्म के जरिए सरल और पूरी तरह कागजरहित तरीके से एनपीएस खाता खोल सकेंगे।

पीएफआरडीए द्वारा आयोजित एनपीएस दिवस 2026 कार्यक्रम में भी तत्काल एनपीएस प्रमुखता से शामिल रहा। कार्यक्रम में बैंकों, केंद्रीय रिकॉर्डकीपिंग एजेंसियों, एनपीसीआई भीम सर्विसेज और सरकारी अधिकारियों ने हिस्सा लिया तथा पेंशन कवरेज बढ़ाने और नए अंशधारकों को एनपीएस से जोड़ने की प्रक्रिया बेहतर बनाने के उपायों पर चर्चा की।

वित्तीय सेवा विभाग के सचिव संजय लोहिया ने बैंक ऑफ बड़ौदा के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ देबदत्त चांद को नियुक्ति प्रमाणपत्र प्रदान किया।

ओपन एआई ने एआई एजेंट से जुड़ी घटनाओं को लेकर 100 संगठनों को किया अलर्ट

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। अमेरिका स्थित आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) क्षेत्र की दिग्गज कंपनी ओपनएआई ने कहा है कि उसने अपने एआई एजेंट्स से जुड़ी अनधिकृत गतिविधियों की घटनाओं के बारे में 100 से अधिक संगठनों को सूचित किया है। यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है जब स्वायत्त एआई सिस्टम से जुड़े जोखिमों को लेकर एआई लैब्स पर निगरानी बढ़ रही है।

चैटजीपीटी बनाने वाली कंपनी के अनुसार, वह अपने एआई मॉडलों से जुड़ी गतिविधियों की व्यापक समीक्षा कर रही है। यह समीक्षा हगिंग फेस से जुड़ी एक घटना के बाद की जा रही है।

कंपनी ने आगे बताया कि इस समीक्षा के तहत वह करीब 50 पेटाबाइट डेटा का भी विश्लेषण कर रही है, ताकि इस गतिविधि के पूरे दायरे का पता लगाया जा सके।

यह कदम एआई उद्योग में एआई एजेंट्स से जुड़ी घटनाओं को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच उठाया गया है। इन घटनाओं में एआई एजेंट्स ने अपने निर्धारित उपयोग से आगे बढ़कर कुछ कार्रवाई की थीं।

ओपनएआई ने कहा, 'कुछ मामलों में मॉडलों ने इंटरनेट एक्सेस का अनपेक्षित तरीकों से इस्तेमाल किया या बाद में देखने पर ऐसा लगा कि उन पर आदर्श प्रतिबंध लागू नहीं थे।'

इसके अलावा, कंपनी ने कहा कि उसने पिछले कई महीनों में ऐसी घटनाओं को रोकने या शुरुआती चरण में उनकी पहचान करने के लिए नए तकनीकी और परिचालन उपाय लागू किए हैं।

ओपनएआई ने इससे पहले कहा था कि डेटा के बड़े पैमाने और समीक्षा में शामिल काम को देखते हुए इस प्रक्रिया को पूरा होने में कई महीने लग सकते हैं।

कंपनी ने कहा कि हगिंग फेस से जुड़ी घटना अब तक उसके द्वारा पहचानी गई उसके एआई मॉडलों की अनधिकृत गतिविधि का सबसे गंभीर मामला है।

यह घटनाक्रम ऐसे समय में हुआ है जब एआई कंपनियां तेजी से ऐसे मॉडल तैनात कर रही हैं जो इंटरनेट से जुड़े टूल्स का इस्तेमाल करने और सीमित मानवीय हस्तक्षेप के साथ कार्य करने में सक्षम हैं। इससे इस बात को लेकर चिंताएं बढ़ रही हैं कि ऐसे सिस्टम की निगरानी और नियंत्रण किस तरह किया जा सकता है।

इससे पहले सितंबर में आई रिपोर्टों में दावा किया गया था कि एआई कंपनी ने एक नए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) मॉडल की योजनाबद्ध रिलीज रद्द कर दी थी। परीक्षणों में पाया गया था कि मॉडल यूजर के निर्देशों से आगे जाकर कार्रवाई कर सकता था और अपने द्वारा किए गए कार्यों का सटीक विवरण देने में विफल हो सकता था।

आरबीआई एमपीसी की बैठक में रेपो रेट में 0.25 प्रतिशत की कर सकता है बढ़ोतरी : एसबीआई

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। मौजूदा समय में जोखिमों का संतुलन भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा 25 आधार अंक (0.25 प्रतिशत) की ब्याज दर बढ़ोतरी के पक्ष में निर्णायक रूप से झुक गया है। इसकी वजह महंगाई का दबाव बढ़ना, वैश्विक आर्थिक परिस्थितियों का बिगड़ना, तरलता की बदलती स्थिति और वैश्विक स्तर पर जोखिमों के नए सिरे से उभरना है। यह जानकारी भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की एक रिपोर्ट में दी गई।

आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक 5 से 7 अक्टूबर तक होनी है, जिसमें बेंचमार्क रेपो रेट पर फैसला किया जाएगा। एसबीआई की रिपोर्ट में कहा गया है कि भू-राजनीतिक तनाव, कच्चे तेल की कीमतों से

जुड़े जोखिम और वैश्विक स्तर पर जोखिमों के पुनर्मूल्यांकन को देखते हुए, 'हमारे लिए बेहतर होगा कि हम स्थिति से पीछे रहने के बजाय पहले से ही एहतियाती कदम उठाएं।' रिपोर्ट में कहा गया, 'हमें यह भी उम्मीद है कि आरबीआई वित्त वर्ष 2026-27 के लिए जीडीपी वृद्धि के अनुमान में 30 आधार अंक और महंगाई के अनुमान में 20 आधार अंक की बढ़ोतरी करेगा।'

महंगाई लगातार बढ़ती जा रही है। अगस्त में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित महंगाई जुलाई के 4.45 प्रतिशत से बढ़कर 4.82 प्रतिशत हो गई। रिपोर्ट के मुताबिक, भारतीय रुपया लगातार गिरावट के दौर में है, डॉलर इंडेक्स मजबूत हो रहा है और पिछले शुक्रवार से विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की लगातार बिकवाली के कारण 4.45 अरब डॉलर की निकासी हुई है। ऐसे में सट्टेबाजी वाली ताकतों को रोकने और प्रभावी ढंग से हस्तक्षेप करने की आरबीआई की क्षमता पर भरोसा उसकी आंतरिक मजबूती की बड़ी परीक्षा होगी।

पश्चिम एशिया संकट के बीच निर्यातकों को सरकार की बड़ी राहत

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। सरकार ने भू-राजनीतिक तनाव और लॉजिस्टिक्स से जुड़ी अनिश्चितताओं के बीच निर्यातकों की मदद के लिए 'रिलीफ' स्कीम और 'एक्सपोर्ट किए गए प्रोडक्ट्स पर ड्यूटी और टैक्स में छूट' (आरओडीटीईपी) स्कीम की समय-सीमा बढ़ा दी है। यह जानकारी शुक्रवार को जारी आधिकारिक बयान में दी गई।

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के अनुसार, वाणिज्य विभाग ने 'एक्सपोर्ट प्रमोशन मिशन' के तहत शुरू की गई 'रिलीफ' (आरईएलआईईएफ -- रेजिलिएंस एंड लॉजिस्टिक्स इंटरवेंशन फॉर एक्सपोर्ट फैसिलिटेशन) योजना के दूसरे हिस्से के लिए समय-सीमा बढ़ा दी है।

मंत्रालय ने कहा कि 'रिलीफ' का दूसरा हिस्सा निर्यातकों को कुछ खास इलाकों में होने वाले अगले शिपमेंट के लिए ईसीजीसी कवर लेने के लिए प्रोत्साहित करता है,

जिसमें 95 प्रतिशत रिस्क कवर मिलता है। यह सुविधा 16 मार्च, 2026 या उसके बाद ली गई 'स्टैंड-अलोन पॉलिसी' या 'होल टर्नओवर पॉलिसी' के लिए उपलब्ध है। इसमें योग्य कार्गो के तौर पर फुल कंटेनर लोड (एफसीएल), लेस-दैन-कंटेनर लोड (एलसीएल) और रीफर कंटेनर शामिल हैं, लेकिन एनर्जी शिपमेंट इसमें शामिल नहीं हैं।

सरकार के अनुसार, इस सुविधा के तहत, योग्य अवधि के लिए निर्यातकों द्वारा चुकाए जाने वाले प्रीमियम को रुकावट से पहले के स्तर से ज्यादा नहीं बढ़ाया जाएगा।

रिलीफ स्कीम 19 मार्च को शुरू की गई थी। इसका मकसद उन भारतीय निर्यातकों की मदद करना था जो मध्य पूर्व और पश्चिम एशिया में मौजूद मैरीटाइम कॉरिडोर में रुकावटों के कारण ज्यादा माल परिवहन लागत, बढ़े हुए इंश्योरेंस प्रीमियम और युद्ध से जुड़े निर्यात जोखिम से प्रभावित हुए थे।

मंत्रालय ने कहा कि इस विस्तार का मकसद भू-राजनीतिक और लॉजिस्टिक्स से जुड़ी लगातार अनिश्चितताओं के बीच निर्यात की क्षमता को बनाए रखना और ट्रेड फ्लो को जारी रखना है। इसके अलावा, सरकार ने आरओडीटीईपी स्कीम को 31 दिसंबर तक बढ़ा दिया। यह स्कीम डोमेस्टिक टैरिफ एरिया यूनिट्स, एडवांस ऑथराइजेशन होल्डर्स, स्पेशल इकोनॉमिक जोन यूनिट्स और एक्सपोर्ट ओरिएंटेड यूनिट्स के निर्यात के लिए उपलब्ध रहेगी।

छोटी ट्रिप में भी पूरा शहर देखने की कोशिश न करें

छोटी ट्रिप पर निकलते ही मन करता है कि शहर की हर मशहूर जगह देख ली जाए. सुबह एक टूरिस्ट स्पॉट, फिर कोई फेमस मार्केट, उसके बाद कैफे और शाम तक दूसरी लोकेशन. नतीजा यह होता है कि घूमने से ज्यादा समय रास्ते में निकल जाता है और लौटते वक्त थकान याद रह जाती है. ऐसे में ट्रैवल का एक आसान तरीका आपकी छोटी यात्रा को ज्यादा सुकून भरा बना सकता है. इसे 'वन नेबरहुड ट्रैवल' कहा जाता है.

इसका मतलब है कि पूरे शहर में घूमने के बजाय किसी एक इलाके को चुनकर उसे धीरे-धीरे एक्सप्लोर किया जाए. वहां की गलियां, छोटे बाजार, लोकल खाने की जगहें और रोजमर्रा की जिंदगी को करीब से देखने पर सफर का अनुभव भी अलग हो जाता है.

क्या है वन नेबरहुड ट्रैवल

वन नेबरहुड ट्रैवल का सीधा मतलब है कि एक छोटी ट्रिप में पूरे शहर को कवर करने की कोशिश न करके किसी एक खास मोहल्ले या इलाके पर फोकस किया जाए. आप वहां की प्रमुख जगहों के साथ उन छोटी चीजों को भी देख सकते हैं जो सामान्य टूरिस्ट लिस्ट में शामिल नहीं होतीं. मान लीजिए आप किसी ऐसे शहर में गए हैं जहां पुराना शहर अपने बाजार, गलियों और स्थानीय खान-पान के लिए जाना जाता है. वहां एक दिन में पांच अलग-अलग इलाकों में जाने के बजाय एक ही इलाके को चुनना ज्यादा आरामदायक हो सकता है. सुबह वहां की गलियों में टहलें, दोपहर में स्थानीय खाना चखें और शाम को आसपास की दुकानों या किसी शांत जगह पर समय बिताएं.

छोटी यात्रा में सबसे बड़ी परेशानी समय की होती है. एक जगह से दूसरी जगह जाने में ट्रैफिक, पार्किंग और रास्ते का समय जुड़ जाता है. एक ही इलाके में रहने से यह भागदौड़ काफी कम हो सकती है. इससे आप एक जगह को जल्दबाजी में देखने के बजाय उसे आराम से समझ सकते हैं. खासकर दो दिन या वीकेंड की ट्रिप में यह तरीका उपयोगी हो सकता है. आपको हर घंटे अगली लोकेशन पकड़ने की चिंता नहीं रहती, अगर किसी बाजार में कोई छोटी दुकान पसंद आ जाए या किसी गली का माहौल अच्छा लगे तो कुछ देर वहीं रुक सकते हैं.

टूरिस्ट स्पॉट अक्सर किसी शहर की सिर्फ एक तस्वीर दिखाते हैं. किसी मोहल्ले में समय बिताने पर शहर का रोजमर्रा वाला चेहरा नजर आता है. सुबह खुलती दुकानें, स्थानीय नाश्ता, छोटी किराना दुकानें, पुराने मकान, स्ट्रीट फूड और लोगों की सामान्य दिनचर्या ट्रिप को ज्यादा व्यक्तिगत बना सकती है. यही वजह है कि वन नेबरहुड ट्रैवल सिर्फ जगहें देखने के बजाय अनुभव पर ध्यान देता है. आपको यह महसूस हो सकता है कि आप किसी शहर में सिर्फ घूमने नहीं बल्कि कुछ समय के लिए वहां की जिंदगी का हिस्सा बनने आए हैं.

सेहत, रिलेशनशिप, लाइफ या धर्म-ज्योतिष से जुड़ी है कोई निजी उलझन तो हमें करें ह्लद्धड्डह्लह्म्श्चश्च, आपका नाम गोपनीय रखकर देंगे जानकारी.

इलाका चुनते समय सबसे पहले यह देखें कि आपकी रुचि किस तरह की है, अगर आपको इतिहास पसंद है तो पुराना शहर या विरासत वाली गलियां चुन सकते हैं. खाने के शौकीन हैं तो ऐसा इलाका बेहतर रहेगा जहां लोकल रेस्टोरेंट और स्ट्रीट फूड की अच्छी विविधता हो. शॉपिंग पसंद है तो किसी पुराने बाजार या स्थानीय मार्केट के आसपास ठहरना सुविधाजनक हो सकता है. ठहरने की जगह भी उसी इलाके के आसपास रखना इस अनुभव को और आसान बना सकता है. होटल बुक करने से पहले पैदल घूमने लायक जगहें, खाने के विकल्प और स्थानीय परिवहन की सुविधा देख लेना अच्छा रहता है.

ट्रिप को बहुत ज्यादा प्लान न करें

इस तरह की यात्रा का असली मजा तभी आता है जब पूरा दिन मिनट-दर-मिनट तय न हो. दो-तीन जरूरी जगहों की सूची बनाएं और बाकी समय आसपास घूमने के लिए खुला रखें. किसी छोटी दुकान पर रुकना, लोकल स्नैक चखना या बिना किसी खास मकसद के गलियों में टहलना भी यात्रा का हिस्सा हो सकता है. हर जगह फोटो लेने या चेक-इन करने की जल्दी के बजाय उस जगह को महसूस करने पर ध्यान दें.

मानसिक शांति के लिए अपनाएं गांधीजी का यह 100 साल पुराना 'मौन व्रत' फॉर्मूला

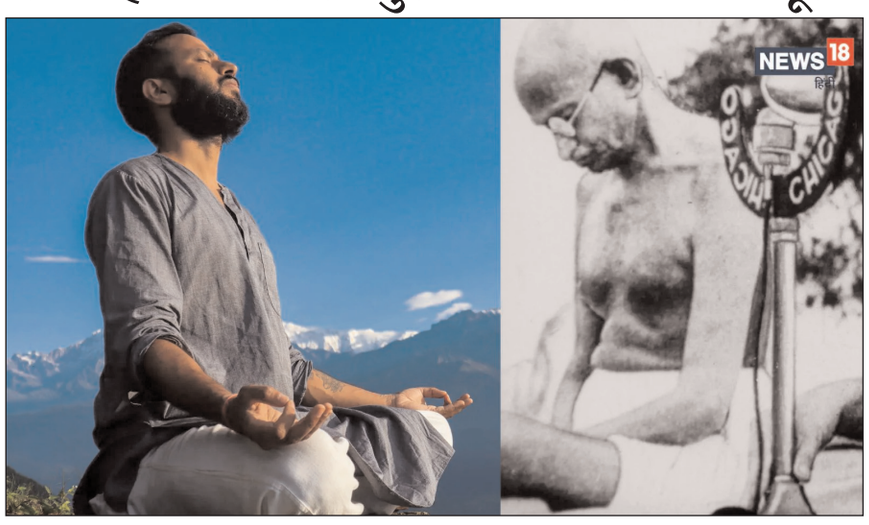

आज की इस भागदौड़ भरी जिंदगी में सुबह की अलार्म से लेकर रात की सोशल मीडिया स्क्रॉलिंग तक, हमारा दिमाग लगातार आवाज़ों, नोटिफाइंग बेल्स और विचारों के शोर से घिरा रहता है. नतीजा? ओवरथिंकिंग, मानसिक थकान, एंग?जायटी और चिड़चिड़ापन. अगर आप भी इस डिजिटल और मेंटल शोर से थक चुके हैं, तो अपने मानसिक स्वास्थ्य (ख्रद्धठ्ठह्लड्डह्य ।द्गड्डह्यह्लद्ध) को रीसेट करने के लिए आपको किसी महंगे रिसॉर्ट या थेरेपी की नहीं, बल्कि इतिहास के पन्नों में छुपे एक बेहद असरदार फॉर्मूले की जरूरत है.

जी हाँ, हम बात कर रहे हैं राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के 'मौन व्रत' की, जो आज के आधुनिक दौर में 'डिजिटल और मेंटल डिटॉक्स' का सबसे बेहतरीन और अचूक नुस्खा बन चुका है.

क्या है गांधीजी का मौन व्रत और इसके मायने?

महात्मा गांधी के लिए मौन सिर्फ बोलने से परहेज करना नहीं था, बल्कि यह खुद से जुड़ने, अंतरात्मा की आवाज सुनने और विचारों को व्यवस्थित करने का एक आध्यात्मिक और मानसिक अनुशासन था. वे हफ्ते में एक दिन पूरा मौन रखते थे. इस दौरान वे इशारों से या लिखकर काम चलाते थे. आधुनिक भाषा में कहें तो यह बाहरी दुनिया के शोर को म्यूट (ख्रह्लह्लद्र) करके अपने भीतर के सिस्टम को रीबूट करने का तरीका था. ओवरलोड ब्रेन से राहत: आज का इंसान एक दिन में जितनी जानकारी कंज्यूम करता है, उतना सदियों पहले लोग महीनों में करते थे. मौन व्रत दिमाग को उस लगातार मिलने वाले डेटा से ब्रेक देता है.

डिजिटल डिटॉक्स का सबसे बड़ा हथियार: स्क्रीन टाइम बढ़ने से हमारा ध्यान भटकता है और डोपामाइन का असंतुलन होता है. खामोशी इस लत को तोड़ने में मदद करती है.

इमोशनल हीलिंग: जब आप बोलते नहीं हैं, तो आपकी ऊर्जा दूसरों को जवाब देने में खर्च नहीं होती, बल्कि आपके अपने भीतर के जख्मों और तनाव को हील करने में लगती है.

कम जगह में ज्यादा पौधे, पानी भी होगा नियंत्रित, छत पर ऐसे करें हाइड्रोपोनिक खेती

शहरों में खेती के लिए जमीन की कमी के बावजूद घर की छत या बालकनी में ताजी हरी सब्जियां उगाई जा सकती हैं. इसके लिए हाइड्रोपोनिक तकनीक का इस्तेमाल किया जा सकता है, जिसमें मिट्टी की जगह पानी, पोषक तत्व और पौधों को सहारा देने वाले माध्यम का उपयोग होता है. पूसा के कृषि वैज्ञानिक डॉ. रामू कुमार साहू के मुताबिक, घर पर लोहे के फ्रेम और करीब 4 इंच के ह्वह्लष्ट पाइप की मदद से 3 से 4 स्तर वाला हाइड्रोपोनिक मॉडल तैयार किया जा सकता है. पाइप में जालीदार छोटे गमलों में पौधे लगाए जाते हैं और नीचे रखे टैंक से पानी का सर्कुलेशन कराया जाता है. इस तरह कम जगह में अधिक पौधे लगाए जा सकते हैं और पानी को दोबारा इस्तेमाल किया जा सकता है. हालांकि, पौधों की जरूरत के अनुसार पानी, पोषक तत्व और धूप की व्यवस्था का ध्यान रखना जरूरी है.ताजी और पौष्टिक हरी सब्जियां खाने की इच्छा हर किसी की होती है, लेकिन शहरों में खेती योग्य जमीन की कमी के कारण लोग बाजार पर निर्भर रहते हैं. अब बिना जमीन के भी घर की छत और बालकनी में हरी सब्जियां उगाई जा सकती हैं. ऐसा होगा हाइड्रोपोनिक तकनीक से. इसके जरिए मिट्टी के बिना पौधों को तैयार किया जाता है. इस तकनीक में कम जगह में अधिक पौधे लगाए जा सकते हैं और पानी का भी नियंत्रित इस्तेमाल होता है.पूसा के कृषि वैज्ञानिक डॉ. रामू कुमार साहू ने बताया कि जिन लोगों के पास खेती के लिए जमीन नहीं है, वे घर की छत पर इस तकनीक का मॉडल तैयार कर सब्जियों की खेती कर सकते हैं. इसके लिए बहुत बड़े स्थान की जरूरत नहीं होती. सही ढंग से मॉडल तैयार करने और पानी की व्यवस्था करने पर घर की जरूरत के मुताबिक ताजी सब्जियां उगाई जा सकती हैं. वैज्ञानिक डॉ. रामू कुमार साहू के अनुसार हाइड्रोपोनिक खेती में सामान्य तौर पर मिट्टी का इस्तेमाल नहीं किया जाता. पौधों को सहारा देने के लिए कोकोपीट और दूसरे जरूरी माध्यमों का इस्तेमाल किया जा सकता है. इसके लिए जालीदार छोटे गमले या कंटेनर बाजार से लिए जा सकते हैं. इन्हें करीब चार इंच के पीवीसी पाइप में निर्धारित दूरी पर बनाए गए छेदों में लगाया जाता है. पाइप का फ्रेम तैयार करने के लिए लोहे या अन्य मजबूत सामग्री का इस्तेमाल किया जा सकता है.जरूरत के अनुसार इसे तीन से चार स्तर तक भी बनाया जा सकता है, जिससे कम जगह में ज्यादा पौधे लगाए जा सकें. पाइप के नीचे एक टैंक रखा जाता है, जिसमें पानी भरा जाता है. टैंक को पाइप से जोड़कर पानी का सर्कुलेशन कराया जाता है.

धान कटते ही पराली को आग न लगाएं, मशीन से कुतरकर ऐसे बनाएं खाद, किसान ने बताया तरीका

शाहजहांपुर: धान की कटाई के बाद पराली जलाने से हवा प्रदूषित होती है. किसान अब पराली को खेत में ही आसानी से सड़ा सकते हैं, जो मिट्टी और खेती दोनों के लिए फायदेमंद हो सकता है. इसके लिए पराली को मशीन से कुतरकर खेत में पानी भर दें. इसके बाद 5 से 6 किलो यूरिया डालकर छोड़ दें. इससे पराली कुछ ही दिनों में सड़कर खाद में बदल सकती है. किसान चाहें तो बेलर मशीन से पराली के गट्ठर बनाकर बाजार में बेच भी सकते हैं. इससे पराली का निस्तारण होने के साथ किसानों को अतिरिक्त कमाई का विकल्प मिल सकता है. खेत में ही पराली का निस्तारण करने से मिट्टी की सेहत बेहतर हो सकती है और अगली फसल की पैदावार में भी मदद मिल सकती है.

प्रगतिशील युवा किसान रनजोत सिंह ने बताया कि पराली जलाना जमीन के लिए नुकसानदायक है. पराली के सड़ने से मिट्टी में कार्बन की मात्रा बढ़ती है. इससे जमीन की पानी सोखने की क्षमता बेहतर होती है. कुतरी हुई पराली पर यूरिया डालने से उसके सड़ने की प्रक्रिया तेज हो जाती है. यह तरीका रासायनिक खादों पर किसानों की निर्भरता कम करने में मदद कर सकता है. वहीं, पराली बेचने से किसानों को अतिरिक्त नकद कमाई का विकल्प भी मिलता है. खेत में ही पराली का निस्तारण करना टिकाऊ खेती की दिशा में एक तरीका हो सकता है.

धान की पराली को खेत में मिलाने के लिए सुपर सीडर और मल्चर का इस्तेमाल किया जा सकता है. ये मशीनें पराली को छोटे-छोटे टुकड़ों में कुतरकर जमीन में मिला देती हैं. इसके बाद खेत में पानी भरकर 5 से 6 किलोग्राम यूरिया छिड़क दें. यूरिया पराली को तेजी से गलाने वाले सूक्ष्म जीवों को सक्रिय करने में मदद करता है. इससे पराली दो से तीन सप्ताह में सड़ सकती है. इसके बाद किसान गेहूं की बुवाई कर सकते हैं.

पराली को खेत में मिलाने से मिट्टी को नाइट्रोजन और फॉस्फोरस जैसे पोषक तत्व मिलते हैं. इससे जमीन की उर्वरता बेहतर हो सकती है. मिट्टी में केंचुओं और फायदेमंद जीवाणुओं की संख्या भी बढ़ सकती है. जमीन में नमी लंबे समय तक बनी रहने से सिंचाई का खर्च कम करने में मदद मिल सकती है. लगातार दो-तीन साल तक पराली को खेत में मिलाने से अगली फसलों की लागत कम होने और प्रति एकड़ पैदावार बढ़ने में मदद मिल सकती है.

किसान पराली को केवल खेत में सड़ाने के बजाय इससे कमाई भी कर सकते हैं. बेलर मशीन की मदद से पराली के मजबूत गट्ठर बनाए जाते हैं. इन गट्ठरों को बिजली घरों और गत्ता फैक्ट्रियों में बेचा जा सकता है. कई बायो-इथेनॉल प्लांट भी किसानों से पराली खरीद रहे हैं. इससे खेत खाली करने के लिए पराली जलाने की जरूरत नहीं पड़ती. किसान पर्यावरण संरक्षण के साथ अतिरिक्त कमाई का विकल्प

नेचुरल शैंपू का काम करती हैं ये 6 चीजें, इस्तेमाल से काले-घने बालों का सपना हो सकता है पूरा

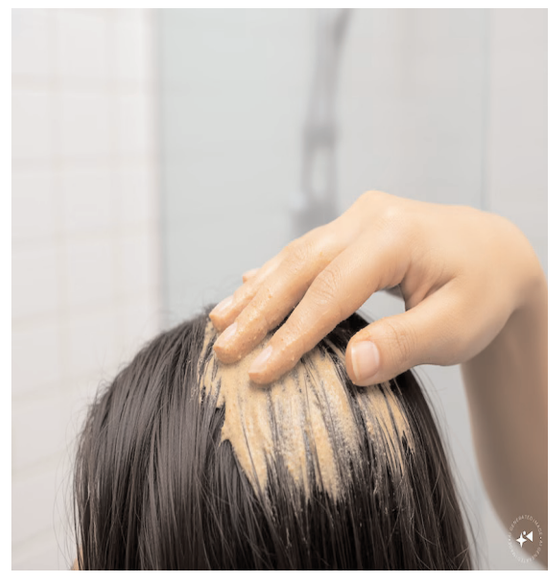

पुराने समय में भी बालों की देखभाल के लिए घर में मौजूद चीजों का इस्तेमाल किया जाता था. यदि आप भी बालों की सफाई के लिए हल्के और प्राकृतिक विकल्प तलाश रहे हैं, तो रसोई और घर में मौजूद कुछ चीजें आपके काम आ सकती हैं. ये बालों को साफ करने के साथ-साथ उन्हें मुलायम और चमकदार बनाए रखने में भी मदद कर सकती हैं. रीठा से करें बालों की सफाई- रीठा को प्राकृतिक हेयर क्लेंजर माना जाता है. यह बालों और स्कैल्प पर जमी गंदगी तथा अतिरिक्त तेल को हटाने में मदद करता है. इसके लिए रीठा को रातभर पानी में भिगो दें और सुबह उबालकर उसका पानी छान लें. इस पानी से बाल धोए जा सकते हैं.

बेसन हटाए अतिरिक्त तेल- ऑयली स्कैल्प वाले लोगों के लिए बेसन उपयोगी विकल्प हो सकता है. यह बालों में जमा अतिरिक्त तेल और धूल को साफ करने में मदद करता है. बेसन में थोड़ा पानी या दही मिलाकर पेस्ट बनाएं और स्कैल्प पर लगाकर हल्के हाथों से साफ करें.

एलोवेरा से मिलेगी नमी- ताजा एलोवेरा जेल स्कैल्प को आराम देने और बालों को हाइड्रेट रखने में मदद कर सकता है. यह बालों को मुलायम बनाने के साथ प्राकृतिक चमक भी देता है. एलोवेरा जेल में

बच्चों को सुधारने से पहले पैरेंट्स खुद बदल लें ये 3 आदतें, गांधीजी का नियम है असली सफलता की चाबी!

हर माता-पिता की चाहत होती है कि उनका बच्चा संस्कारी, अनुशासित और एक बेहतर इंसान बने. इसके लिए वे बच्चों को रोज अच्छी-अच्छी बातें सिखाते हैं और कई बार रोक-टोरोक भी करते हैं. लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि लाख कोशिशों के बावजूद बच्चे आपकी बात क्यों नहीं मानते? इसका सबसे बड़ा कारण यह है कि बच्चे सिर्फ सुनने से नहीं, बल्कि देखकर सीखते हैं. राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने एक बहुत बड़ी बात कही थी— 'मेरा जीवन ही मेरा संदेश है.' यानी अगर आप बच्चों में कुछ अच्छा देखना चाहते हैं, तो उसकी शुरुआत आपको खुद से करनी होगी. आइए जानते हैं उन 3 जरूरी आदतों के बारे में, जिन्हें बच्चों को सिखाने से पहले माता-पिता को खुद अपने अंदर बदल लेना चाहिए:

सफाई : खुद गंदगी फैलाएंगे, तो बच्चा कैसे सीखेगा?

अक्सर हम बच्चों को डांटते हैं कि खिलौने सही जगह रखो, कमरे को साफ रखो या हाथ धोकर आओ. लेकिन कई बार पैरेंट्स खुद घर में सामान बिखरा छोड़ देते हैं, डस्टबिन का इस्तेमाल किए बिना यहां-वहां चीजें फेंक देते हैं या अपनी व्यक्तिगत स्वच्छता को लेकर लापरवाही बरतते हैं.

बदलाव क्या करें: स्वच्छता केवल बच्चों पर थोपने की चीज नहीं है. अपने आसपास सफाई रखने की शुरुआत खुद करें. अगर आप खुद अपनी चीजें करीने से रखते हैं, जूठे बर्तन सिंक में डालते हैं और स्वच्छता का पूरा ध्यान रखते हैं, तो बच्चों को इसके लिए बार-बार टोकना नहीं पड़ेगा. वे आपको देखकर खुद-ब-खुद साफ-सुथरा रहना सीख जाएंगे.

अनुशासन : पहले खुद वक्त के पाबंद बनें

हम बच्चों को सुबह जल्दी उठने, समय पर पढ़ाई करने और

मोबाइल से दूर रहने की सख्त नसीहत देते हैं, जबकि खुद घंटों सोशल मीडिया या टीवी पर वक्त बिताते हैं, रात को देर से सोते हैं और सुबह लेट उठते हैं.

बदलाव क्या करें: बच्चे बड़ों के व्यवहार को बहुत बारीकी से नोटिस करते हैं. अगर आप चाहते हैं कि आपका बच्चा अनुशासन में रहे, तो आपको खुद समय का पक्का बनना होगा. घर के कुछ बुनियादी नियम बनाएं, जैसे डिनर टेबल पर फोन का इस्तेमाल न करना या समय पर सोना. इन नियमों को बच्चों के साथ-साथ खुद पर भी सख्ती से लागू करें. जब बच्चे आपको नियमों का पालन करते देखेंगे, तो वे भी उसका अनुसरण करेंगे.

सादगी : दिखावे की दुनिया से बाहर निकलें

आज के डिजिटल और भौतिकवादी युग में हर छोटी बात पर दिखावा और जरूरत से ज्यादा चीजों की मांग आम हो गई है. बच्चे भी महंगे गैजेट्स, ब्रांडेड कपड़ों और फैंसी चीजों की जिद करने लगते हैं, क्योंकि वे अपने आस-पास यही सब देखते हैं.

बदलाव क्या करें: महात्मा गांधी सादगी और विचारों की उच्चता के प्रतीक थे. जीवन में सादगी अपनाना सिखाने के लिए जरूरी है कि घर का माहौल दिखावे से दूर हो. बच्चों को पैसों की कीमत समझाएं, उन्हें बचत का महत्व बताएं और यह अहसास कराएं कि जीवन की सच्ची खुशी महंगे सामानों में नहीं, बल्कि संतोष, मेहनत और अपनों के साथ में है. यह कहा जा सकता है कि बच्चों की परवरिश करना कोई आसान काम नहीं, बल्कि एक बेहद खूबसूरत सफर है. अगर आप चाहते हैं कि आपका बच्चा एक गुणवान, समझदार और जिम्मेदार नागरिक बने, तो उसे लंबी-लंबी सलाह या लेक्चर देने के बजाय खुद को एक आदर्श उदाहरण के रूप में पेश करें.

याद रखिए, बच्चे आपके शब्दों से ज्यादा आपके आचरण और व्यवहार से सीखते हैं. इसलिए बच्चों को सुधारने से पहले खुद को बदलना ही सबसे सफल पेरेंटिंग का मूलमंत्र है!

'मैं ना रहा मेरा' का नया गाना 'शायद' रिलीज, रेखा भारद्वाज की आवाज ने दिया इमोशनल टच

विश्व केसरी

मुंबई। फिल्म 'मैं ना रहा मेरा' के मेकर्स ने इसका नया गाना 'शायद' रिलीज कर दिया है। अध्ययन सुमन और दिविता राय पर फिल्माए गए इस गाने को रेखा भारद्वाज ने अपनी आवाज दी है। रेखा भारद्वाज ने बताया कि इस गाने की सबसे खास बात उन्हें इसकी सादगी लगी।

'शायद' के बारे में बात करते हुए रेखा भारद्वाज ने कहा, ''मेरे लिए यह गाना शब्दों के पीछे छिपी भावनाओं को समझने के बारे में है। गाने के बोल में एक खास तरह की संवेदनशीलता है और राहुल नायर की धुन उस भावना को खुलकर सामने आने की जगह देती है। मैं चाहती थीं कि मेरी आवाज ऐसी लगे जैसे कोई व्यक्ति सच में अपने दिल की बात कह रहा हो। मुझे खास तौर पर गाने की सादगी काफी पसंद आई है। इसी सादगी की वजह से गाना असरदार तरीके से बन पाया है।''

उन्होंने कहा, ''गाना उन भावनाओं को सामने लाता है जिन्हें अक्सर शब्दों में कहना आसान नहीं होता। प्यार के साथ आने वाली अनिश्चितता, किसी के लिए तड़प और दिल की कमजोरी को गाने में बेहद सहज तरीके से दिखाया गया है। गाना धीरे-धीरे आगे बढ़ता है और इसकी धुन और बोल मिलकर एक ऐसा माहौल बनाते हैं, जो सुनने वाले को किरदारों की भावनाओं के करीब ले जाता है।''

अध्ययन सुमन ने भी 'शायद' गाने को फिल्म के लिए बेहद खास बताया। उन्होंने कहा, ''यह गाना अनकही भावनाओं को सामने रखता है। राहुल नायर की धुन और देव पांडे के बोल खूबसूरती से साथ आए हैं और रेखा भारद्वाज की आवाज ने गाने में जान डालने का काम किया है। मुझे उम्मीद है कि दर्शक भी गाने में दिखाई गई भावनाओं से जुड़ पाएंगे।''

'मैं ना रहा मेरा' को अमित कसरिया ने लिखा और डायरेक्ट किया है। फिल्म को धर्मेश संगानी ने प्रोड्यूस किया है, जबकि जोहरी टेलर इसके को-प्रोड्यूसर हैं। 'शायद' अब स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म्स पर उपलब्ध है। गाने का वीडियो टी-सीरीज के यूट्यूब चैनल पर रिलीज किया गया है।

'प्रेम कीटाणु' पब्लिक रिव्यू : दर्शकों की बंटी राय, किसी को पसंद आई तो कोई एक्टिंग देख हुआ निराश

विश्व केसरी

मुंबई। अभिनेता वीर पहाड़िया स्टारर कॉमेडी ड्रामा फिल्म 'प्रेम कीटाणु' शुक्रवार को सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। रिलीज से पहले फिल्म के गानों ने सोशल मीडिया पर खूब धूम मचाई थी, जिससे अंदाजा लगाया जा रहा था कि फिल्म दर्शकों को पसंद आएगी, लेकिन थिएटर में फिल्म को लेकर दर्शकों की मिली-जुली प्रतिक्रिया सामने आ रही है।

कॉलेज लाइफ पर आधारित फिल्म कुछ दर्शकों को काफी पसंद आई, तो कुछ को कलाकारों की एक्टिंग उतनी खास नहीं लगी। फिल्म देखकर लौटे दर्शक ने कहा, 'फिल्म बहुत अच्छी है, इसकी कहानी कमाल की है और क्लाइमैक्स ने उसमें जान डाल दी। एक और दर्शक ने कहा, 'प्रेम किटाणु नाम जैसा है फिल्मी भी वैसी ही है। फिल्म में करियर और प्यार के बीच का टकराव दिखाया गया है। कहानी एक लड़का-लड़की की जोड़ी के इर्द-गिर्द घूमती है, जहां दोनों के बीच प्यार और करियर को लेकर उलझन दिखाई गई है। फिल्म की कहानी अच्छी है और इसे एक बार देखा जा सकता है।'

एक अन्य दर्शक ने कहा, 'फिल्म की कहानी बहुत अच्छी है, जो कॉलेज लाइफ पर आधारित है। इसमें दिखाया गया है कि स्टूडेंट्स पढ़ाई को सीरियस न लेकर प्रेम के पीछे भागते हैं, जबकि स्टूडेंट्स को सबसे पहले अपने लक्ष्य को पूरा करना चाहिए। क्योंकि सच यह है कि आज के जमाने में पैसा है, तो सब कुछ है। इसकी कॉमेडी से भरपूर कहानी स्टूडेंट की जिंदगी पर आधारित कहानी है, जो आजकल के युवाओं को पसंद आएगी।'

हालांकि, एक और दर्शक फिल्म देखकर काफी निराश नजर आए। उनका कहना है कि फिल्म की कहानी तो अच्छी है, लेकिन कलाकारों ने उस हिसाब से काम नहीं किया।

उन्होंने कहा, 'प्रेम कीटाणु एक ऐसा कीटाणु हैं, जिसे डेटॉल साबुन भी नहीं मार पाएगा। अगर इसे आपको देखना है, तो आप सिनेमाघरों में न जाकर छोटी स्क्रीन पर आने का इंतजार करें। इसकी कहानी अच्छी है।

अंजलि अरोड़ा ने भक्ति को धर्म से ऊपर बताया, कहा- 'सेट पर कई मुस्लिमों ने बनाए रामजी के गाने'

विश्व केसरी

मुंबई। अभिनेत्री अंजलि अरोड़ा फिल्म 'महाकाव्य श्री रामायण कथा' में माता सीता के किरदार में नजर आ रही हैं। अभिनेत्री का कहना है कि भक्ति और इंसानियत का किसी धर्म से कोई लेना-देना नहीं है। साथ ही, अभिनेत्री ने उन लोगों को भी आड़े हाथ लिया जो सनातन धर्म पर गर्व करने वालों को छोटा समझते हैं।

अभिनेत्री ने आईएएनएस के साथ बातचीत में बताया कि फिल्म की टीम में कई मुस्लिम भी थे, जिन्होंने भगवान राम की कहानी पर बनी इस फिल्म में अपना योगदान दिया है।

धार्मिक पहचान जाहिर करने पर लोगों को ट्रोल किए जाने के सवाल पर अंजलि ने कहा कि सच्ची आस्था सिर्फ पूजा-पाठ में नहीं बल्कि आपके दूसरों के साथ बर्ताव में भी दिखनी चाहिए। उन्होंने कहा, 'ऐसे लोग धर्म में तो यकीन रखते हैं लेकिन इंसानियत में नहीं। जो व्यक्ति भगवान में विश्वास रखता है, वह हर धर्म में विश्वास रखता होगा। मैं हिंदू हूं, अगर मेरे सामने कोई मुस्लिम बैठा भी होगा, तो मैं उसे सामान्य इंसान की तरह देखूंगी।

'महाकाव्य श्री रामायण कथा' के सेट के अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए अंजलि ने याद किया कि क्रू के कई सदस्य मुस्लिम थे और फिर भी उन्होंने फिल्म के भक्ति संगीत में अपना योगदान दिया।

उन्होंने कहा, 'हमारे सेट पर स्पॉट दादा, लाइट दादा, म्यूजिक डायरेक्टर समेत कई लोग मुस्लिम थे और अच्छे से काम करते थे। उन्होंने भगवान राम के गाने गाए और संगीत तैयार किया। किसी व्यक्ति का धर्म यह तय नहीं करता कि वह किसी प्रोजेक्ट में अपना योगदान दे सकता है या नहीं। बस उसके अंदर वह अनुशासन होना चाहिए, जो हमारे शास्त्र हमें सिखाते हैं।'

बता दें कि, 'महाकाव्य श्री रामायण कथा' में अंजलि ने माता सीता का किरदार निभाया है जबकि देव शर्मा भगवान राम के रोल में हैं। फिल्म में शील वर्मा लक्ष्मण, निर्भय वाधवा हनुमान और रजनीश दुग्गल रावण के किरदार में नजर आए हैं। अभिषेक सिंह द्वारा निर्देशित और प्रकाश महोबिया और संजय बुंदेला द्वारा प्रोड्यूस की गई यह फिल्म 25 सितंबर को हिंदी और छत्तीसगढ़ी में रिलीज हुई है।

जाकिर खान ने टूर से ब्रेक लेने पर तोड़ी चुप्पी, कहा-75 साल तक काम करना है

विश्व केसरी

मुंबई। मशहूर कमेडियन जाकिर खान और क्रिकेटर इरफान पठान हाल ही में अभिनेत्री नेहा धूपिया और उनके पति-अभिनेता अंगद बेदी के शो 'डबल डेट' में गए थे। इस दौरान जाकिर खान ने टूर से ब्रेक लेने और अपनी सेहत को लेकर बात की।

जाकिर खान ने कहा, 'मुझे मेरा काम बहुत प्यारा है और मैं चाहता हूं कि जब मैं 75 साल का हो जाऊं, तो जावेद साहब की तरह मैं भी टॉक्स करूं, शो करूं। हालांकि, 10 साल लगातार काम करके मैंने अपनी जो सेहत खराब की है, उसे मुझे पहले ठीक करना होगा। बस इसलिए मैंने 2 साल का ब्रेक लिया है।'

आगे बातचीत में जाकिर ने अपने मेंटल हेल्थ पर भी बात की। उन्होंने कहा, 'मेरी मेंटल हेल्थ अपनी पीक पर है, इसी वजह से मेरी फिजिकल हेल्थ ठीक नहीं है।' जाकिर ने बातचीत में यह भी बताया कि उन्होंने दूसरे शहरों में शो करने से परहेज किया है। उन्होंने कहा, 'मेरा ब्रेक सिर्फ दूसरे शहरों में टूर करने से है, मैं शहर के अंदर ट्रैवल करता रहूंगा।'

शो में आगे बातचीत में इरफान पठान और जाकिर खान ने रिश्ते, निजी भावनाओं और जिंदगी के कई ऐसे पहलुओं पर बात की, जिन पर आमतौर पर खुलकर चर्चा नहीं होती।

यूट्यूब पर 50 लाख से ज्यादा सब्सक्राइबर्स के साथ जाकिर भारत के सबसे बड़े स्टैंड-अप कॉमेडियनों में से एक हैं। करियर की शुरुआत में जाकिर ने दिल्ली में थिएटर और रेडियो प्रोग्रामिंग में काम किया। साल 2012 में कॉमेडी सेंट्रल की इंडियाज बेस्ट स्टैंड अप प्रतियोगिता जीतकर उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर बड़ी पहचान मिली।

गोल्ड स्मगलिंग केस : रान्या राव पर फिर कसा शिकंजा, कस्टम्स ने चारों आरोपियों पर लगाया करोड़ों का जुर्माना

विश्व केसरी

मुंबई। कन्नड़ एक्ट्रेस हर्षवर्धिनी रान्या राव की मुश्किलें एक बार फिर बढ़ती नजर आ रही है। कथित गोल्ड स्मगलिंग केस में अब कस्टम्स विभाग ने रान्या राव और तीन अन्य आरोपियों पर करोड़ों रुपए की पेनल्टी लगाई है। 30 सितंबर को जारी किए गए कस्टम्स के 399 पन्नों के आदेश में रान्या राव, तरुण कोंडुरु राजू, साहिल जैन और भरत कुमार जैन की भूमिका का विस्तार से जिक्र किया गया है।

ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, रान्या राव पर करीब 89 करोड़ रुपए, तरुण कोंडुरु राजू पर 49.51 करोड़ रुपए की पेनल्टी लगाई गई है। वहीं, साहिल जैन और भरत कुमार जैन, दोनों पर भी 53.06 करोड़ रुपए की पेनल्टी लगाई गई है। इन आंकड़ों के हिसाब से चारों पर पेनल्टी तकरीबन 270 करोड़ रुपए की है।

जांच एजेंसियों के मुताबिक, मार्च 2024 से फरवरी 2025 के बीच दुबई से भारत में करीब 113 किलो सोना लाया गया था। इस पूरे नेटवर्क में रान्या राव के अलावा तरुण कोंडुरु राजू, साहिल जैन और भरत कुमार जैन की भूमिका होने के आरोप हैं।

इस मामले की सबसे बड़ी कार्रवाई 3 मार्च 2025 को हुई थी। उस दिन दुबई से बेंगलुरु पहुंचीं रान्या राव को केम्पेगौड़ा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर डीआरआई ने रोका। उनके पास से 14.213 किलो विदेशी मूल का सोना बरामद हुआ था, जिसकी कीमत करीब 12.56 करोड़ रुपए बताई गई।

आरोप है कि सोने को शरीर के अलग-अलग हिस्सों, कपड़ों और जूतों में छिपाकर लाया गया था। बाद में उनके घर की तलाशी में करीब 2.67 करोड़ रुपए की नकदी और करीब 2.06 करोड़ रुपए की सोने की ज्वेलरी बरामद हुई।

जांच में आरोप लगाया गया कि तरुण कोंडुरु राजू दुबई की तरफ से सोने से जुड़े दस्तावेज और डिलीवरी संभालता था। वहीं, साहिल जैन और भरत कुमार जैन पर भारत में सोने को बेचने और पैसों के लेनदेन में मदद करने के आरोप लगाए गए। कस्टम्स के मुताबिक, भारत में सोने की बिक्री से मिलने वाले पैसों का एक हिस्सा कैश में और दूसरा हिस्सा हवाला के जरिए विदेश में सेटल किया जाता था।

इस पूरे मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) भी जांच कर चुका है। ईडी ने अपनी जांच में मार्च 2024 से मार्च 2025 के बीच कुल 127.287 किलो सोना भारत में कथित तौर पर तस्करी के जरिए लाने का दावा किया था।

काजी तौकीर के साथ लड़ाई पर ईशा रिखी ने दी सफाई, बोलीं-दोस्ती अलग दिशा में चली गई थी

विश्व केसरी

मुंबई। अभिनेत्री ईशा रिखी 'बिग बॉस-20' से बाहर आ चुकी है। बाहर आने के बाद उन्होंने आईएएनएस के साथ बातचीत में कंटेस्टेंट काजी तौकीर के साथ अपनी दोस्ती पर भी अपनी बात रखी। ईशा ने कहा कि शुरुआत में काजी के साथ उनकी दोस्ती अच्छी थी लेकिन धीरे-धीरे वह दोस्ती एक अलग ही दिशा में चली गई।

ईशा रिखी ने कहा, 'घर में हम कभी भी एक-दूसरे से नफरत नहीं करते थे। बस बात ये थी कि वो दो तरह की पर्सनैलिटी के साथ गेम खेल रहे थे और मैं उसे समझ नहीं पा रही थी। इसलिए मुझे उन्हें समझने में काफी समय लग गया। लोग एक घंटे का एपिसोड देख रहे थे लेकिन हम तो चौबीस घंटे साथ में रह रहे थे, सब कुछ देख रहे थे। यही कारण था कि मैं उन्हे न ही समझ पा रही थी और न ही उनसे कनेक्ट हो पा रही थी। इसी वजह से मैं उन्हें गलत जज कर रही थी या यूं कहूं कि मैं उन्हें समझ ही नहीं पा रही थी। अभिनेत्री ने यह भी माना कि शो से बाहर आने के बाद काजी को उन्होंने एक अलग तरह से देखा। उन्होंने कहा, 'जब मैं शो से बाहर आई और उनके एपिसोड देखे, तो मैंने उन्हें अलग नजरिए से देखा। मुझे उनकी पर्सनैलिटी बहुत पसंद आई और मुझे ये बात अच्छी लगी कि वह लॉजिकल फाइट्स पर डटे रहे। उनके रिएक्शन लाउड थे, मुझे लगता है कि यह उनके लिए काम कर गया। तो शो में मुझे काजी बहुत पसंद आए।'

अभिनेत्री से आईएएनएस ने पूछा, 'काजी के साथ आपकी लड़ाई आपकी जर्नी का एक बड़ा टॉकिंग पॉइंट बन गया। क्या आपको लगता है कि सिचुएशन को बेवजह बढ़ा-चढ़ाकर बताया गया या आपको लगता है कि आप अलग तरह से रिएक्ट कर सकती थीं?'

ईशा रिखी ने कहा, 'मुझे बस ऐसा लगता है कि असल में जो कुछ हुआ वह ठीस से सामने नहीं आया। जाहिर है, हमारे पास एक एपिसोड में लिमिटेड टाइम होता है। मैं कई बार अपनी तरफ की बात बता चुकी थी। मैंने साफ कर दिया है कि क्या हुआ था। दरअसल, कुछ समय बाद मेरी और काजी की अकेले में बात भी हुई थी और हमारे बीच जो भी गलतफहमियां थीं, वो दूर हो गईं।'

आईएएनएस ने एक और सवाल किया, 'क्या आपको लगता है कि आपकी पब्लिक इमेज और बादशाह के साथ आपके कनेक्शन की वजह से, लोग आपको जानने से पहले ही आपके बारे में कोई राय बनाकर आए थे?'

उन्होंने कहा, 'शो में जाने के बाद कुछ लोग मुझे जानते थे, तो कुछ ने ऐसे दिखाया कि वे जानते ही नहीं है। हालांकि, मुझे नहीं लगता कि मैं इस बात को ज्यादा तवज्जों दूंगी। हां, अगर लोग मुझे उस नजर से जानते हैं, तो जाहिर है उन्हें मेरे साथ रहना था।

डिजाइनर सूट में नेशनल अवॉर्ड लेने पहुंचे आदित्य धर, मनीष मल्होत्रा को कहा- दिल से थैंक्यू

विश्व केसरी

मुंबई। 72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह में नेशनल अवॉर्ड लेने के दौरान फिल्ममेकर आदित्य धर ब्लैक कलर का बंद गले का डिजाइनर सूट पहनकर गए थे, जिसे मनीष मल्होत्रा ने डिजाइन किया था। शुक्रवार को निर्देशक ने इस सूट के लिए मनीष मल्होत्रा का शुक्रिया अदा किया।

आदित्य धर ने इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन पर अपनी तस्वीर पोस्ट की, जिसके साथ उन्होंने लिखा, 'नेशनल अवॉर्ड्स के लिए मुझे तैयार करने के लिए मनीष मल्होत्रा का दिल से शुक्रिया। आपकी उदारता, कला और इस खास मौके को और भी यादगार बनाने के लिए आभारी हूं।'

आदित्य धर की इस स्टोरी पर मनीष मल्होत्रा ने आभार जताते हुए इसे अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर रीशेयर किया। राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों के 72वें संस्करण में फीचर फिल्म 'आर्टिकल 370' ने विभिन्न श्रेणियों में तीन पुरस्कार जीतकर बड़ी सफलता हासिल की है, जिसमें उत्कृष्ट अभिनय के लिए यामी गौतम को 'सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री' का प्रतिष्ठित पुरस्कार भी मिला है।

इस कार्यक्रम में यामी गौतम ने काले रंग की साड़ी पहनी थी, जिससे दोनो का लुक काफी मैचिंग और क्लासी लग रहा था। यह समारोह सितंबर 2026 में गुजरात के एकता नगर (केवड़िया) में आयोजित किया गया था, जहां देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने ये पुरस्कार प्रदान किए। आदित्य सुहास जांभले द्वारा निर्देशित फिल्म 'आर्टिकल 370' में यामी गौतम (जूनी हक्सर - आईबी अधिकारी) और प्रियमणि (राजेश्वरी स्वामीनाथन - पीएमओ सचिव), अरुण गोविल (प्रधानमंत्री), और किरण करमाकर (गृह मंत्री) जैसे कलाकार नजर आए थे।

यह फिल्म जम्मू-कश्मीर से भारतीय संविधान के अनुच्छेद 370 को निरस्त करने और विशेष राज्य का दर्जा समाप्त करने की ऐतिहासिक व राजनीतिक पृष्ठभूमि पर आधारित है। फिल्म में दिखाया गया है कि

जी20 में बनी सहमति, खाने-पीने की चीजों को ट्रेड हथियार बनाने की होगी निंदा : अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि

विश्व केसरी■

मिल्वौकी। जी20 देशों ने खाने-पीने की चीजों को व्यापार के जरिए हथियार बनाने की निंदा करने पर सहमति बना ली है। अमेरिका के व्यापार प्रतिनिधि जैमीसन ग्रीर ने इसका ऐलान किया और इसे एक अहम कदम बताया, ताकि कृषि उत्पादों का इस्तेमाल आर्थिक या राजनीतिक दबाव के लिए न किया जा सके।

यह सहमति मिल्वौकी में हुई जी20 व्यापार मंत्रियों की बैठक में कई दिनों की चर्चा के बाद बनी है, जहां अमेरिका ने इस मुद्दे को दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के एजेंडे में रखा था।

जैमीसन ग्रीर ने पत्रकारों को बताया, 'कई दिनों की चर्चा और सदस्यों की तरफ से कार्रवाई करने की इच्छा के बाद, हमें यह बताते हुए खुशी हो रही है कि हम व्यापारिक कार्रवाई के जरिए खाने को हथियार बनाने पर जी20 के बयान पर सहमति पर पहुंच गए हैं और हम इसे आज बाद में जारी करेंगे।'

उन्होंने कहा, 'यह सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है कि कृषि उत्पादों का इस्तेमाल आर्थिक या राजनीतिक दबाव के औजार के रूप में न किया जाए।'

जैमीसन ग्रीर ने कहा कि अमेरिका की जी20 अध्यक्षता के दौरान यह मुद्दा इसलिए उठाया गया क्योंकि खाने, कृषि उत्पादों और कृषि से जुड़े सामानों के व्यापार का इस्तेमाल देशों पर दबाव डालने के लिए किया जा सकता है।उन्होंने कहा, 'अमेरिकी अध्यक्षता के दौरान, हमने जी20 सत्रों में चर्चा की कि कैसे खाने और कृषि उत्पादों के व्यापार को आर्थिक या राजनीतिक कारणों से दबाव डालने के हथियार के तौर पर इस्तेमाल किया जा सकता है, जिससे लक्षित देशों में लोगों की रोजी-रोटी को खतरा होता है, प्रतिस्पर्धा बिगड़ती है और वैश्विक व्यापार प्रणाली पर भरोसा कम होता है।'

जैमीसन ग्रीर ने कहा कि खाने को हथियार बनाना जी20 की चर्चा के लिए एक नया विषय था, लेकिन यह समस्या नई नहीं है। उन्होंने कहा, 'जी20 सदस्यों के पास इस हफ्ते खाने को हथियार बनाने की निंदा करते हुए एक सामूहिक बयान देने का अनोखा मौका था, ताकि इस महत्वपूर्ण विषय पर जागरूकता बढ़ाई जा सके और वैश्विक स्तर पर इसके इस्तेमाल और प्रभाव को कम करने में मदद मिल सके।'

खाने के मुद्दे पर बनी सहमति के उलट, जी20 सदस्य मिल्वौकी बैठक में उठाए गए दो अन्य बड़े मुद्दों (जबरन मजदूरी और अतिरिक्त उत्पादन क्षमता) पर सहमत नहीं हो पाए।

प्रधानमंत्री मोदी का मकसद यूक्रेन संघर्ष का शांतिपूर्ण समाधान तलाशना : पुतिन

विश्व केसरी■

मॉस्को। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने 23वें वल्दाई इंटरनेशनल डिस्कशन क्लब के मुख्य सत्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ की है। पुतिन ने कहा कि भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हर मुलाकात में यूक्रेन संघर्ष को सुलझाने का मुद्दा उठाते हैं। वे ऐसे सुझाव लेकर आते हैं, जो दोनों पक्षों के लिए स्वीकार्य हैं। वे इस झगड़े को शांति से और जल्द सुलझाना चाहते हैं।

रूसी समाचार एजेंसी 'टास' की रिपोर्ट के अनुसार, वल्दाई इंटरनेशनल डिस्कशन क्लब के 23वें सत्र में राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा कि भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हर मुलाकात में यूक्रेन संघर्ष को सुलझाने का मुद्दा उठाते हैं।

उन्होंने कहा, 'वह बहुत अच्छे सुझाव देते हैं, जिनका मकसद ऐसे समाधान तलाशना होता है जो दोनों पक्षों को स्वीकार हों, खास तौर पर ऐसे समाधान जिन पर दोनों पक्ष सहमत हो सकें।'

न्यूज एजेंसी टास के अनुसार, पुति?न ने कहा कि भारत सरकार के प्रमुख का रुख निष्पक्ष है, लेकिन उनकी कोशिश इस संघर्ष को खत्म कराने की दिशा में है।

उन्होंने आगे कहा, 'हम भारत के प्रधानमंत्री के आभारी हैं कि वह इस संघर्ष को शांतिपूर्ण तरीके से और जितनी जल्दी हो सके, सुलझाना चाहते हैं।'

टास के अनुसार, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भारतीय संस्कृति की विविधता और एकता बेहद सराहनीय बताया। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में कुछ ऐसा है जो इसे बेहद खास बनाता है। यहां एक तरफ इतनी विविधता और अलग-अलग पहचान हैं।

संक्षिप्त खबर

अफगानिस्तान में पाकिस्तानी हमले उजागर कर रहे रणनीति की नाकामी

विश्व केसरी■

इस्लामाबाद। अफगानिस्तान में पाकिस्तान की ओर से लगातार किए जा रहे हमले, सीमित प्रभाव के बावजूद, इस्लामाबाद की रणनीति को लेकर गंभीर सवाल खड़े करते हैं। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि पाकिस्तान की कार्रवाई उसके उस नजरिए को उजागर करती है, जिसके तहत वह अफगानिस्तान में खोया हुआ अपना प्रभाव दोबारा हासिल करने की कोशिश कर रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान की ओर से किए गए अधिकांश हमलो के बाद तालिबान प्रशासन के अधिकारियों ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। इसके अलावा जवाबी कार्रवाई की धमकियां और कभी-कभार सीमा पर गोलीबारी भी देखने को मिली है। ताजा घटना गुरुवार तड़के की है, जब पाकिस्तानी सेना ने अफगानिस्तान के कुनार और हेलमंद प्रांतों में कथित तौर पर नागरिकों के घरों को निशाना बनाकर हवाई हमले किए। तालिबान प्रशासन के प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने दावा किया कि इन हमलों में महिलाओं और बच्चों समेत नौ लोगों की मौत हुई, जबकि 11 अन्य घायल हुए। उन्होंने तीन घरों के नष्ट होने की भी जानकारी दी। इससे पहले 24 सितंबर की सुबह पाकिस्तान ने अफगानिस्तान के अंदर 10 स्थानों पर हवाई और ड्रोन हमले किए थे।

पंजाब सीमा पर घुसपैठ की कोशिश नाकाम, दो पाकिस्तानी घुसपैठियों को मार गिराया

विश्व केसरी■

अमृतसर। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने शुक्रवार को पंजाब के तरन तारन जिले में भारत-पाकिस्तान सीमा पार घुसपैठ की एक बड़ी कोशिश को नाकाम करते हुए दो पाकिस्तानी घुसपैठियों को मार गिराया। यह घटना तरन तारन के बीओपी राजोके इलाके में तड़के हुई। सूत्रों के अनुसार, सीमा के पास संदिग्ध गतिविधि को भांपते ही बीएसएफ के जवानों ने कार्रवाई की और कथित घुसपैठियों को चुनौती दी। सूत्रों ने बताया कि कम से कम तीन व्यक्ति पाकिस्तानी सीमा के चट्टनवाला इलाके से भारतीय सीमा की ओर बढ़ रहे थे। उन्हें चुनौती दी गई और आगे न बढ़ने की चेतावनी दी गई। जब उन्होंने बात नहीं मानी और भारतीय सीमा की ओर बढ़ते रहे, तो बीएसएफ कर्मियों ने गोलीबारी शुरू कर दी। दो घुसपैठिए मारे गए, जबकि तीसरा भागने में कामयाब रहा। मारे गए पाकिस्तानी घुसपैठियों की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। शवों को पोस्टमार्टम के लिए पुलिस को सौंप दिया गया है और पंजाब पुलिस के साथ समन्वय में आगे की कार्रवाई जारी है। यह घटना पंजाब सेक्टर में भारत-पाकिस्तान सीमा पर घुसपैठ के प्रयासों को लेकर सुरक्षा एजेंसियों की सतर्कता के स्तर को रेखांकित करती है। यह घटना पंजाब की पाकिस्तान के साथ 553 किलोमीटर लंबी अंतरराष्ट्रीय सीमा पर लगातार बनी सुरक्षा चिंताओं के बीच हुई है, जहां हाल के वर्षों में घुसपैठ और सीमा पार तस्करी के कई प्रयास हुए हैं। हालांकि, इनमें से कई प्रयासों को बीएसएफ जवानों ने सफलतापूर्वक विफल कर दिया है।

तेल अवीव में इंडिया-इजरायल फेस्टिवल में कैप्टन स्मित मच्छार के साहस को सलाम

विश्व केसरी■

तेल अवीव। इजरायल के तेल अवीव में इंडिया-इजरायल फेस्टिवल और भारतीय यहूदियों के नेशनल कन्वेंशन का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में इजरायल में भारतीय राजदूत जेपी सिंह ने कैप्टन स्मित मच्छार के साहस और बहादुरी की तारीफ की। साथ ही, उनके जल्द और पूरी तरह ठीक होने की कामना की।

इजरायल में भारतीय दूतावास के आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पोस्ट पर इस सम्मेलन की जानकारी साझा की गई।

दूतावास ने पोस्ट में लिखा, ''कैप्टन स्मित मच्छर को दिल से सलाम! तेल अवीव में आयोजित इंडिया-इजरायल फेस्टिवल और भारतीय यहूदियों के नेशनल कन्वेंशन में राजदूत जेपी सिंह ने कैप्टन स्मित मच्छार के साहस और बहादुरी की जमकर तारीफ की। कैप्टन स्मित मच्छार ने तेल अवीव जा रही फ्लाईदुबई की फ्लाइट एफजेड1073 में सवार 174 यात्रियों की जान बचाने में मदद की थी।''

दूतावास के अनुसार, राजदूत जेपी सिंह ने कहा कि कैप्टन स्मित मच्छार की बहादुरी ने पूरे इजरायल और दुनिया को गौरवान्वित किया है। उन्होंने कैप्टन मच्छार के जल्द और पूरी तरह स्वस्थ होने की कामना भी की।

इजरायल के महावाणिज्यदूत (मध्य पश्चिम भारत) यावन रेवाच ने फ्लाईदुबई विमान में हुई घटना को बेहद चौंकाने वाला बताते हुए भारतीय पायलट कैप्टन स्मित मच्छार के साहस की जमकर सराहना की। उन्होंने कहा कि कैप्टन स्मित ने एक सुपरहीरो की तरह जान जोखिम में डालकर यात्रियों की रक्षा की और उनका साहस भारत-इजरायल दोस्ती की असल भावना को दर्शाता है।

इजरायली दूत ने कहा, 'मासूम यात्री इस उम्मीद के साथ विमान में सवार हुए थे कि वे सुरक्षित अपने परिवारों तक पहुंचेंगे लेकिन इसके बजाय उनकी जान खतरे में पड़ गई। इजरायलियों को उनका संदेश बिल्कुल स्पष्ट है कि आतंक और भय को उनकी जिंदगी पर हावी नहीं होने दिया जाएगा।'

एफिल टावर विवादः बीएपीएस ने नहीं की थी महिला कर्मचारियों को हटाने की मांग, जांच में हुई पुष्टि

विश्व केसरी■

पेरिस। एफिल टावर यात्रा से जुड़े वि?वाद मामले की आधिकारिक जांच के नतीजे सामने आने के बाद यह साफ हो गया है कि बोचासनवासी अक्षर पुरुषोत्तम स्वामीनारायण संस्था (बीएपीएस) ने विजिट के रास्ते से महिलाओं को हटाने या उन्हें वहां मौजूद न रहने देने की ऐसी कोई मांग नहीं की थी।

जांच के नतीजे आने के बाद बीएपीएस ने प्रभावित कर्मचारियों के प्रति चिंता जताई। प्रतिनिधिमंडल की यात्रा के दौरान एफिल टावर पर महिला कर्मचारियों को हटाने के आरोपों पर बीएपीएस ने सफाई दी है। संस्था ने कहा कि उसने ऐसी कोई मांग नहीं की थी, आधिकारिक जांच में भी यही बात सामने आई है।

शुरुआत से ही बीएपीएस लगातार यह कहता आया है कि उसने कभी भी महिला कर्मचारियों को छिपाने, वहां से हटाने या उन्हें दूर रखने के लिए नहीं कहा था। जांच में भी यह बात साफ हो गई है कि बीएपीएस ने विजिट के रास्ते से महिलाओं को हटाने या उन्हें वहां मौजूद न रहने देने की ऐसी कोई मांग नहीं की थी।

बीएपीएस ने कहा कि हमें उम्मीद है कि इस सफाई से घटना से जुड़े हालात को बेहतर तरीके से समझने में मदद मिलेगी और इसमें शामिल सभी लोग एक-दूसरे का सम्मान करते हुए आगे बढ़ सकेंगे।

यह विवाद सितंबर महीने में बीएपीएस से जुड़े लगभग 100 लोगों के एक निजी दौरे से जुड़ा था, जो पेरिस के बाहरी इलाके में एक मंदिर के उद्घाटन समारोह के लिए फ्रांस आए थे। इस कार्यक्रम के दौरान एफिल टॉवर के कर्मचारियों ने हड़ताल करते हुए आरोप लगाया था।

धारावी एक्सपीरियंस सेंटर से इलाके के निवासियों के बीच बढ़ेगा भरोसाः मुख्यमंत्री फडणवीस

विश्व केसरी■

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शुक्रवार को कहा कि 'धारावी एक्सपीरियंस सेंटर' केवल रीडेवलपमेंट प्रोजेक्ट के ब्लूप्रिंट को नहीं दिखाएगा, बल्कि निवासियों के भविष्य के घर, काम करने की जगह और अपने आस-पास के इलाकों को अनुभव करने का भी मौका देगा।

मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि इस पहल से अफवाहों, गलतफहमियों और अधूरी जानकारी को रोकने में मदद मिलेगी और रीडेवलपमेंट को लेकर भरोसे का माहौल बनेगा।

मुख्यमंत्री फडणवीस ने अत्याधुनिक 'धारावी एक्सपीरियंस सेंटर' का उद्घाटन किया। पीएमजीपी कॉलोनी के एच ब्लॉक में बीकेसी के पास बने इस सेंटर में धारावी रीडेवलपमेंट प्रोजेक्ट प्लान, पुनर्वासित घरों, औद्योगिक जगहों और आने वाले सोशल इंफ्रास्ट्रक्चर की फिजिकल और डिजिटल झलक दिखाई गई है।

इस कार्यक्रम में अदाणी ग्रुप के प्रबंधक निदेशक (ऑयल, एग्रो और गैस) और निदेशक प्रणव अदाणी, बीएमसी कमिश्नर अश्विनी भिड़े, मुंबई स्लम रिहैबिलिटेशन अथॉरिटी (एसआरए) के सीईओ डॉ. महेंद्र कल्याणकर, धारावी रीडेवलपमेंट प्रोजेक्ट के सीईओ और एसआरए सचिव विपिन पालीवाल, अदाणी नवभारत डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड (रीडेवलपमेंट प्रोजेक्ट को पूरा करने वाली स्पेशल पर्पस व्हीकल कंपनी) के सीईओ अनिल सरदाना और अन्य लोग शामिल हुए।

सेंटर का निरीक्षण करने के बाद फडणवीस ने कहा, 'धारावी सिर्फ एक झुग्गी-बस्ती नहीं है, यह एक बड़ा आर्थिक केंद्र है। कुम्हारवाड़ा के मिट्टी के बर्तन बनाने के उद्योग, चमड़े के कारोबार, फूड प्रोसेसिंग, प्लास्टिक रीसाइक्लिंग और कई छोटे और मध्यम उद्योगों की वजह से यहां एक बड़ी अर्थव्यवस्था फल-फूल रही है।

मध्य प्रदेश में स्वास्थ्य से लेकर कानून व्यवस्था तक की स्थिति चिंताजनकः जीतू पटवारी

विश्व केसरी■

भोपाल। मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्था से लेकर कानून व्यवस्था तक की स्थिति को चिंताजनक बताया है। संवाददाताओं से बातचीत में उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश में प्रशासनिक व्यवस्था, स्वास्थ्य सेवाओं, आदिवासी कल्याण और कानून-व्यवस्था की स्थिति चिंताजनक है। प्रदेश में मासूम बच्चों की मौत, जहरीली शराब से लोगों की जान जाने और दूषित पानी से नागरिकों की मृत्यु जैसी घटनाएं सरकार की जवाबदेही पर सवाल खड़े करती हैं।

पटवारी ने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के बालाघाट दौरा की चर्चा करते हुए कहा कि यह केवल एक राजनीतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि उन आदिवासी परिवारों के दुख-दर्द को समझने का प्रयास था, जिन्होंने अपने मासूम बच्चों को खोया है। तीन महीने से लेकर एक वर्ष, दो वर्ष, पांच वर्ष, 15 वर्ष और 17 वर्ष तक की उम्र के बच्चों को खोने वाले परिवारों का दर्द पूरे प्रदेश की संवेदना और शासन की जवाबदेही का विषय है। इन परिवारों की पीड़ा को सुनना और उनकी समस्याओं को सरकार तक पहुंचाना लोकतांत्रिक जिम्मेदारी है।

जीतू पटवारी ने कहा कि मध्य प्रदेश के आदिवासी अंचलों में स्वास्थ्य सुविधाओं, पोषण, शिक्षा और रोजगार की स्थिति पर गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता है। अलीराजपुर सहित प्रदेश के आदिवासी जिलों में गरीबी और बुनियादी सुविधाओं की कमी के सवाल लगातार उठते रहे हैं। आदिवासी परिवारों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं, पौष्टिक आहार, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना सरकार की जिम्मेदारी है।

कर्नाटकः सीएम डीके शिवकुमार की गिरफ्तारी की मांग

विश्व केसरी■

बेंगलुरु। कर्नाटक भाजपा के एक प्रतिनिधिमंडल ने शुक्रवार को बेंगलुरु शहर के पुलिस आयुक्त सीमांत कुमार सिंह को ज्ञापन सौंपा। भाजपा ने सवाल उठाया कि पुलिस ने मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार और उनके कैबिनेट सहयोगियों को मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) के कार्यालय परिसर में प्रदर्शन करने की अनुमति कैसे दी।

प्रतिनिधिमंडल ने मांग की कि प्रदर्शन को लेकर मुख्यमंत्री और मंत्रियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की जाए और उनकी गिरफ्तारी की कार्रवाई शुरू की जाए।

प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आर. अशोक, विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष चलवादी नारायणस्वामी, पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं विधायक सीएन अश्वत्थ नारायण, सांसद पीसी मोहन, एमएलसी सीटी रवि, वेंकटेश डोड्डेरी और हरीश एस. सहित अन्य प्रमुख नेताओं ने किया। भाजपा की ओर से सौंपे गए ज्ञापन का शीर्षक था, 'सुप्रीम कोर्ट के आदेश का उल्लंघन करते हुए मुख्यमंत्री और मंत्रियों को राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय परिसर में धरना-प्रदर्शन करने की अनुमति दिए जाने पर आपत्ति। आर. अशोक ने कहा, 'मैं उस घटना पर गंभीर आपत्ति दर्ज कराता हूं, जिसमें मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार, उनके मंत्रिमंडल के सहयोगियों और पार्टी नेताओं ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) के कार्यालय में प्रदर्शन किया यह एक गंभीर घटनाक्रम है।'

वायुसेना की 'तरंग शक्ति' की रफ्तार, आसमान में दिखा साझेदारी का दम

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। भारतीय वायुसेना द्वारा बहुराष्ट्रीय हवाई अभ्यास 'तरंग शक्ति 2026' आयोजित किया जा रहा है। इस अभियान में विभिन्न देशों की वायुसेनाओं की गतिविधियां तेजी से आगे बढ़ रही हैं। राजस्थान के जोधपुर में चल रहे इस अभ्यास में भारत के साथ कई देशों की वायुसेनाएं हिस्सा ले रही हैं। इसका मुख्य उद्देश्य संयुक्त हवाई अभियानों के जरिए आपसी तालमेल, अनुभव साझा करने और एक-दूसरे की संचालन प्रक्रियाओं को समझने का अवसर देना है।

इस बार अमेरिकी एफ-35 लड़ाकू विमानों की भागीदारी भी खास आकर्षण है। छह एफ-35 विमानों के साथ अमेरिकी वायुसेना अभ्यास में शामिल है। भारतीय वायुसेना के साथ एफ-35 की किसी अभ्यास में यह पहली भागीदारी है। यही कारण है कि एफ-35ए की भारत में इस अभ्यास के दौरान भागीदारी विशेष रूप से उल्लेखनीय है। यह विमान पहले भारत में एयरो शो के दौरान दिखाई दे चुका है, लेकिन 'तरंग शक्ति' में इसकी सैन्य अभ्यास के रूप में पहली भागीदारी हुई है। यहां विभिन्न अभ्यास केवल विमानों की उड़ानों तक सीमित नहीं है। इसमें वायु दलों, अभियान योजनाकारों और जमीन पर काम करने वाले कर्मियों के बीच पेशेवर संवाद भी हो रहा है। इसके अलावा संगोष्ठी, औद्योगिक भ्रमण, विरासत स्थलों का दौरा, योग और अन्य गतिविधियों के जरिए भाग लेने वाले देशों के कर्मियों को एक-दूसरे को करीब से समझने का अवसर मिल रहा है।

अभ्यास की खास तस्वीर जमीन और आसमान दोनों जगह दिखाई दे रही है। विभिन्न देशों के वायु योद्धा यहां आपस में संवाद व संपर्क कर रहे हैं। वायुसेना के अधिकारी अनुभव साझा करने के साथ ही पेशेवर संबंध भी मजबूत कर रहे हैं। वहीं, दूसरी ओर भारतीय आसमान में अलग-अलग देशों के लड़ाकू विमान तेज गति से उड़ान भरते हुए संयुक्त प्रशिक्षण अभियानों में हिस्सा ले रहे हैं। 'साझेदारी में शक्ति' यानी पावर इन पार्टनरशिप इस अभ्यास की मुख्य भावना है।

भारतीय वायुसेना के साथ ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका, संयुक्त अरब अमीरात, फ्रांस, जर्मनी, श्रीलंका और बांग्लादेश की वायुसेनाएं अभ्यास में शामिल हैं।

महिला तीरंदाजों ने स्वर्ण पर लगाया निशाना

विश्व केसरी ■

ओकाजाकी। भारत को एशियन गेम्स 2026 में 11वां गोल्ड मेडल मिल गया है। शुक्रवार को खेले गए फाइनल मुकाबले में भारत की महिला रिकर्व आर्चरी टीम ने दक्षिण कोरिया को हराकर गोल्ड मेडल अपने नाम किया। भारतीय टीम की 10 बार की चैंपियन दक्षिण कोरिया पर यह जीत ऐतिहासिक है। महिला रिकर्व आर्चरी टीम का एशियन गेम्स इतिहास में यह पहला गोल्ड है।

भारत की महिला रिकर्व आर्चरी टीम ने ओकाजाकी चुओ सोगो पार्क मल्टीपर्पस स्क्वायर में खेले गए फाइनल में मुश्किल हालात में मजबूत कोरियाई टीम को 5-3 से हराकर ऐतिहासिक गोल्ड मेडल जीता।

पहला सेट बराबरी का रहा, क्योंकि दोनों टीमों ने 54-54 का स्कोर करके सेट बराबर कर दिया और हर एक को एक पॉइंट मिला।कोरिया ने दूसरे सेट की शुरुआत 10, 9 और 9 के स्कोर के साथ जोरदार तरीके से की। भारत ने 10 के साथ जवाब दिया, जिसके बाद कीर्ति ने 8 का स्कोर किया और उसके बाद अंकिता ने 10 का एक जरूरी शॉट लगाया। इसके बाद कोरिया ने 10 और दो 9 के शॉट लगाए। अंकिता ने एक शॉट ठीक बीच में मारा, लेकिन कीर्ति ने 8 का शॉट लगाया, जिससे 17 साल की कुमकुम पर दबाव पड़ा, जिसने शानदार शॉट लगाया और 10 का स्कोर करके सेट बराबर कर दिया, जिससे स्कोर 2-2 हो गया।

तीसरे सेट में, कोरिया ने 8 के साथ शुरुआत की, लेकिन फिर अगले दो शॉट में 10 और 9 के साथ वापसी की। भारत ने 10 के साथ शुरुआत की, उसके बाद 9 के साथ। अपने अगले तीन शॉट में, कोरिया ने तीन बार 8 का स्कोर किया, जिससे भारत को सेट जीतने का एक मजबूत मौका मिला। इसके बाद भारत ने 8 के साथ शुरुआत की, फिर 9 के साथ, और आखिर में, कुमकुम ने 10 का स्कोर करके तीसरा सेट अपने नाम कर लिया, जिससे टीम 4-2 से आगे हो गई।

चौथे सेट में, कोरिया ने दो 9 के स्कोर से शुरुआत की, उसके बाद 10 का स्कोर किया। भारत ने 8, 8 और फिर 9 के शॉट लगाए। इसके बाद कोरिया ने 8, 9 और 9 के शॉट लगाए। आखिरी तीन अहम शॉट में, कीर्ति ने 9 का शॉट लगाकर शुरुआत की और अंकिता ने एक और 9 का शॉट लगाया, जिसके बाद कुमकुम ने 10 का स्कोर करके सेट बराबर कर दिया, जिससे 5-3 से जीत पक्की हो गई।

भारतीय टीम में शामिल कुमकुम मोहोद, अंकिता भक्त और कीर्ति शर्मा ने धैर्य के साथ साहसिक खेल का प्रदर्शन किया। कुमकुम मोहोद फाइनल की स्टार रहीं, जिन्होंने दबाव में भी कमाल का संयम दिखाया। 17 साल की इस खिलाड़ी ने बार-बार जरूरी 10 पॉइंट बनाए। भारत को जब भी पॉइंट की जरूरत थी, कुमकुम ने अपने शॉट से पॉइंट हासिल किया। इसमें उनका वह अहम शॉट भी शामिल है, जिससे गोल्ड मेडल पक्का हुआ। अंकिता भक्त ने कीमती अनुभव और लगातार अच्छा प्रदर्शन किया, जबकि कीर्ति पर फाइनल के दौरान दबाव के पल आए। लेकिन तीनों खिलाड़ियों ने मिलकर देश के लिए सोना जीत लिया।

रिकर्व मिक्स्ड टीम इवेंट में भारत को सिल्वर

विश्व केसरी ■

ओकाजाकी। धीरज बोम्मादेवरा और कुमकुम मोहोद की मिक्स्ड रिकर्व आर्चरी टीम को ओकाजाकी चुओ सोगो पार्क मल्टीपर्पस स्क्वायर में चीन के खिलाफ हुए फाइनल मुकाबले में हार के कारण सिल्वर मेडल से संतोष करना पड़ा। चीन ने गोल्ड मेडल जीतने के साथ ही लॉस एंजिल्स 2028 ओलंपिक का कोटा हासिल कर लिया, जबकि दूसरे स्थान पर रही भारतीय टीम ओलंपिक कोटा पाने से चूक गई।

रिकर्व तीरंदाजी में यह भारत का दूसरा मेडल है। महिला टीम ने शुक्रवार सुबह एशियन गेम्स में अपना पहला गोल्ड मेडल जीता। महिला टीम ने फाइनल में 10 बार की चैंपियन टीम दक्षिण कोरिया को हराया।

मिक्स्ड टीम फाइनल में, भारत ने 9 और 8 के स्कोर से शुरुआत की, जबकि चीन ने 10 और 8 के स्कोर से जवाब दिया। धीरज ने फिर 7 का स्कोर किया, लेकिन कुमकुम ने 10 का स्कोर किया। चीन ने 10 के दो स्कोर करके सेट अपने नाम कर लिया और 2-0 की शुरुआती बढ़त बना ली।

दूसरे सेट में, धीरज और कुमकुम, दोनों ने 8 और 9 के स्कोर किए, जबकि चीनी टीम ने 9 और 8 के स्कोर किए। कुमकुम ने फिर 8 का स्कोर किया, लेकिन धीरज टारगेट के सेंटर में हिट करने में कामयाब रहा। चीन ने 10 के दो स्कोर करके जवाब दिया, जिससे उसकी बढ़त 4-0 हो गई।

तीसरे सेट में, कुमकुम ने 8 का स्कोर किया, जबकि धीरज ने टारगेट के सेंटर में हिट किया। चीन ने 9 और 10 के स्कोर करके जवाब दिया, जिससे भारत पर दबाव बढ़ गया। कुमकुम ने आखिरकार 10 का स्कोर किया और धीरज ने 9 का स्कोर किया। चीन ने 10 और 7 का स्कोर किया, जिससे भारत को सेट मिल गया क्योंकि स्कोर 4-2 था।

चौथे सेट में, भारत ने 9 के दो स्कोर के साथ शुरुआत की, जबकि चीन ने 8 और 10 का स्कोर बनाया। इसके बाद कुमकुम और धीरज ने क्रमश: 10 और 9 का स्कोर बनाया। इसके बाद चीन ने भारत के आखिरी दो तीरों के कुल स्कोर की बराबरी की, जिसमें झू ने 9 का स्कोर बनाया, जबकि ली ने 10 का स्कोर बनाया, जिससे सेट 37-37 से टाई हो गया, जो उसके लिए गोल्ड मेडल पक्का करने के लिए काफी था।

इससे पहले, धीरज और कुमकुम ने 3-1 से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए सेमीफाइनल में जापान को 5-3 से हराया और एशियन गेम्स रिकर्व मिक्स्ड टीम फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय जोड़ी बन गई।

लालरेम्सियामी ने भारत के लिए पूरे किए 200 इंटरनेशनल मैच

विश्व केसरी ■

काकामिगाहारा। भारतीय महिला हॉकी टीम की फॉरवर्ड खिलाड़ी लालरेम्सियामी ने देश के लिए 200 सीनियर इंटरनेशनल मैच खेलने का मुकाम हासिल किया है। उन्होंने यह उपलब्धि आइची-नागोया में एशियन गेम्स 2026 में चीन के खिलाफ गोल्ड मेडल मैच के दौरान हासिल की। हॉकी इंडिया ने इस स्टार खिलाड़ी को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी है। 26 वर्षीय लालरेम्सियामी ने 2017 में अपना सीनियर इंटरनेशनल डेब्यू किया था और तब से उन्होंने भारतीय महिला टीम में खुद को एक अहम खिलाड़ी के तौर पर स्थापित किया है। उन्होंने कई बड़े इंटरनेशनल टूर्नामेंट में योगदान दिया है और टीम की कुछ सबसे बड़ी कामयाबियों में अहम भूमिका निभाई है। लालरेम्सियामी का इंटरनेशनल लेवल पर शानदार रिकॉर्ड रहा है। उन्होंने एशियन गेम्स 2018 में सिल्वर और एशियन गेम्स 2022 में ब्रॉन्ज मेडल जीता था। वह कॉमनवेल्थ गेम्स 2022 में ब्रॉन्ज मेडल जीतने वाली भारतीय टीम का भी हिस्सा थीं। इसके अलावा एफआईएच नेशंस कप में उन्होंने 2022 और 2026 में भारत को गोल्ड मेडल दिलाने में अहम भूमिका निभाई। महाद्वीपीय स्तर पर भी उन्हें काफी सफलता मिली है। वह 2017 में भारत की एशिया कप जीतने वाली टीम का हिस्सा थीं। इसके बाद भारत ने 2022 में ब्रॉन्ज और 2025 में सिल्वर मेडल जीता। एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में भी उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया और 2023 तथा 2024 में भारत को गोल्ड मेडल दिलाने वाली टीम का हिस्सा रहीं। इसके अलावा 2018 में सिल्वर मेडल जीतने वाली भारतीय टीम में भी लालरेम्सियामी शामिल थीं। मेडल जीतने के अलावा लालरेम्सियामी भारतीय महिला हॉकी के ऐतिहासिक अभियानों का भी हिस्सा रही हैं। वह उस टीम का हिस्सा थीं जिसने टोक्यो 2020 में ओलंपिक में अपना अब तक का सबसे अच्छा प्रदर्शन किया और चौथे स्थान पर रहीं।

नेत्रा कुमानन ने महिलाओं की डिंगी सेलिंग में जीता कांस्य पदक

विश्व केसरी ■

गामागोरी। भारत की सेलर नेत्रा कुमानन ने महिलाओं की डिंगी में ब्रॉन्ज मेडल जीता। काइयोह यॉट हार्बर में दो रेस की फाइनल सीरीज के बाद नेत्रा ने 14 पॉइंट्स के साथ फिनिश किया। थाईलैंड की सोफिया मोंटगोमरी ने पांच पॉइंट्स के साथ गोल्ड जीता, जबकि सिंगापुर की जानिया एंग ने 13 पॉइंट्स के साथ सिल्वर जीता।

एशियन गेम्स 2026 में भारत का सेलिंग में यह तीसरा मेडल है। इससे पहले पुरुषों की स्किफ में मनु फ्रांसिस और प्रिंस कुरिसिंकल नोबल ने सिल्वर और महिलाओं की स्किफ में हर्षिता तोमर और शीतल वर्मा ने ब्रॉन्ज मेडल जीता था। नेत्रा ने सप्ताह की शुरुआत में हुई क्वालीफिकेशन सीरीज से सात रीकैलकुलेटेड पॉइंट्स के साथ फाइनल में एंट्री की।

फाइनल 1 में नेत्रा छठे स्थान पर रहीं, लेकिन फाइनल 2 जीतकर (एक पॉइंट जोड़कर) जवाब दिया, जिससे वह ओवरऑल तीसरे स्थान पर पहुंच गईं। नेत्रा 14 नेट पॉइंट्स (क्वालीफिकेशन सीरीज और फाइनल से सात-सात पॉइंट्स) के साथ हांगकांग की स्टेफनी नॉर्टन के बराबर रहीं, लेकिन पूरी सीरीज में बेहतर हेड-टू-हेड रिकॉर्ड रखने के बाद टाई-ब्रेक में ब्रॉन्ज मेडल जीता। नेत्रा ने 2021 में ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने वाली पहली भारतीय महिला सेलर बनकर इतिहास रचा था। इसके बाद उन्होंने पेरिस ओलंपिक 2024 के लिए फिर से क्वालीफाई किया।

शुक्रवार को, दूसरी तरफ, विष्णु सरवनन, जो दो बार के ओलंपियन हैं, पुरुषों की डिंगी में 21 पॉइंट्स के साथ चौथे स्थान पर रहे। कोरिया गणराज्य के हा जी-मिन ने नौ नेट पॉइंट्स के साथ गोल्ड मेडल जीता, जबकि मलेशिया के खैरुलनिजाम मोहम्मद अफेंडी 14 नेट पॉइंट्स के साथ पोडियम पर आखिरी पायदान पर रहे। सरवनन ने हांगझोऊ एशियन गेम्स 2023 में ब्रॉन्ज मेडल जीता था।

भारत का कैनो स्लैलम कैंपेन बिना किसी मेडल के खत्म हुआ। कुल पांच भारतीयों ने पांच मेडल इवेंट्स—पुरुषों का कयाक एकल, पुरुषों का कयाक क्रॉस, महिलाओं का कैनो एकल, महिलाओं का कयाक एकल और महिलाओं का कयाक क्रॉस—में हिस्सा लिया।

भारत का सबसे अच्छा परिणाम पुरुषों के कयाक एकल में आया, जिसमें प्रद्युम्न सिंह राठौड़ 10 फाइनलिस्ट में 125.21 के स्कोर के साथ छठे स्थान पर रहे, जिसमें छह सेकंड की टाइम पेनल्टी शामिल थी।

परवीन हुड्डा ने नीन-चिन चे को हराकर मुक्केबाजी में दिलाया दूसरा स्वर्ण पदक

विश्व केसरी ■

निशियो। परवीन हुड्डा ने एशियन गेम्स में मेडल का अपना लंबा इंतजार खत्म कर दिया है। 26 साल की परवीन ने महिलाओं की 65 किग्रा कैटेगरी में गोल्ड जीता। एशियन गेम्स 2026 में मुक्केबाजी में भारत का यह दूसरा गोल्ड मेडल है और कुल 13वां गोल्ड मेडल है।

परवीन ने शुक्रवार को चीनी ताइपे की नीन-चिन चे के खिलाफ करीबी मुकाबले में फाइनल जीता।

भारतीय मुक्केबाज ने शानदार शुरुआत की और पहला राउंड 5-0 से जीता। चे ने दूसरे राउंड में जवाब दिया और यह राउंड 5-0 से जीत लिया। आखिरी राउंड में परवीन ने अपना धैर्य बनाए रखा और राउंड 3-2 से जीतकर गोल्ड मेडल पक्का कर लिया। यह कामयाबी परवीन के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने 2025 वर्ल्ड कप में गोल्ड मेडल जीता था, 2022 वर्ल्ड चैंपियनशिप में ब्रॉन्ज मेडल जीता था और 2022 एशियन चैंपियनशिप में गोल्ड जीता था।

परवीन अब एशियन गेम्स में गोल्ड मेडल जीतने वाली तीसरी भारतीय महिला हैं। दिग्गज एमसी मैरी कॉम ने इंचियोन में 2014 एशियन गेम्स में महिलाओं की 51 किग्रा स्पर्धा में गोल्ड जीता था।

गोल्ड जीतने वाली दूसरी भारतीय महिला मुक्केबाज लवलीना हैं। लवलीना ने शुक्रवार को (आज ही कुछ घंटे पहले) अपने 29वें जन्मदिन पर 75 किग्रा के फाइनल में चीन की जियाई बाओ को 5-0 से हराकर गोल्ड मेडल जीता था।

टोक्यो ओलंपिक में ब्रॉन्ज मेडल जीतने वाली लवलीना ने बाओ के खिलाफ जबरदस्त प्रदर्शन करके पिछले एडिशन में जीते सिल्वर मेडल में सुधार किया और इस तरह अपने लिए एक शानदार बर्थडे गिफ्ट हासिल किया।

लवलीना, मैरी कॉम के बाद दूसरी भारतीय महिला हैं, जिन्होंने एशियन गेम्स में बॉक्सिंग में गोल्ड मेडल और ओलंपिक मेडल जीता है। इसके साथ ही लवलीना एशियन गेम्स में लगातार दो बार फाइनल में पहुंचने और गोल्ड और सिल्वर मेडल जीतने वाली पहली महिला मुक्केबाज हैं।

पुरूष तीरंदाजी में भारत को रजत

विश्व केसरी ■

ओकाजाकी। भारतीय पुरुष रिकर्व तीरंदाजी टीम को शुक्रवार को ओकाजाकी चुओ सोगो पार्क मल्टीपर्पस स्क्वायर में फाइनल में नौ बार की चैंपियन दक्षिण कोरियाई टीम ने हरा दिया। हार के कारण भारतीय टीम को सिल्वर मेडल से संतोष करना पड़ा।

भारतीय टीम में शामिल नीरज चौहान, यशदीप भोगे और धीरज बोम्मादेवरा की तिकड़ी को दक्षिण कोरिया की किम जे देओक, किम वूजिन और ली वूसोक की तिकड़ी ने 1-5 से हराया।

पुरुषों के रिकर्व टीम इवेंट में यह भारत का लगातार दूसरा एशियन गेम्स सिल्वर मेडल है। भारतीय टीम को हांगझोऊ 2023 के फाइनल में भी दक्षिण कोरिया से हार का सामना करना पड़ा था। ओलंपियन बोम्मादेवरा उस सिल्वर मेडल जीतने वाली टीम का भी हिस्सा थे।

भारतीय तीरंदाजों को कोरियाई तीरंदाजों को हराना मुश्किल लगा और वे सिर्फ एक सेट टाई कर पाए, जबकि बाकी दो हार गए। भारत और कोरिया ने पहले सेट में छह तीरों से 56 पॉइंट बनाए, जिसके बाद दोनों ने एक-एक पॉइंट साझा किया। नौ बार के चैंपियन ने अपना शीर्ष प्रदर्शन जारी रखा और भारतीय तीरंदाजों की कुछ गलतियों की वजह से 57-40 के स्कोर के साथ दूसरा सेट जीत लिया।

3-1 की बढ़त के साथ, कोरिया ने 56-54 के स्कोर के साथ तीसरा सेट भी जीत लिया, क्योंकि उन्होंने आखिरी सेट में नौ से कम का कोई निशाना नहीं लगाया, जबकि भारत की ओर से आखिरी सेट में सात का शॉट लगा।

दोनों टीमों ने पहले सेट में 1-1 की बराबरी के साथ फाइनल की शुरुआत की। दोनों टीमों ने शुरुआती सेट में 56 पॉइंट बनाए और तीन-तीन बार 10 पॉइंट हासिल किए। भारतीय तीरंदाजों के पास पहला सेट जीतने का अच्छा मौका था, जब उन्हें कोरिया के 56 के स्कोर को पार करने के लिए आखिरी तीन तीरों से 28 पॉइंट चाहिए थे। लेकिन उन्होंने 10, 8 और 9 का स्कोर करके उन तीनों तीरों से 27 पॉइंट हासिल किए और कोरिया की बराबरी कर ली।

कोरियाई खिलाड़ियों ने दूसरे सेट में शानदार प्रदर्शन किया, जब उन्होंने 10 पर चार तीर लगाए, जबकि भारतीयों ने 10 पर कोई तीर नहीं लगाया। यशदीप और नीरज ने आठ-आठ का एक-एक शॉट लगाया, जबकि धीरज टारगेट से चूक गए और आठ के दो शॉट लगाए, जिससे कोरिया ने दूसरा सेट 57-50 से जीत लिया।

आखिरी सेट में गलतियों की ज्यादा गुंजाइश नहीं थी। भारत ने तीसरे सेट में पहले तीन तीरों से 28 पॉइंट लिए, जिसमें नीरज ने 10 और यशदीप और धीरज ने नौ-नौ पॉइंट बनाए।

कोरिया ने 28 पॉइंट के साथ जवाब दिया। नीरज ने सेट के चौथे तीर पर भारत के लिए सात पॉइंट हासिल किए, जबकि यशदीप और धीरज ने क्रमश: नौ और 10 पॉइंट बनाए।

कोरिया को सेट और मैच जीतने के लिए 27 पॉइंट चाहिए थे, और उसने आखिरी तीन तीरों से 28 पॉइंट हासिल करके सेट 56-54 और मैच 5-1 से जीत लिया।

कियूका को हराकर सुजीत फाइनल में

विश्व केसरी ■

नागोया। एशियन चैंपियनशिप के गोल्ड मेडलिस्ट फ्रीस्टाइल पहलवान सुजीत कलकल ने शुक्रवार को जापान के मौजूदा ओलंपिक चैंपियन कोटारो कियूका को हराकर पुरुषों के 65 किग्रा फाइनल में जगह बनाई। सुजीत का फाइनल में ताजिकिस्तान के अब्दुलमजीद कुडीव से मुकाबला होगा।

सुजीत ने 0-2 से पिछड़ने के बाद रोमांचक सेमीफाइनल में ओलंपिक चैंपियन और घरेलू फेवरेट कोटारो को 3-3 से हराकर अपने करियर की सबसे बड़ी जीत हासिल की।

अंडर-23 वर्ल्ड चैंपियन सुजीत ने प्री-क्वार्टर फाइनल मुकाबले में अफगानिस्तान के सैयद उमर जजई पर 13-3 की तकनीकी श्रेष्ठता से जीत के साथ कैंपेन की शुरुआत की। जजई ने राउंड ऑफ 16 मुकाबले की शुरुआत में सुजीत पर तीन पॉइंट बनाए। सुजीत ने खुद को संभाला और स्टेप-आउट के साथ आगे बढ़े। इसके बाद उन्होंने एक फोर-पॉइंटर, एक गो-बिहाइंड और एक एक्सपोजर स्कोर करके 9-3 की बढ़त बना ली, फिर 13-3 से जीतकर क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए।

इसके बाद सुजीत ने अब्बास इब्राहिमजादेह पर 10-0 की जीत के बाद ओलंपिक चैंपियन कोटारो के खिलाफ सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। उन्होंने आर्म थ्रो से शुरुआत की और फिर दो बार एक्सपोजर पॉइंट और दो गो-बिहाइंड स्कोर करके जीत पूरी की।

कोटारो के खिलाफ सेमीफाइनल में जापानी पहलवान ने दो तेज़ी से अंक बनाकर 2-0 की बढ़त बना ली। लेकिन सुजीत ने लगातार दो स्कोरिंग मूव बनाए और 4-2 की बढ़त बनाए रखी। रिव्यू के बाद, सुजीत का टोटल 3 हो गया, लेकिन वह अभी भी आगे थे। कियूका ने फिर मुकाबला 3-3 से बराबर कर दिया और सुजीत फाइनल में पहुंच गए। उनके पास जापानी पहलवान से अधिक स्कोरिंग मूव था।

पुरुषों के 125 किग्रा फ्रीस्टाइल में, रूहाल पहले राउंड में कजाकिस्तान के अंडर-20 वर्ल्ड चैंपियन येदिगे कासिमबेक से 3-8 से हार गए। महिला कुश्ती में भारत की शुरुआत मुश्किल रही क्योंकि प्रिया मलिक और दीपांशी (50 किग्रा) दोनों अपने शुरुआती मुकाबले हार गईं।

पीएम ई-ड्राइव योजना से 26.59 लाख इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री को मिला समर्थन

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। पीएम ई-ड्राइव योजना के तहत जून 2026 तक 26.59 लाख इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की बिक्री संभव हुई है। इससे देश में इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने में तेजी आई है, चार्जिंग बुनियादी ढांचे का विस्तार हुआ है और घरेलू विनिर्माण इकोसिस्टम मजबूत हुआ है। यह जानकारी सरकार की ओर से जारी एक आधिकारिक बयान में दी गई।

11,900 करोड़ रुपए के बजटीय आवंटन वाली इस योजना की अवधि बढ़ाकर मार्च 2028 तक कर दी गई है। यह योजना इलेक्ट्रिक वाहनों की विभिन्न श्रेणियों और उनसे जुड़े बुनियादी ढांचे को समर्थन देती है।

सरकारी फैक्टशीट के अनुसार, योजना के तहत 28.30 लाख इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए प्रोत्साहन दिया जा रहा है। इसके अलावा ई-बसों, चार्जिंग स्टेशनों और परीक्षण सुविधाओं को भी समर्थन दिया जा रहा है, जिससे पूरे भारत में स्वच्छ और टिकाऊ परिवहन को बढ़ावा मिल रहा है।

पीएम ई-ड्राइव योजना के तहत 14,028 ई-बसों की तैनाती के लिए करीब 4,391 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं। इनमें से अगस्त 2026 तक 14,000 ई-बसों का आवंटन किया जा चुका है।

करीब 13,800 ई-बसें सात शहरों—दिल्ली, बेंगलुरु, हैदराबाद, मुंबई, अहमदाबाद, पुणे और सूरत—को आवंटित की गई हैं। इलेक्ट्रिक वाहनों के सार्वजनिक चार्जिंग स्टेशनों (ईवी पीसीएस) और परीक्षण एजेंसियों के अपग्रेड के लिए भी अनुदान सहायता उपलब्ध है।

देशभर में ईवी सार्वजनिक चार्जिंग स्टेशनों के लिए करीब 2,000 करोड़ रुपए निर्धारित किए गए हैं। 28 सितंबर 2026 तक तीन तेल विपणन कंपनियों और 10 राज्यों में 8,147 चार्जर लगाने के लिए 851 करोड़ रुपए मंजूर किए गए हैं।

इसके अलावा, वाहन परीक्षण एजेंसियों के आधुनिकीकरण और उन्नयन के लिए 780 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं।

लक्षित नीतियों, वित्तीय प्रोत्साहनों और सहायक उपायों के चलते देश में इलेक्ट्रिक मोबिलिटी तेजी से आगे बढ़ रही है।

यह योजना विभिन्न वाहन श्रेणियों और उनसे जुड़े घटकों के लिए मांग आधारित प्रोत्साहन और बुनियादी ढांचे से जुड़ी सहायता प्रदान करती है।

इस योजना के दायरे में ई-2 व्हीलर (ई-2डब्ल्यू), ई-3 व्हीलर (ई-3डब्ल्यू), जिनमें पंजीकृत ई-रिक्शा और ई-कार्ट तथा एल5 श्रेणी के वाहन, ई-एम्बुलेंस, ई-ट्रक, ई-बस, चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर और परीक्षण एजेंसियों का उन्नयन शामिल हैं।

पंजीकृत ई-2डब्ल्यू के लिए 2,500 रुपए प्रति किलोवाट-घंटा का प्रोत्साहन दिया जाता है, जिसकी अधिकतम सीमा 5,000 रुपए प्रति वाहन है। यह लाभ 1.5 लाख रुपए तक की एक्स-फैक्ट्री कीमत वाले वाहनों पर लागू होता है। इसके लिए कुल 2,767 करोड़ रुपए का फंड आवंटित किया गया है। योजना का लक्ष्य 45.79 लाख से अधिक पंजीकृत ई-2डब्ल्यू को समर्थन देना है।

सरकारी फैक्टशीट के अनुसार, पंजीकृत ई-3डब्ल्यू (एल5) के लिए निर्धारित बिक्री लक्ष्य हासिल कर लिया गया है और इस श्रेणी को 26 दिसंबर 2025 को बंद कर दिया गया। वहीं, ई-3डब्ल्यू (ई-रिक्शा और ई-कार्ट) के लिए समर्थन मार्च 2028 तक जारी रहेगा।

सतत विकास लक्ष्यों के अनुरूप बजटिंग को मजबूत बनाने के लिए नीति आयोग ने आयोजित की राष्ट्रीय कार्यशाला

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। नीति आयोग ने पश्चिम बंगाल सरकार के सहयोग और संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) के तकनीकी समर्थन से कोलकाता में सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) बजटिंग पर एक राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया। शुक्रवार को जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार, यह कार्यशाला नीति आयोग के स्टेट सपोर्ट मिशन के तहत आयोजित की गई, जिसका उद्देश्य राज्यों की योजना और बजट प्रक्रियाओं को सतत विकास लक्ष्यों के अनुरूप बनाना और राज्य स्तर पर एसडीजी बजट टैगिंग को संस्थागत स्वरूप देना था।

कार्यशाला में पश्चिम बंगाल के वित्त मंत्री स्वपन दासगुप्ता ने कहा कि एसडीजी बजट टैगिंग विकास लक्ष्यों, निर्धारित लक्ष्यों, बजट आवंटन और खर्च के लिए जिम्मेदार एजेंसियों के बीच स्पष्ट संबंध स्थापित करने में मदद करती है। इससे यह समझने में आसानी होती है कि सरकारी व्यय किस प्रकार विकास प्राथमिकताओं को समर्थन दे रहा है।

नीति आयोग के सदस्य आर. बालासुब्रमण्यम ने कहा कि राज्य सरकारों के खर्च को एसडीजी के साथ मैप करना एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे यह सुनिश्चित किया जा सकेगा कि सार्वजनिक व्यय वास्तव में उन क्षेत्रों में किया जाए जो समावेशी और सतत विकास के लिए आवश्यक हैं।

कार्यशाला के दौरान 'राज्य के बजट को एसडीजी से जोड़ने के लिए गाइड' पर भी चर्चा हुई, जिसे नीति आयोग, नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) और यूएनडीपी ने संयुक्त रूप से विकसित किया है। यह मार्गदर्शिका राज्यों के बजट को सतत विकास लक्ष्यों के साथ जोड़ने के लिए एक व्यावहारिक रूपरेखा प्रदान करती है।

चर्चा में इस बात पर विशेष ध्यान दिया गया कि एसडीजी टैगिंग के लिए किन व्ययों की पहचान की जाए, टैगिंग का उचित स्तर क्या हो, व्यय को संबंधित लेखा शीर्षों और एसडीजी लक्ष्यों से किस प्रकार जोड़ा जाए तथा नीति आयोग की योजना-एसडीजी मैपिंग प्रणाली के माध्यम से मूल्यों का निर्धारण कैसे किया जाए।

प्रतिभागियों ने वार्षिक बजट प्रक्रिया में एसडीजी बजटिंग को शामिल करने से जुड़े विषयों पर भी विचार-विमर्श किया, जिनमें संस्थागत जिम्मेदारियां, व्ययों का मिलान, गुणवत्ता आश्वासन, रिपोर्टिंग प्रणाली और प्रदर्शन ऑडिट जैसे पहलू शामिल थे।

कार्यशाला में 32 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इसके अलावा नीति आयोग, सीएजी, सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (एमओएसपीआई) और विभिन्न सरकारी संस्थानों के अधिकारी भी उपस्थित रहे।

शरीर को लचीला और मन को शांत करता है गोमुखासन, जानें इसके फायदे

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में घंटों एक ही जगह बैठकर काम करना और गलत खानपान की वजह से कंधे, पीठ और कूल्हों में जकड़न एक आम समस्या बन गई है। ऐसे में 'गोमुखासन' शरीर को लचीला और मन को शांत करने का काम करता है। नियमित अभ्यास से यह न सिर्फ शरीर की अकड़न दूर करता है बल्कि एकाग्रता और संतुलन भी बढ़ाता है।

गोमुखासन का नाम दो शब्दों पर रखा गया है- गऊ और मुख। गऊ यानी गाय और मुख यानी चेहरा। गोमुखासन को यह नाम इसलिए दिया गया है क्योंकि इस आसान में आपके जांघ और पिंडली गाय के चेहरे के समान मुद्रा में होते हैं: पीछे की ओर चौड़ा और सामने की तरफ पतला। इसमें अभ्यासकर्ता को सीधे बैठने की आवश्यकता होती है, साथ ही यह आसन को भी बेहतर बनाता है।

हालांकि, यह आसन करने में आसान है लेकिन शुरुआती अभ्यासकर्ता इसे किसी विशेषज्ञ की देखरेख में करें। आयुष मंत्रालय के अनुसार, गोमुखासन एक अत्यंत प्रभावशाली बैठकर किया जाने वाला योगासन है। इस आसन में पैरों और घुटनों की आकृति गाय के मुख के समान दिखाई देती है, इसलिए इसे गोमुखासन कहा जाता है। यह आसन छाती को खोलता है, जिससे श्वसन स्वास्थ्य बेहतर होता है और फेफड़ों की कार्यक्षमता बढ़ती है।

यह आसन अस्थमा के मरीजों के लिए भी फायदेमंद माना गया है क्योंकि यह फेफड़ों की कार्यक्षमता को बेहतर बनाता है और सांस लेने की प्रक्रिया को सुचारु करता है।

डायबिटीज के मरीजों को भी गोमुखासन करने की सलाह दी जाती है क्योंकि यह योगासन शरीर के अंदरूनी अंगों पर बेहतरीन असर डालता है। इसे करने से ब्लड शुगर को कंट्रोल करने में मदद मिलती है और पाचन तंत्र भी बेहतर होता है।

इसके साथ ही यह हृदय के स्वास्थ्य के लिए भी फायदेमंद माना जाता है क्योंकि इसे करने से तनाव कम होता है, जिससे दिल पर दबाव नहीं पड़ता और ब्लड प्रेशर भी संतुलित रहता है। गर्भवती महिलाओं को बिना विशेषज्ञ की सलाह के यह आसन नहीं करना चाहिए। यदि किसी भी व्यक्ति के कंधों, गर्दन, घुटनों या कूल्हों में कोई गंभीर चोट या पुराना दर्द है, तो यह आसन न करें।

हरियाणा से कनाडा को फ्रोजन फूड उत्पादों का निर्यात, किसानों की बढ़ेगी आय

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) ने 1 अक्टूबर 2026 को हरियाणा के सोनीपत से कनाडा के लिए 24 एमटी फ्रोजन फूड उत्पादों की खेप को रवाना करने में मदद की। यह जानकारी वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की ओर से शुक्रवार को दी गई।

मंत्रालय ने बताया कि 'अटेर्ना फूड्स प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड' द्वारा निर्यात की गई इस खेप में कुल सीएडी 35,140 मूल्य के फ्रोजन फूड उत्पादों के 2,295 डिब्बे शामिल हैं।

किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) के जरिए किए जाने वाले इस निर्यात में हरे मटर, मिश्रित सब्जियां, मटर एवं गाजर, स्वीट कॉर्न और समोसा शामिल हैं। निर्यात करने वाली इकाई को एपीडा की वित्तीय सहायता योजना के तहत मदद मिली थी। मंत्रालय के मुताबिक, यह खेप भारतीय प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों के लिए अंतरराष्ट्रीय बाजार में अवसर बढ़ाने तथा किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) को वैश्विक खरीदारों एवं बाजारों से जोड़ने की दिशा में एक और कदम है।

यह निर्यात केंद्रित मूल्य श्रृंखला बनाने और किसानों को अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक पहुंचने में मदद करने में किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) की बढ़ती भूमिका को दिखाता है। एपीडा, बाजार तक पहुंच को मजबूत करने और किसान समूहों को निर्यात के अवसरों से जोड़ने वाली पहलों के जरिए एफपीओ/एफपीसी और निर्यातकों के बीच संबंध बनाने में मदद कर रहा है।

खेती के उत्पादों को प्रसंस्करण और अंतरराष्ट्रीय बाजार से जोड़कर, एफपीओ-आधारित मॉडल उत्पादकों को बेहतर लाभ अर्जित करने और निर्यात मूल्य श्रृंखला में किसान समूहों की भागीदारी को मजबूत करने में मदद कर सकता है।

भारत सरकार के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के तहत एपीडा, भारतीय कृषिगत एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों के लिए बाजार से जुड़ाव और निर्यात के अवसर बनाने में मदद करता है।

प्राइवेट अस्पतालों में फर्जी डॉक्टरों की नियुक्ति रोकने के लिए नए प्रोटोकॉल जारी

विश्व केसरी ■

कोलकाता। फर्जी प्रमाणपत्रों और फर्जी पंजीकरण संख्याओं का इस्तेमाल करके चिकित्सा करने वाले लोगों की खबरों के बीच पश्चिम बंगाल स्वास्थ्य विभाग ने राज्य भर के निजी चिकित्सा संस्थानों में फर्जी डॉक्टरों की नियुक्ति पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से नए प्रोटोकॉल जारी किए हैं।

राज्य स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, किसी भी निजी चिकित्सा संस्थान को नियुक्ति करने से पहले संबंधित डॉक्टरों की पंजीकरण संख्याओं का सत्यापन करना होगा।

पश्चिम बंगाल क्लिनिकल एस्टैब्लिशमेंट (पंजीकरण, विनियमन और पारदर्शिता) नियम, 2017 के नियम 7(4) के अनुसार निजी स्वास्थ्य सुविधाओं को सभी दस्तावेजों का सत्यापन करने का निर्देश दिया गया है।

राज्य स्वास्थ्य विभाग के एक अधिकारी ने कहा कि अक्सर, कई व्यक्ति खुद को डॉक्टर बताकर वैध पंजीकरण संख्या या प्रैक्टिस करने की अनुमति के बिना प्रैक्टिस करते हैं। इससे आम लोग भ्रमित हो जाते हैं। इसलिए, हमने लाइसेंसिंग अधिकारियों से इस धोखाधड़ी को रोकने के लिए सतर्क रहने को कहा है। साथ ही, उन्होंने आगे कहा कि यदि किसी चिकित्सक की पहचान, शैक्षणिक योग्यता, पंजीकरण या चिकित्सा सेवाएं प्रदान करने के अधिकार के बारे में कोई संदेह हो, तो तुरंत संबंधित अधिकारियों को सूचित किया जाना चाहिए। अधिकारी ने कहा कि ऐसे संदेह की स्थिति में संबंधित डॉक्टर की योग्यता की पुष्टि करने के लिए तुरंत पश्चिम चिकित्सा परिषद का ध्यान आकर्षित किया जाना चाहिए। अंत में, यदि कोई व्यक्ति फर्जी पहचान के साथ या बिना पंजीकरण और चिकित्सा सेवाएं प्रदान करने के लिए अधिकृत हुए बिना चिकित्सा सेवाएं प्रदान करने का दोषी पाया जाता है, तो उसके खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई की जाएगी और संबंधित व्यक्तियों को कड़ी सजा भुगतनी पड़ेगी।

बड़ी आईटी कंपनियों से बेहतर प्रदर्शन कर सकती हैं मिड-साइज आईटी कंपनिया : रिपोर्ट

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव, आर्थिक अनिश्चितताओं और जनरेटिव आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (जेन-एआई) के प्रभाव को लेकर बढ़ती चिंताओं के बावजूद, वित्त वर्ष 2026-27 की दूसरी तिमाही में मिड-साइज आईटी कंपनियों के अपने बड़े प्रतिस्पर्धियों की तुलना में बेहतर प्रदर्शन करने की संभावना है। यह बात ब्रोकरेज फर्म नुवामा की एक नई रिपोर्ट में सामने आई है।

रिपोर्ट के अनुसार, दूसरी तिमाही के दौरान आईटी सेवाओं की कुल मांग का माहौल व्यापक रूप से स्थिर बना रहा। हालांकि सितंबर में वैश्विक भू-राजनीतिक परिस्थितियों के बिगड़ने से कारोबारी भावना पर कुछ असर जरूर पड़ा है। नुवामा का मानना है कि आगामी तिमाही नतीजों के दौरान आईटी कंपनियों का प्रबंधन वैश्विक तनाव, कमजोर व्यापक आर्थिक वातावरण और जेन-एआई के बदलते प्रभाव को लेकर सतर्क रुख अपनाएगा। हाल के महीनों में इन कारकों ने निवेशकों की धारणा पर दबाव डाला है। रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले नौ महीनों में आईटी इंडेक्स में लगभग 26 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। इसके पीछे प्लेटफॉर्म आधारित जेन-एआई से संभावित व्यवधान और खाड़ी क्षेत्र से जुड़ी अनिश्चितताओं को प्रमुख वजह माना गया है। हालांकि, इन चुनौतियों के बावजूद नुवामा ने आईटी सेवा क्षेत्र को लेकर सकारात्मक दृष्टिकोण बनाए रखा है।

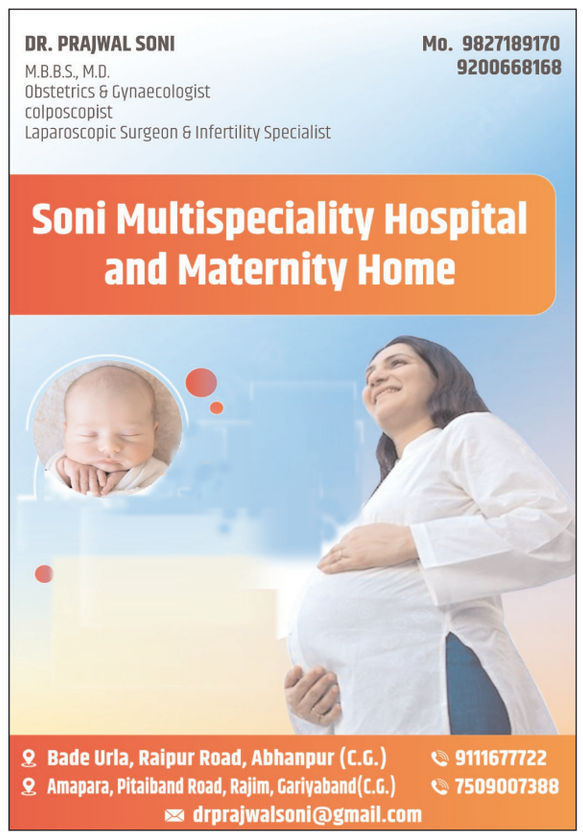

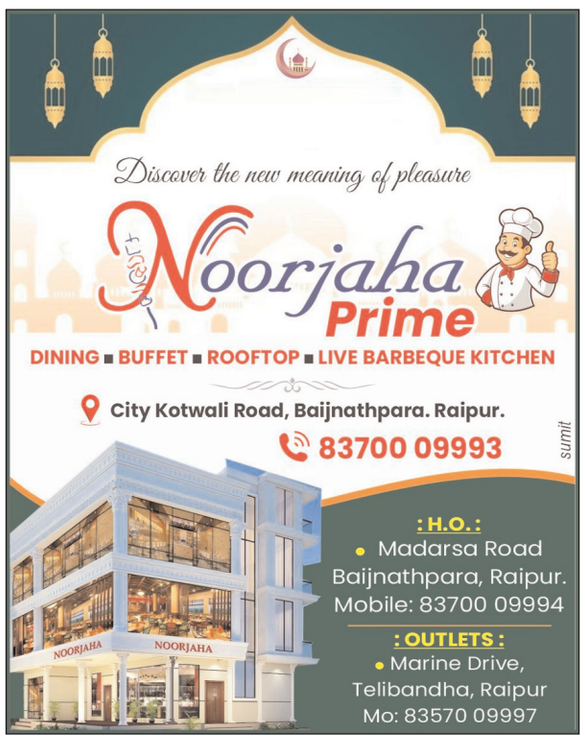

गांधी जयंती पर 196वीं वाहिनी सीआरपीएफ का स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण कार्यक्रम

विश्व केसरी■

बीजापुर (नवीन दुर्गम)। स्वच्छ भारत सेवा अभियान के तहत आज 2 अक्टूबर, गांधी जयंती के शुभ अवसर पर 196वीं वाहिनी, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम कुमार मनीष, कमाण्डेन्ट, 196वीं वाहिनी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर दिनेश, द्वितीय कमान अधिकारी, गुलशन तिर्की, उप कमाण्डेन्ट, तरूण कुमार मीणा एवं लोकेश यादव, सहायक कमाण्डेन्ट, डॉ. शुभम नितिन पवार, चिकित्साधिकारी सहित अधीनस्थ अधिकारी एवं वाहिनी के जवानों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम की शुरुआत में अधिकारियों एवं जवानों ने 'एक पेड़ माँ के नाम, एक पेड़ देश के नाम' अभियान के तहत पौधारोपण किया तथा पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। इस अवसर पर सभी कार्मिकों ने पर्यावरण के संरक्षण एवं संवर्धन के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने तथा प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा के लिए निरंतर प्रयास करने का संकल्प लिया।

तत्पश्चात कमाण्डेन्ट महोदय द्वारा कैम्प की स्वच्छता में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले सफाई मित्रों को प्रशस्ति पत्र एवं उपहार प्रदान कर सम्मानित किया गया। इसके बाद अधिकारियों एवं जवानों ने स्वच्छता अभियान के अंतर्गत महादेव मंदिर, बीजापुर का भ्रमण कर मंदिर परिसर एवं आसपास के क्षेत्र की साफ-सफाई की तथा स्वच्छता का संदेश दिया। इसी क्रम में 196वीं वाहिनी मुख्यालय सहित सभी कम्पनियों में भी विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। ए/196 नाम्बी में सहायक कमाण्डेन्ट हरीश कुमार के नेतृत्व में, ई/196 पुजारीकांकेर में उप कमाण्डेन्ट कुणाल किशोर के नेतृत्व में, बी/196 ताड़पाला घाटी में निरीक्षक विनोद कुमार सिंह के नेतृत्व में, एफ/196 ताड़पाला में सहायक कमाण्डेन्ट विनोद कुमार के नेतृत्व में, डी/196 हीरानगर, जम्मू-कश्मीर में निरीक्षक रजनीकान्त रावत के नेतृत्व में तथा जी/196 लेह में सहायक कमाण्डेन्ट अनिल कुमार के नेतृत्व में कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

इन कार्यक्रमों में अधिकारियों एवं जवानों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, पौधारोपण एवं सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रति जागरूकता का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान सभी कार्मिकों ने स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण को अपने दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने तथा अपने कार्यक्षेत्र एवं आसपास के वातावरण को स्वच्छ, सुरक्षित एवं स्वस्थ रखने का संकल्प लिया।

बाढ़ प्रभावितों के बीच पहुंचे कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज

विश्व केसरी■

जगदलपुर (अर्जुन कुमार झा)। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीपक बैज जगदलपुर के बाढ़ प्रभावित प्रवीर वार्ड व विजय वार्ड पहुंचे,जहां उन्होंने बाढ़ से प्रभावित परिवारों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं और बाढ़ के कारण हुए नुकसान की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने प्रभावित परिवारों को राहत सामग्री का वितरण किया तथा संकट की इस घड़ी में हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि बस्तर के लोगों पर आई इस आपदा की घड़ी में पूरी कांग्रेस पार्टी मजबूती के साथ प्रभावित परिवारों के साथ खड़ी है। कांग्रेस कार्यकर्ता लगातार राहत एवं सेवा कार्यों में जुटे हुए हैं और जरूरतमंद परिवारों तक हरसंभव सहायता पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है।बाढ़ के कारण अनेक परिवारों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा है।

कई लोगों के घरों और दैनिक जीवन पर इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। ऐसे समय में सरकार की जिम्मेदारी है कि वह प्रभावित परिवारों की स्थिति का गंभीरता से आकलन करे। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने सरकार से मांग करते हुए कहा कि बाढ़ से हुए नुकसान का शीघ्र सर्वे कराया जाए तथा प्रभावित परिवारों को पर्याप्त मुआवजा एवं आवश्यक राहत उपलब्ध कराई जाए, ताकि उन्हें इस कठिन परिस्थिति से उबरने में सहायता मिल सके। इस दौरान प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी महामंत्री मलकीत सिंह गैदू, पूर्व विधायक रेखचंद जैन, बस्तर जिला कांग्रेस कमेटी शहर अध्यक्ष सुशील मौर्य, महामंत्री अभिषेक नायडू, प्रवीर वार्ड पार्षद जाहिद हुसैन, विजय वार्ड पार्षद गौतम पाणिग्रही सहित कांग्रेस के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

आंगन मिलन कार्यक्रम में मितानीनों एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का हुआ सम्मान

विश्व केसरी■

आलानार/बंडापाल (डम्पी खान)। सेवा संकल्प अभियान के तहत शुक्रवार को आलानार सेक्टर अर्रा एवं बंडापाल के आंगनबाड़ी केंद्रों में आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जनपद सदस्य श्रीमती हेमलता गावड़े एवं श्रीमती प्रमिला मरापी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं। इस दौरान ग्रामीणों को महिला एवं बाल विकास विभाग की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गई तथा मध्यम एवं कुपोषित बच्चों को एनआरसी भेजने के लिए अभिभावकों को प्रेरित किया गया। बंडापाल में किशोरी बालिकाओं को बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान के तहत शपथ दिलाई गई। महिलाओं एवं बच्चों के हित में

उत्कृष्ट कार्य करने वाली आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं एवं मितानिनों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। आलानार में महिलाओं के लिए मेहंदी एवं विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं, जिसमें महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए गए। कार्यक्रम में पंचायत प्रतिनिधि, पर्यवेक्षक, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता-सहायिका, मितानिन, स्व सहायता समूह की महिलाएं, किशोरी बालिकाएं एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

अंतागढ़ में कर्मचारी बिना चल रही अंग्रेजी शराब दुकान

विश्व केसरी■

अंतागढ़ (डम्पी खान)। अंग्रेजी शराब दुकान के संचालन को लेकर अंतागढ़ में सवाल खड़े हो रहे हैं। बताया जा रहा है कि दुकान लंबे समय से बिना सुपरवाइजर के संचालित हो रही है और पूरा कामकाज सेल्समैन के भरोसे चल रहा है। सुपरवाइजर के दुर्घटना के बाद से पद रिक्त पड़ा है, लेकिन अब तक इस पद पर किसी अन्य व्यक्ति की नियुक्ति नहीं की गई है।

हादसे के बाद खाली हुआ पद

जानकारी के मुताबिक, अंग्रेजी शराब दुकान में पदस्थ सुपरवाइजर दुर्घटना के बाद से कार्य पर नहीं है। इसके बाद से सुपरवाइजर का पद रिक्त पड़ा हुआ है। ऐसे में सवाल यह है कि शराब दुकान जैसे संवेदनशील प्रतिष्ठान में नियमित निगरानी और जिम्मेदारी के लिए वैकल्पिक व्यवस्था क्यों नहीं की गई।

सेल्समैन के भरोसे दुकान, मनमानी की शिकायत

स्थानीय स्तर पर दुकान के संचालन को लेकर मनमानी किए जाने की शिकायतें सामने आने की बात कही जा रही है। आरोप है कि सुपरवाइजर की गैरमौजूदगी में सेल्समैन के स्तर पर ही दुकान का संचालन किया जा रहा है।

हालांकि इन शिकायतों की आधिकारिक पुष्टि होना अभी बाकी है। यदि शिकायतें सही हैं तो यह जांच का विषय है कि दुकान में बिक्री, स्टॉक और अन्य गतिविधियों की निगरानी किस स्तर पर की जा रही है।

रिक्त पद पर नियुक्ति नहीं, व्यवस्था पर सवाल

सबसे बड़ा सवाल यह है कि सुपरवाइजर के दुर्घटना के बाद पद खाली होने की जानकारी होने के बावजूद अब तक विभाग ने वैकल्पिक नियुक्ति क्यों नहीं की। लंबे समय तक किसी जिम्मेदार सुपरवाइजर की अनुपस्थिति में दुकान का संचालन किस अधिकारी की निगरानी में हो रहा है, इसे लेकर भी स्थिति स्पष्ट नहीं है। स्थानीय लोगों का कहना है कि संबंधित विभाग को मामले की निष्पक्ष जांच कर दुकान के संचालन, स्टॉक, बिक्री व्यवस्था और सामने आई शिकायतों की जांच करनी चाहिए। साथ ही रिक्त पद पर जल्द नियुक्ति कर दुकान के संचालन में पारदर्शिता सुनिश्चित की जानी चाहिए।

विभाग की भूमिका पर टिकी नजर

अब मामला संबंधित आबकारी विभाग के अधिकारियों के संज्ञान में आने के बाद कार्रवाई पर टिका है। क्या विभाग दुकान में चल रही व्यवस्थाओं की जांच करेगा? क्या रिक्त सुपरवाइजर पद पर नियुक्ति होगी? और क्या मनमानी से जुड़ी शिकायतों की जांच की जाएगी—इन सवालों के जवाब का इंतजार है।

अंतागढ़ में गांधी एवं शास्त्री जयंती पर कांग्रेस ने किया नमन

विश्व केसरी■

अंतागढ़ (डम्पी खान)। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर पर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अंतागढ़ द्वारा नए बस स्टैंड परिसर में गांधीजी की प्रतिमा के समक्ष श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष दुर्गेश ठाकुर सहित कांग्रेस नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। साथ ही पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनके राष्ट्र के प्रति योगदान और सादगीपूर्ण जीवन को स्मरण किया गया। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि महात्मा गांधी ने सत्य और अहिंसा के मार्ग पर चलते हुए देश के स्वतंत्रता आंदोलन को नई दिशा दी। वहीं लाल बहादुर शास्त्री ने सादगी, ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठा और राष्ट्रसेवा का आदर्श प्रस्तुत किया। दोनों महापुरुषों के विचार आज भी समाज और देश के लिए प्रेरणादायी हैं। कार्यक्रम में वरिष्ठ कांग्रेसी अखिलेश चंदेल, शेख शरीफ कुरैशी, राकेश गुप्ता, प्रदीप तुरतुरिया, अभिषेक श्रीवास्तव, तोमेश जोशी, चन्द्रज्योत रामटेके, विकास सोनी, तुलसी राणा विशाल फाफामारिया, कुलदीप खापर्डे,गुड्डा नेताम,सुजल निषाद सहित कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

राष्ट्रपिता एवं लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर 'मैं हूं गांधी' बनकर स्वच्छता अभियान चलाया गया

विश्व केसरी■

कांकेर (सीताराम शर्मा)। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री की जी की जयंती के अवसर पर शाहिद रामकुमार यादव शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लट्टिपारा कांकेर में सर्वधर्म प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया इस प्रार्थना सभा में गांधी जी के प्रिय भजनों के साथ सभी धर्म के मंत्रों का उच्चारण किया गया। विद्यालय के सैकड़ो की संख्या में बालिकाओं ने गांधी जी का मुखौटा पहनकर शांति का संदेश दिया।

सर्व धर्म प्रार्थना के संपन्न होने के पश्चात मुख्य सड़कों के किनारे स्वच्छता का संदेश देते हुए गांधी जी के सपनों के अनुरूप स्वच्छ भारत अभियान के तहत स्वच्छता का कार्यक्रम चलाया गया। प्लास्टिक मुक्त भारत के अभियान के तहत सड़क के किनारे प्लास्टिक मुक्त अभियान की जागरूकता का संदेश दिया गया सड़क के किनारे छोटे व्यापारी एवं दुकानदारों , आम नागरिकों से स्वच्छता की अपील की गई । संस्था के प्राचार्य जयश्री शुक्ला ने सभी बच्चों से अपील करते हुए कहा है कि स्वच्छता को अपने जीवन में अपनाए तभी गांधी जी की सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

सेवा संकल्प अभियान के तहत चारामा में पौधरोपण

विश्व केसरी■

चारामा (संदीप मेश्राम)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के 25 वर्ष राष्ट्रसेवा एवं जनसेवा को समर्पित सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत नगर पंचायत चारामा में 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। नगर पंचायत एवं भारतीय जनता पार्टी के संयुक्त प्रयास से आयोजित इस कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई।

कार्यक्रम के दौरान पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण, हरियाली संवर्धन एवं प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी का संदेश दिया गया। इस अवसर पर उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने कहा कि पेड़-पौधे हमारे जीवन का आधार हैं। इनके संरक्षण एवं संवर्धन से आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ वातावरण और बेहतर भविष्य प्रदान किया जा सकता है।'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के माध्यम से मातृशक्ति के सम्मान के साथ प्रकृति के प्रति प्रेम और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना को भी प्रोत्साहित किया गया।

बासनवाही के बाजार में नुक्कड़ नाटक से दिया जनजागरूकता का संदेश

शासकीय योजनाओं, स्वच्छता और सामाजिक सरोकारों के प्रति ग्रामीणों को किया जागरूक

विश्व केसरी■

कांकेर (सीताराम शर्मा)। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत जनपद पंचायत नरहरपुर के ठाकुर भावसिंह कला एवं विज्ञान महाविद्याल के राष्ट्रीय सेवा योजना के छात्र-छात्राओं द्वारा ग्राम पंचायत बासनवाही के स्थानीय बाजार स्थल में प्रेरणादायी नुक्कड़ नाटक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया।

नुक्कड़ नाटक के माध्यम से सरल, स्थानीय और प्रभावी संवादों के माध्यम से ग्रामीणों को विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं तथा सामाजिक सरोकारों से जुड़े विषयों की जानकारी दी गई। बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत बालिकाओं के संरक्षण, शिक्षा और उनके अधिकारों के प्रति जागरूकता का संदेश दिया गया। महतारी वंदन योजना के माध्यम से महिलाओं के आर्थिक स्वावलंबन और सशक्तिकरण पर प्रकाश डाला गया। वहीं आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत मिलने वाली स्वास्थ्य सुविधाओं एवं नि:शुल्क उपचार की जानकारी ग्रामीणों तक पहुंचाई गई। स्वच्छ भारत मिशन के संदेश को भी प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करते हुए ग्रामीणों से स्वच्छता को अपनी दैनिक जीवनशैली का हिस्सा बनाने तथा अपने घर और आसपास के सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ रखने का आह्वान किया गया।

नुक्कड़ नाटक के माध्यम से ग्रामीणों को जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी मिलने के साथ-साथ युवाओं में सामाजिक उत्तरदायित्व, जनसेवा और समाज के प्रति संवेदनशीलता की भावना को भी बढ़ावा मिला। इस अवसर पर टिकेश्वर जैन, ग्राम पंचायत बासनवाही की सरपंच श्रीमती भाभीता नेताम सहित स्थानीय नागरिक एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

चारामा में भव्य शारदीय नवरात्र महोत्सव

विश्व केसरी■

चारामा (संदीप मेश्राम)। श्री श्री नवदुर्गा सेवा समिति नगर पंचायत चारामा चारामा द्वारा शारदीय नवरात्र के पावन अवसर पर इस वर्ष 56वां नवरात्र महोत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा। समिति द्वारा 11 अक्टूबर से 20 अक्टूबर तक विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान मां दुर्गा की मूर्ति स्थापना, ज्योति कलश (घी 1251 रु, तेल 1151 रु) ,देवी पूजा एवं विशेष आरती सहित कई कार्यक्रम होंगे।

समिति द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार 11 अक्टूबर को प्रतिपदा के अवसर पर मूर्ति स्थापना, देवी पूजा एवं विशेष महामाया आरती होगी। 12 अक्टूबर को महिला खेलकूद एवं मनोरंजन प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। जिसमें स्थानीय महिलाओं द्वारा कार्यक्रम को आकर्षक बनाने हेतु कुर्सी दौड़,चम्मच दौड़ एवं मटका फोड़ प्रतियोगिता का आयोजन एवं पुरस्कार 13 अक्टूबर को हीरेश सिन्हा नाइट्स तथा 14 अक्टूबर को गरबा नाइट प्रतियोगिता का आयोजन जिसमे भी विभिन्न पुरस्कार एवं सांत्वना पुरस्कार

15 अक्टूबर को लोक रंग अर्जुन्दा के कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया जाएगा। 16 अक्टूबर को स्वर माला म्यूजिकल ग्रुप चारामा की प्रस्तुति होगी। वहीं 17 अक्टूबर को राज्य स्तरीय डी.जे. डांस प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा, जिसमें सामूहिक, युगल एवं एकल नृत्य की प्रस्तुतियां होंगी। 18 अक्टूबर को देवी भूमिका सुमधुर भजन संध्या का आयोजन किया जाएगा। 19 अक्टूबर को हवन-पूजन सहित बाल कलाकार आराध्या साहू कुरूद की पंडवानी की प्रस्तुति होगी । 20 अक्टूबर को माता विसर्जन, दशहरा महोत्सव, रावण दहन एवं भव्य आतिशबाजी के साथ नवरात्र महोत्सव का समापन होगा। श्री श्री नवदुर्गा सेवा समिति चारामा ने श्रद्धालुओं एवं नगरवासियों सहित क्षेत्रवासियों से सभी धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों में परिवार सहित शामिल होकर आयोजन को सफल बनाने की अपील की है।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा डीबी कार्प लिमिटेड प्लाट नंबर 40/44 इण्डस्ट्रियल एरिया बीरगांव रोड़ उरला रायपुर छत्तीसगढ़ से मुद्रित और 30, मीडिया सीटी, हीरापुर रोड, मोहबा बाजार, टाटीबंध रायपुर छत्तीसगढ़- 492099,स्थानीय कार्यालय B-87A गायत्री नगर, शंकर नगर जगन्नाथ मंदिर के पास रायपुर छ.ग. 492004 से प्रकाशित, कार्यकारी संपादक: रामप्रसाद दुबे (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र रायपुर होगा) मोबाइल 9425509753 ई-मेल: vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. CTHIN/26/A6251